ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

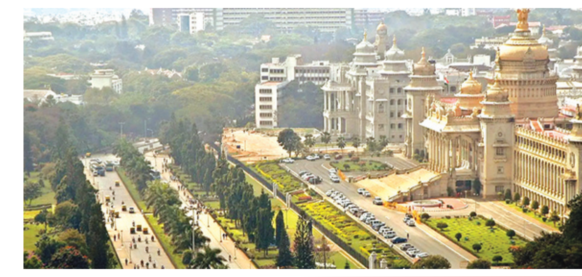

दीपावली सप्ताहांत के लिए हजारों लोगों के शहर छोड़ने से पूरे बेंगलूरु में .. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 19 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-287

35 आर्थिक अपराधी और 34 आतंकी/अपराधी भारत से फरार

भगोड़ों को फिर भारत घसीट लाने की तैयारी

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत छोड़ कर भागे आर्थिक अपराधियों के साथ-साथ आतंकियों, भ्रष्टाचारियों और अन्य संज्ञेय अपराध के वांछितों को भारत वापस लाने की तैयारियां तेज गति से शुरू कर दी गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर केंद्रीय एजेंसियों ने कवायद तेज कर दी है। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के दस्तावेज बताते हैं कि तकरीबन 35 ऐसे भगोड़े हैं जो आर्थिक अपराध कर देश से भाग गए। इनके अलावा 34 खूंखार अपराधियों और आतंकियों की भी तलाश है जो भारत छोड़ कर भागे हुए हैं।

सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद ने सभी जांच और खुफिया एजेंसियों से बेहतर तालमेल और फरार लोगों की सूचना साझा करने की अपील की है। सीबीआई निदेशक ने देशभर से आए राज्य पुलिस प्रमुखों और केंद्रीय एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि भगोड़े अपराधियों को विदेशों से वापस लाने के लिए आपस में बेहतर तालमेल बनाने और सूचनाएं साझा

गृह मंत्री के निर्देश पर जांच एजेंसियों ने तेज की कवायद

कर कारगर परिणाम दिया जाएगा। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने इस सिलसिले में पुख्ता रणनीति तैयार करने का निर्देश दिया है, क्योंकि भारत की ओर से विभिन्न देशों को भेजे गए प्रत्यर्पण अनुरोधों में पुख्ता दस्तावेजी साक्ष्य होना चाहिए, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रिया में टिक सकें।

एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के तहत खासकर अनुपस्थिति में मुकदमा (ट्रायल इन एब्सेंशिया) जैसे प्रावधानों का इस्तेमाल फरार आरोपियों पर किया जा सकता है। देशभर की 45 केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के 200 से अधिक अधिकारियों ने इस मसले पर गंभीरता से मंथन किया। इसमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सीबीआई, एनआईए, ईडी, एनसीबी, एफआईयू, इंटरपोल समेत अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल थे। 25 विशेषज्ञ अधिकारियों ने विदेश से सहयोग करने वाले स्रोतों के बेहतर इस्तेमाल, भगोड़ों की लोकेशन ट्रैकिंग में तकनीक के इस्तेमाल, वित्तीय लेन-देन की ▶10पर

ब्रह्मोस मिसाइल की पहली खेप लखनऊ से रवाना

राजनाथ और आदित्यनाथ ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ में बना ब्रह्मोस का ब्रह्मास्त्र

लखनऊ, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर तो बस पाकिस्तान के लिए एक ट्रेलर था। पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस के दायरे में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रह्मोस की ताकत से अब पूरी दुनिया परिचित हो चुकी है। ब्रह्मोस केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अपने मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सटीक हथियार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भारत अपने सपने को भरोसे में बदलने की ताकत रखता है। इसी भरोसे ने हमें ऑपरेशन सिंदूर में ताकत दी। जीत हमारी आदत बन चुकी है। इस आदत को और मजबूत बनाना है। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत दुनिया ने देखी। हर साल करीब 100 मिसाइल सिस्टम लखनऊ यूनिट से बनकर तैयार होगा।

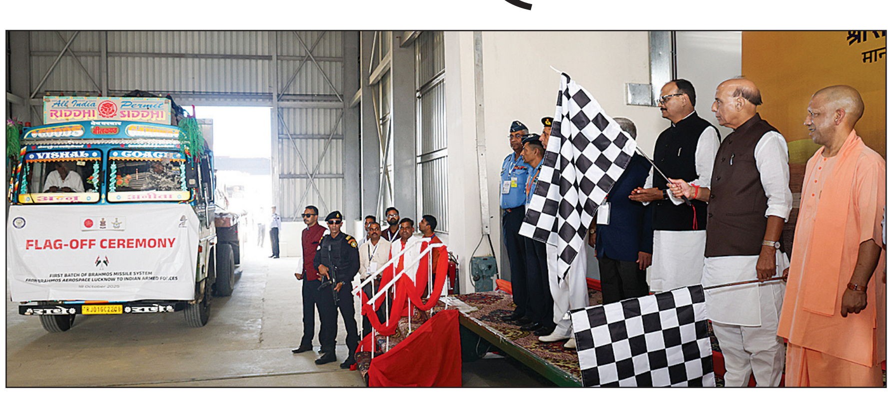

रिकॉर्ड समय में तैयार, हर साल बनेंगी सौ मिसाइलें

ब्रह्मोस जल सेना, थल सेना, वायु सेना की रीढ़ बन चुका है। राजधानी लखनऊ में शनिवार को आत्मनिर्भर भारत का एक नया अध्याय लिखा गया, जब ब्रह्मोस एयरोस्पेस लिमिटेड की लखनऊ इकाई में उत्पादित सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच का फ्लैग ऑफ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। भारत माता की जय के जयघोष के बीच जब मिसाइलों का पहला जत्था रवाना हुआ तो गौरव और देशभक्ति से वातावरण गूंज उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयास से ब्रह्मोस लखनऊ में विकसित हुआ है, जो देश की खुशहाली का माध्यम बना है। जब व्यक्ति सुरक्षित रहता है, तभी चैन की नींद सोता है। लखनऊ में बनी मिसाइल पूरे देशवासियों की सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया संकल्प को साकार करने का यह क्षण प्रफुल्लित करने वाला है। उन्होंने कहा कि यह मिसाइल न केवल भारत की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, ▶10पर

रक्षा आत्मनिर्भरता में एक और मील का पत्थर

तेजस लड़ाकू विमान ने भरी पहली उड़ान

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश ने विमानन और रक्षा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में एक और मील का पत्थर पार किया। लंबे इंतजार के बाद लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) मार्क-1ए ने महाराष्ट्र के नासिक में पहली उड़ान भरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में स्वदेशी विमान को वाटर सैल्यूट देकर भारत की बढ़ती ताकत का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद रक्षा मंत्री ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की नासिक यूनिट में एलसीए मार्क-1ए की तीसरी लाइन और एचटीटी-40 की दूसरी लाइन का उद्घाटन किया।

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, एचएएल की नासिक यूनिट में एलसीए मार्क-1ए तेजस और एचटीटी 40 विमान का उत्पादन होता है। दोनों विमानों के निर्माण में तेजी लाने के लिए आज एलसीए तेजस बनाने वाली तीसरी उत्पादन लाइन और एचटीटी 40 विमान की दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन हो रहा है। उन्होंने कहा, नासिक एक ऐतिहासिक भूमि है, जहां भगवान शिव त्र्यंबक के रूप में निवास करते हैं। नासिक आस्था, भक्ति, आत्मनिर्भरता और क्षमता का प्रतीक बन गया है। यहां एचएएल देश की रक्षा शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। जब मैंने आज सुखोई-30, एलसीए तेजस और एचटीटी-40 को एक साथ उड़ान भरते देखा, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। यह समस्त भारतवासियों के लिए गौरव का विषय है। ▶10पर

पाकिस्तानी वायुसेना ने किया हवाई हमला

अफगानिस्तान के तीन क्रिकेटर समेत 8 मरे

काबुल, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के सीमाई प्रांत पक्तिका में पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमले में तीन अफगानी क्रिकेट खिलाड़ियों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि ये खिलाड़ी उरगुन से पक्तिका प्रांत के शाराना एक दोस्ताना मैच में हिस्सा लेने गए थे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तीनों खिलाड़ियों के नाम कबीर, सिबगतुल्लाह और हारून बताए। हमले में पांच अन्य लोग भी मारे गए। एसीबी ने इसे पाकिस्तानी शासन द्वारा किया गया एक कायराना हमला बताया। इस हमले के बाद, अफगानिस्तान ने त्रिकोणीय श्रृंखला से अपना नाम वापस ले लिया। एसीबी ने बताया कि मैच के बाद वापस उरगन लौटते हुए उन्हें निशाना बनाया गया। अफगान क्रिकेट बोर्ड ने इसे अफगानिस्तान के खेल जगत के लिए बड़ी क्षति बताया। बोर्ड ने हमले में मारे गए खिलाड़ियों के परिजनों के प्रति सांत्वना भी जाहिर की। ▶10पर

आठ सीटों पर एक-दूसरे से ही लड़ेंगे विपक्षी नेता

महा-हठबंधन में फंसा महा-गठबंधन

पटना, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन में सीटों का बंटवारा भी हो चुका और प्रत्याशी भी घोषित हो गए। लेकिन विपक्षी महागठबंधन में कुछ भी ठीक नहीं है। सीटों को लेकर अभी तक रार फंसी है और मार की संभावना है। आठ सीटें तो ऐसी हैं, जहां महागठबंधन घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ ही चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। इसके बावजूद राजद, कांग्रेस और वाम दल कह रहे हैं कि महागठबंधन में सब कुछ ठीक है। कहीं कोई दिक्कत नहीं है। जबकि सब कुछ दिक्कत में ही है।

प्रत्याशी उतार दिए, सीटों का बंटवारा हुआ ही नहीं

विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 121 सीटों पर नामांकन प्रक्रिया खत्म हो गई। अब तक केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने सीट बंटवारे की घोषणा की है। महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीट शेयरिंग का फॉर्मूला अब तक तय नहीं हुआ है। सभी दलों ने पहले चरण की सीटों पर अपने-अपने प्रत्याशी उतार दिए। इनमें राजद ने 72, कांग्रेस ने 26, वामदल ने 21 और वीआईपी ने छह सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि आठ ऐसी सीटें हैं, जहां महागठबंधन के ही घटक दलों के उम्मीदवार एक-दूसरे को चुनौती देंगे। इनमें वैशाली, लालगंज, राजापाकड़, बछवाड़ा, रोसड़ा, बछवाड़ा, तारापुर और कहलगांव विधानसभा सीट है। इन सीटों पर फ्रेंडली फाइट से स्पष्ट हो गया है कि महागठबंधन में कुछ भी ठीक नहीं है। जिन सीटों पर महागठबंधन के घटक दल एक-दूसरे को चुनौती देंगे उनमें कहलगांव, तारापुर, बछवाड़ा, बिहारशरीफ, रोसड़ा, राजापाकड़, वैशाली और लालगंज विधानसभा सीट शामिल हैं। ▶10पर

इस्लामी उत्तराधिकार पर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नि:संतान विधवा को मिलेगा सम्पत्ति में हिस्सा

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इस्लामी उत्तराधिकार कानून से जुड़ा एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी सम्पत्ति को बेचने का सिर्फ समझौता (एग्रीमेंट टू सेल) मालिकाना हक का हस्तांतरण नहीं करता। यानि जब तक सेल डीड (विक्रय विलेख) अमल में नहीं लाया जाता, सम्पत्ति का मालिक वही व्यक्ति रहता है जिसके नाम पर वह है।

यह फैसला बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्णय के खिलाफ जोहरबी नामक महिला की अपील पर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम कानून के अनुसार, यदि मृतक की औलाद नहीं है तो बीवी सम्पत्ति के एक-चौथाई हिस्से की हकदार होती है। यह मामला चांद खान नामक व्यक्ति की सम्पत्ति से जुड़ा था। चांद खान की मृत्यु हो गई थी और उसकी कोई औलाद नहीं थी। उसकी बीवी जोहरबी ने दावा किया कि चांद खान की सभी संपत्तियां ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31⁰
न्यूनतम : 23⁰

सीआईसी की रिपोर्ट बता रही आरटीआई की असलियत

सूचना के अधिकार से हुए कई बड़े खुलासे

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूचना के अधिकार को लेकर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर जो आरोप लगाए वह भी तथ्यात्मक आधार पर झूठा साबित हुआ है। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर आरटीआई को कमजोर करने का आरोप लगाया था और कहा था कि सूचनाएं छुपाई जा रही हैं। लेकिन तथ्यों और आंकड़ों को सामने रखें तो तस्वीर कांग्रेस के दावे के ठीक विपरीत है। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) की ताजा रिपोर्ट और आंकड़े बताते हैं कि मोदी सरकार के कार्यकाल में आरटीआई न सिर्फ मजबूत हुआ, बल्कि और आसान, तेज एवं पारदर्शी बना। कोविड जैसे मुश्किल वक्त में भी आरटीआई का डिस्पोजल रेट बढ़ा, वह भी डिजिटल इंडिया की बदौलत।

कांग्रेस ने अक्टूबर 2025 में आरटीआई के 20 साल पूरे होने पर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला था। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि सरकार आरटीआई को क्रमशः खोखला कर रही है। डेटा प्रोटेक्शन लॉ के नाम पर सूचनाएं रोकने की कोशिश हो रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पांच बड़े मुद्दे गिनाए, पीएम की डिग्री, फर्जी राशन कार्ड, नोटबंदी, राफेल डील और इलेक्टोरल बॉन्ड्स। उनका कहना

लगातार बढ़ रहा है आरटीआई का इस्तेमाल

था कि इन मामलों में आरटीआई से सवाल पूछे गए, जिससे सरकार डर गई और 2019 में आरटीआई एक्ट में संशोधन करके सेंट्रल इंफॉर्मेशन कमीशन (सीआईसी) को कमजोर कर दिया।

अब आप देखें असली सच्चाई और उसे उजागर करने वाले आंकड़े। 2023-24 की सीआईसी रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 17.5 लाख आरटीआई एप्लीकेशन फाइल हुईं, जो दस साल पहले के मुकाबले दोगुनी हैं। यानी जनता का आरटीआई पर भरोसा बढ़ा है। डिस्पोजल रेट 90 प्रतिशत से ऊपर रहा। नवंबर 2023 में चीफ इंफॉर्मेशन कमिश्नर हीरालाल समरिया ने कहा कि वित्त वर्ष में पहली बार 90 प्रतिशत से ज्यादा डिस्पोजल रेट हासिल हुआ। पेंडिंग केस 2020-21 के 38,116 से घटकर 2023-24 में 19,233 रह गए। जुलाई 2024 से जून 2025 तक के डेटा में जुर्माना (पेनल्टी इम्पोज) सिर्फ 1.2 प्रतिशत रहा, लेकिन निपटारे का ग्राफ ऊंचा रहा। जून 2025 तक सीआईसी में 26,800 केस पेंडिंग थे, जो पूरे सिस्टम की तुलना में बेहतर है। सतर्क नागरिक संगठन की एक रिपोर्ट कहती है कि 29 सूचना आयोगों में 4,13,972 केस पेंडिंग हैं, लेकिन डिस्पोजल रेट में सुधार साफ दिखता है। देश में करीब 25,000 पब्लिक अथॉरिटी हैं, जो आरटीआई के तहत जवाब देती हैं। इनका एनुअल रिटर्न फाइलिंग रेट 92 प्रतिशत से ज्यादा है, जो यूपीए के समय 77 प्रतिशत था। आरटीआई ने पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े खुलासे किए। चाहे वो सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार हो, राशन कार्ड की धांधली हो या स्कॉलरशिप की गड़बड़ी, आरटीआई से लाखों लोगों को उनके हक मिले। मिसाल के तौर पर, मनरेगा में मजदूरी के भुगतान की जानकारी आरटीआई से मिली, जिससे हजारों मजदूरों को समय पर पेमेंट हुआ। पेंशन स्कीम में गड़बड़ियां उजागर हुईं, जिससे बुजुर्गों को लाभ मिला। सरकारी जमीनों के गलत आवंटन के केस सामने आए, जिससे भ्रष्टाचार रुका। 2023-24 में 17.5 लाख आरटीआई फाइलिंग्स दिखाती हैं कि लोग अब ज्यादा जागरूक हैं। रिजेक्शन रेट सिर्फ 5.65 प्रतिशत रहा, यानी ज्यादातर लोगों को जवाब मिला।

समय पर किए गए कार्य का ही महत्व : संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव का रसा स्वादन चल रहा है। प्रभु की भव्य और कल्याणी अंतिम वाणी का आराधन चल रहा है। प्रभु महावीर ने अंतिम वाणी में जग से कल्याण का मार्ग बतलाया है। भगवान जहां विराजते हैं वहां कुछ भी चले उनसे कोई मतलब नहीं होता है। 26वां अध्ययन समाचारी है। घर की व्यवस्था अच्छी हो। शिष्टाचार हो, नम्रता हो और शालीनता हो, इसका इस अध्ययन में उल्लेख है। गुरु, संतों और लोगों को कैसे घर में रहना है, समाज में रहना है यह इसके माध्यम से सिख सकते हैं। मुनि भगवंत अगर कहीं बाहर भी जाए तो निवेदन करें। यह शिष्टाचार है।

जहां शिष्टाचार है वहां कल्याण संभव है। घर में बड़े बुजुर्ग हैं तो उनसे पूछ कर ही काम चाहिए। आज कल के जमाने में यह व्यवस्था बहुत जरूरी है। बहु बेटी भी कहीं जा रही हैं तो घर में बड़े बुजुर्ग को बता कर ही जाएं। आज्ञा लिए बिना काम नहीं करना चाहिए।

अगर कोई गलती हो तो माफी मांग लेनी चाहिए। गुरु भगवंत आएं तो खड़े होकर हाथ जोड़ लेना चाहिए। यह सभी शिष्टाचार की श्रेणी में आती है। जिस मानव में यह ज्ञान नहीं है वह अज्ञानी समान है। बिना शिष्टाचार के मानव ज्ञान ध्यान नहीं सिख सकता है। जिस समय जो काम करना है उसको उसी समय करना चाहिए। हर चीज का एक समय होता है।

रात में बारह बजे स्वाध्यान नहीं किया जाता हैं। उसका समय अलग होता है। समय पर ही स्वाध्याय, ज्ञान ध्यान करना चाहिए। कोई भी काम करें तो समय पर करें। जो काम जिस समय होता है उसी समय करना चाहिए। इससे सभी की शोभा बनी रहेगी। स्वाध्याय मतलब भगवान की वाणी को पढ़ना होता है। इसलिए इसके नियम का पालन बहुत जरूरी होता है। जिस तरह से शरीर में सिर का महत्व है उसी प्रकार साधु धर्म ध्यान का महत्व होता है। दूसरा अध्ययन दुष्ट बैल है। ऐसा बैल चलाने वाला दुखी होता है। बैल भी दुखी होता है और उसका मालिक भी दुखी होता है। जो मानव दुष्ट होता है उससे सब परेशान होते हैं। जो अच्छा होता है उसको सब पसंद करते है। जो सही नहीं होता है उसको कोई पसंद नहीं करता है। सेवा भावी लोगों को सभी पसंद करते हैं। इसलिए मनमर्जी से चलने के बजाय सबकी सुन कर करो। अच्छे मार्ग से कमाई होगी तो टिकेगा। गलत मार्ग का कभी नहीं टिकता है। इसलिए संसार में रह कर अच्छे मार्ग से कमाई करनी चाहिए। धनतेरस पर लक्ष्मी की पूजा होगी। लेकिन गलत मार्ग से कमाने से बचना चाहिए। अच्छे और न्याय के मार्ग से जो कमाई होगी उससे लक्ष्मी मां प्रसन्न रहेंगी। सभा में श्रमणी चंदन प्रभाश्रीजी की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने पूज्य गुरुदेव के साथ काफी समय तक विचार विमर्श किया। चंदन प्रभा जी पद्मावती माताजी की पक्की भक्त हैं। पद्मावती माताजी का जोधपुर के पास भव्य मंदिर का निर्माण कराया है। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया। रविवार को सुबह 9 बजे से प्रवचन में श्रमण संघीय तृतीय आचार्य सम्राट 1008 श्री देवेन्द्र मुनि जी की जन्म जयंती मनाई जाएगी।

पुरुषार्थ मिथ्यात्वयुक्त न होकर सम्यक होना चाहिए: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित साध्वी निर्मलाजी के सान्निध्य में साध्वी उपासना ने उत्तराध्ययन सूत्र आराधना के क्रम में संघ में 29वां अध्ययन 'सम्यक पराक्रम' का विवेचन करते हुए बताया कि सम्यक पराक्रम का अर्थ है कि सही रूप से किया गया पुरुषार्थ। मनुष्य जन्म प्राप्त करने के बाद उसका कर्तव्य है कि वह पुरुषार्थ करे, परन्तु वह पुरुषार्थ मिथ्यात्वयुक्त न होकर सम्यक होना चाहिए।

साध्वी ने कहा कि पराक्रम महावीर में भी था और सिकंदर में भी। परन्तु महावीर का पराक्रम सम्यक था और सिकंदर का मिथ्यात्वयुक्त। इसी कारण महावीर बने विजेता आत्मा के, जबकि सिकंदर संसार के मोह में ही रह गया। सम्यक पराक्रम वही है जो आत्मा, धर्म और सत्य के लिए किया जाए। जो पुरुषार्थ केवल संसारिक भोग-विलास, नाम-यश या अधिकार के लिए हो वह निष्फल और निश्चयाच पुरुषार्थ कहलाता है। विनय, भक्ति और जनकल्याण की भावना ही सम्यक पुरुषार्थ की पहचान है। इस अध्ययन में साध्वीजी ने 'दो महावृक्ष' और 'दो अमृतकुण्ड' का भी रहस्यमय अर्थ स्पष्ट किया, जो आत्मा के धरातल और समाधानों के सूर्य का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा कि वंदन करने से नीच गोत्र का क्षय होता है और उच्च गोत्र का बंध होता है। नम्रता और सम्यकता ही आत्मा को ऊँचा उठाने की सीढ़ी है। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने आचार्य देवेंद्रमुनि के गुणगान करते हुए कहा कि सम्पूर्ण जैन समाज में आपके ज्ञान, साधना और साहित्य का काफी प्रभाव रहा। आपने जैन आगमों पर लगभग 300 साहित्यों की रचना की। आपश्री लेखक के साथ ही तेजस्वी प्रवचनकार भी रहे। साध्वी ऋषिता ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया और अंत में साध्वी निर्मलाजी ने मंगलपाठ दिया।

अभिनंदन एवं सम्मान समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद् राजाजीनगर द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के नवमनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी एवं आभातेयुप साथिगण का अभिनंदन एवं सम्मान समारोह का कार्यक्रम तेरापंथ भवन राजाजीनगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र से हुई। विजय गीत का संगान भिक्षु श्रदा स्वर टीम द्वारा किया गया। राजाजीनगर तेयुप अध्यक्ष जितेश दक ने सभी का स्वागत किया एवं नव मनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी को शुभ मंगलकामनाएं संप्रेषित की। शुभकामनाओं की कड़ी में

तेरापंथ सभा राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी एवं महिला मंडल अध्यक्षा सुनिता कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री को शुभकामना संदेश संप्रेषित किए। तेयुप मंत्री अनिमेष चौधरी ने पधारे हुए श्रावक श्राविका समाज को अवगत् कराया की हाल ही में हुए अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के 59वें राष्ट्रीय अधिवेशन एकत्व में सत्र 2024 -25 तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया के नेतृत्व में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर को विशाल श्रेणी में पूरे भारत वर्ष में सेवा के क्षेत्र में प्रथम स्थान से पुरस्कृत किया गया एवं तेरह और सम्मानों से सम्मानित किया गया। नवमानोनित राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत ने अपने भावनाओं को व्यक्त करते हुए निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चौरडिया एवं उनकी पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं संप्रेषित की एवं वर्तमान टीम के साथ मिलकर परिषद को कैसे श्रेष्ठ परिषद की ओर अग्रसर करें ऐसी प्रेरणा प्रदान की।

सिंघी ने दिव्यांगों को कृत्रिम पैर देकर मनाया जन्मदिन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन के महावीर लिंब सेंटर में बेंगलूरु के समाजसेवी आश्विन सेमलानी द्वारा संस्कार स्कूल में आयोजित विशेष शिविर में जरूरतमंद दिव्यांगों को कृत्रिम पाँव लगाए गए।

यह शिविर महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष एवं समाज शिरोमणि महेंद्र सिंघी के 60वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।

फेडरेशन के उपाध्यक्ष अशोक कोठारी ने बताया कि सेंटर में ऐसे अनेक दिव्यांग आते हैं जिन पर परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी होती है, किंतु दुर्घटनाओं के कारण वे असहाय हो जाते हैं। सेंटर का उद्देश्य ऐसे लोगों को पुनः अपने पैरों पर खड़ा

कर आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में आगे बढ़ाना है, ताकि वे अपने परिवार का निर्वाह सम्मान पूर्वक कर सकें। शिविर का उद्घाटन दक्षिण पश्चिम रेलवे बेंगलूरु मंडल सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी) सदस्य एवं समाजसेवी अश्विन सेमलानी, समाज शिरोमणि महेंद्र सिंघी, जय क्रांति युवा सेना बेंगलूरु के अध्यक्ष विनोद चौहान, फेडरेशन उपाध्यक्ष अशोक कोठारी, संस्कार स्कूल अध्यक्ष महावीर कुंदुर, स्थानकवासी समाज हुब्बल्ली के कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा तथा संस्कार स्कूल के कार्यदर्शी सुधीर वोरा, निदेशक जयंतीलाल चौहान ने संयुक्त रूप से जरूरतमंदों को कृत्रिम पाँव लगाकर किया।

लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेछा ने सभी से अपील की कि वे अपने या अपने परिजनों के जन्मदिन पर महावीर लिंब सेंटर में आकर दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ-पैर दान करें। फेडरेशन के सचिव प्रकाश कटारिया ने कहा कि अश्विन सेमलानी द्वारा आयोजित यह शिविर अत्यंत सराहनीय है। इस अवसर पर समाजसेवी आश्विन सेमलानी ने कहा कि वे महेंद्र सिंघी से पिछले कई वर्षों से जुड़े हैं।

उनकी कार्यशैली अत्यंत प्रेरणादायक है। वे सबको साथ लेकर चलने वाले सच्चे समाजसेवी हैं। आज के युग में जहां लोग सेवा से अधिक दिखावे में रुचि लेते हैं, वहीं सिंघी के नेतृत्व में हमने निस्वार्थ सेवा का जो अनुभव प्राप्त किया है, वह अनुकरणीय है। महेंद्र सिंघी ने कहा कि उनके जन्मदिन के अवसर पर राज्यभर से आए दिव्यांग बंधु कृत्रिम पाँव पाकर आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में अग्रसर हो रहे हैं। यह उनके लिए अत्यंत सुखद क्षण है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *अखिल भारतीय श्री जैन श्वे मूर्तिपूजक युवक महासंघ बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष मनोज बाफना के नेतृत्व में सारिका प्रवीण कुमार लुंकड़ मोकलसर निवासी को श्री सिवांची ओस्वाल जैन महिला संघ बेंगलूरु के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किये जाने पर सम्मानित कर हार्दिक बधाई दी गयी। इस अवसर पर युवक महासंघ के अध्यक्ष मनोज बाफना, कैलाश संखलेचा, दिलीप भंडारी, राजेश श्रीश्रीमाल, आशिक पिरगल, कंचन श्रीश्रीमाल, दिव्या पिरगल, जोसना पारलेचा आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *वाई एस ग्रुप आफ इवेंट द्वारा बेंगलूरु पैलेस मैदान क्राउन पवेलियन में सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। गुजरात की प्रख्यात कलाकार गीता रबारी ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति दी। जिस पर देर रात तक संस्कृति प्रेमी झूमते रहे। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने सभी को प्रकाश पर्व दीपावली की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अपने वक्तव्य में कहा पर्व एवं त्योहार हमें अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं। आयोजकों ने अतिथि एवं कलाकार का स्वागत किया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कर्नाटक होजरी एंड गारमेंट्स एसोसिएशन के सचिव कैलाश बालर, सह सचिव बिशन सिंह विराणा और जोग सिंह ने हाउसिंग वक्फ और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान से मुलाकात की। उन्होंने मंत्री को दीपावली पर्व के मद्देनजर रविवार को संडे बाजार न लगाने का ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने उनकी मांग को उचित ठहराया और प्रशासनिक अधिकारियों को फोन करके संडे के दिन बाजार नहीं लगाने का निर्देश दिया, ताकि इस क्षेत्र के व्यापारियों को दिपावली पूजन में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो।*

दीपावली-नववर्ष की आराधना सह गौतमरास श्रवणोत्सव पर्व: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने जैन धर्म में धन्यतेरस का महत्व बताते हुए कहा कि धनतेरस' को जैन आगम में ''धन्य तेरस या ध्यान तेरस भी कहते हैं। दीपावली-नववर्ष की आराधना सह गौतमरास श्रवणोत्सव

पर्व है। जप तप पौषध आत्मध्यान का पर्व है। उत्तराध्यन सूत्र श्रवण सम्यक ज्ञान का पर्व है। श्रमण भगवान महावीर कल्याणक निवार्ण का पर्व है। निवार्ण लड्डू समर्पण भक्ति सुवास का पर्व है। गणधर श्री गौतम स्वामी के विलाप का पर्व है। गणधर श्री गौतम स्वामी के केवलज्ञान का पर्व है। आज के पावन दिन ही भगवान महावीर ने अंतिम बार दिव्य ध्वनि अमी वर्षा की थी।

जिस दिन भगवान महावीर की दिव्य ध्वनि अंतिम बार खरी थी उस दिन त्रियोदशी थी, इसलिए उस दिन को धन्य माना गया। अमावस्या को मोक्ष प्राप्त कर लिया। वीणावादिनी' और श्रुतदेवी जैसे नामों से विख्यात भगवती मां सरस्वती ज्ञान और विद्या की देवी हैं। इनकी आराधना से कोई भी व्यक्ति परम ज्ञान प्राप्त कर सकता है।

ओम भिक्षु जप अनुष्ठान आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिलामंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिलामंडल राजाजीनगर द्वारा शुक्रवार को विश्व शांति हेतु ओम भिक्षु महाजप अनुष्ठान का आयोजन तेरापंथ भवन राजाजीनगर में किया गया। यह जप अनुष्ठान रात 8 से 9 बजे किया गया। इसमें महिलामंडल, कन्यामण्डल, किशोरमण्डल, ज्ञानशाला, युवक परिषद और सभा की सहभागिता रही। भवन में 75 लोगों की उपस्थिति रही। करीब 150 लोग अपने घरों पर बैठकर जूम द्वारा इस महाजप अनुष्ठान के सहभागी बने। राजाजीनगर से कुल 225 लोगों ने इस महाजप अनुष्ठान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस मौके पर अध्यक्ष सुनिता कोठारी, मंत्री अरुणा कोठारी और तेरापंथ महिलामंडल राजाजीनगर की अन्य सदस्याएं मौजूद थी।

आयुष्मान नर्सिंग रूम का उद्घाटन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे, मैसूरु डिवीजन ने लेडीज सर्कल इंडिया अंडर एरिया-13, सर्कल एमएएलसी-108 के समन्वय से मैसूरु रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 पर एक समर्पित प्रोजेक्ट आयुष्मान - नर्सिंग रूम का उद्घाटन किया।

इस पहल का उद्देश्य स्टेशन पर यात्री सुविधा और देखभाल सुविधाओं को बढ़ाना, माताओं और बच्चों के लिए एक आरामदायक और निजी स्थान प्रदान करना है।

इस सुविधा का उद्घाटन सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने मुदित मित्तल, मंडल रेल प्रबंधक मैसूरु, शम्मास हमीद, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक मैसूरु की उपस्थिति में किया। इस मौके

पर सीआर नागाश्री के एस एरिया चेयरपर्सन, नम्रता शेनॉय पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, निशा दर्शन, अध्यक्ष, एमएएलसी 108 लेडीज सर्कल इंडिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह पहल यात्री सुविधाओं में सुधार और सभी के लिए सुखद यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए मैसूरु डिवीजन के चल रहे प्रयासों को रेखांकित करती है। नव उद्घाटन नर्सिंग कक्ष माताओं को ट्रेनों की प्रतीक्षा करते समय अपने शिशुओं की देखभाल के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और आरामदायक वातावरण प्रदान करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, गणमान्य व्यक्तियों ने जन कल्याण में योगदान देने वाली परियोजनाओं को लागू करने में भारतीय रेलवे और सामाजिक संगठनों के बीच सहयोग की सराहना की।

जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व है। अनुशासन और विनय व्यक्ति के श्रृंगार होते हैं। घर की व्यवस्था में भी अनुशासन का पालन होना चाहिए। घर से बाहर जाते वक्त और आकर भी बड़ों को सूचित करना चाहिए। हर कार्य हम बड़ों से पूछ कर करें। घर में मिलजुल कर सहयोग की भावना से रहें। सेवा की इच्छा रखें और बड़ों को सम्मान देवें। हम उपकारी के प्रति कृतज्ञ बने और जिस पर हमने उपकार किया है वह हम तुरंत भूल जाएं। आज्ञा पालन का आनंद लें। उत्तराध्ययन सूत्र में केशी श्रमण अध्याय का विवेचन करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि इस जगत में चारों ओर कषाय की अग्नि जल रही है। राग और द्वेष खूब पल्लवित हो रहे हैं। मात्र प्रभु की वाणी इस आग को शांत करने में सक्षम है। हम अपने मन पर नियंत्रण का प्रयास करें। मन पर नियंत्रण से पांचों इंद्रियों पर और कषाय पर नियंत्रण हो सकता है। संयम से मन पर नियंत्रण हो सकता है और मन के विजेता की जय जयकार होती है। जीवन में अभिमान वृति नहीं रखें। हम एक कदम आगे बढ़ाएंगे तो सामने वाला भी सौ कदम आगे बढ़ाएगा। इस तरह कदम से कदम बढ़ाकर हम मुक्ति को पा लेंगे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि रविवार को महासति जी श्री सुगनकंवर जी महाराज साहब का जन्म शताब्दी महोत्सव मनाया जाएगा। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

दीपावली सप्ताहांत के लिए हजारों लोगों के शहर छोड़ने से पूरे बेंगलूरु में यातायात जाम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में शुक्रवार की शाम और शनिवार की सुबह यातायात की भीड़ देखी गई क्योंकि हजारों निवासी लंबे दीपावली सप्ताहांत के लिए शहर छोड़ने लगे। केम्पेगौड़ा बस स्टेशन (मैजेस्टिक) और मैसूरु रोड सैटेलाइट बस स्टेशन जैसे प्रमुख बस टर्मिनलों पर भारी भीड़ देखी गई, कई मुख्य सड़कें घंटों तक जाम रहीं।

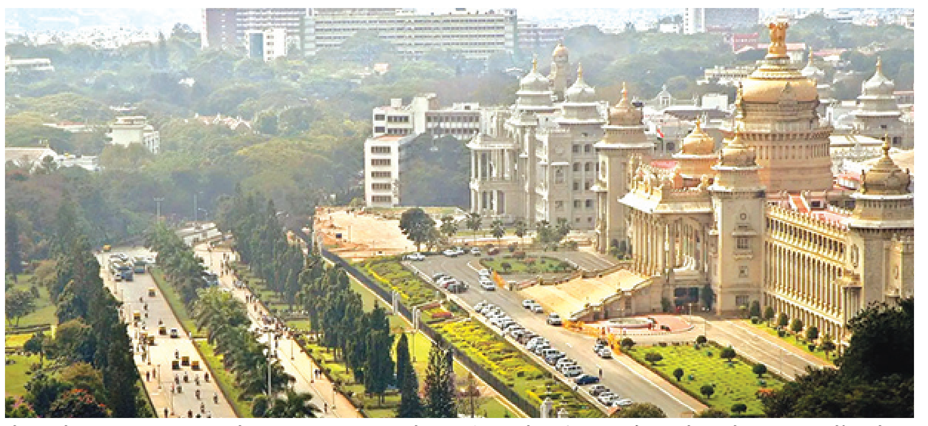

एक पुलिस अधिकारी ने कहा इन संभावित भीड़ वाले हॉटस्पॉट पर शनिवार तक ट्रैफिक जाम रही। हम लोगों से देरी से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने का आग्रह करते हैं। वृद्धि की आशंका को देखते हुए, बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस ने छह संभावित भीड़ वाले हॉटस्पॉट - गोरागुंटेपाल्या, हेब्बल, मैजेस्टिक, ओल्ड मद्रास रोड, मैसूरु रोड और होसूर रोड की पहचान करते हुए एक सलाह जारी की और मोटर चालकों से अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने का आग्रह किया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा हजारों लोग बस और रेलवे स्टेशनों पर पहुंचे, जिससे कई दिशाओं में जाम लग गया। हमने आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं और यातायात के प्रबंधन के लिए पुलिस कर्मियों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। मैसूरु रोड सैटेलाइट बस स्टेशन पर अराजक दृश्य देखने को मिला क्योंकि मैसूरु, मेंगलूरु, पुत्तूर, मदिकेरी, विराजपेट और तमिलनाडु और केरल के कुछ हिस्सों की ओर जाने वाले यात्रियों को बसों में चढ़ने के लिए संघर्ष करना पड़ा। भारी भीड़ के कारण मैसूरु रोड, के.आर. मार्केट रोड, कॉर्ड रोड और आउटर रिंग रोड पर भीषण भीड़भाड़ हो गई। मैजेस्टिक के यात्रियों ने कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) बसों की कमी के बारे में शिकायत की। मैजेस्टिक के एक यात्री ने कहा मैं शाम 4 बजे से होसपेट के लिए बस का इंतजार कर रहा हूं, लेकिन हर बस खचाखच भरी हुई है। कोई सीट उपलब्ध नहीं है। मैंने निजी बसों की भी जांच की, लेकिन वे नियमित किराया से दो-गुना किराया ले रहे हैं। जबकि नियमित किराया 900 है, वे प्रति सीट 2,000 की मांग कर रहे हैं। हालांकि, केएसआरटीसी के अधिकारियों ने कहा कि निगम दीपावली की भीड़ के लिए 17 से 20 अक्टूबर के बीच बेंगलूरु से 2,500 अतिरिक्त बसें चला रहा है, जिनकी वापसी सेवाएं 22 से 26 अक्टूबर तक निर्धारित हैं। एक अधिकारी ने कहा इन विशेष सेवाओं को संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। शांतिनगर के एक यात्री रमेश गौड़ा ने कहा टाउन हॉल और मैसूरु रोड फ्लाईओवर के बीच की दूरी को पार करने में मुझे लगभग दो घंटे लग गए।

डीके शिवकुमार ने पार्क में नागरिकों की समस्याएं सुनीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार, जो बेंगलूरु के शहरी विकास मंत्री हैं, ने शनिवार को टी.सी. पल्या के वेंगैया इको पार्क का दौरा कर एक नागरिक प्रतिक्रिया कार्यक्रम आयोजित किया। इस समय महिलाओं के साथ बलात्कार, अधिकारियों के भ्रष्टाचार और नागरिक सुविधाओं की कमी के मामले पाए गए। जनता ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष अस्पताल, सीसीटीवी स्काई वॉक, अतिक्रमणकारियों के लिए जगह समेत कई मांगें रखीं। इसी अवसर पर डी.के.शिवकुमार ने राजकलुवे झील क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों की समस्याएं सुनीं। नागरिकों ने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं। एक नागरिक ने शिकायत की कि एआरओ बसवराज और विजिनापुर आरआई खाता परिवर्तन के लिए 15 से 20 हजार रिश्वत मांग रहे हैं, 2 महीने से बेवजह घूमा रहे हैं। डीके शिवकुमार ने बेबुनियाद आरोप न लगाने की चेतावनी दी। लेकिन जब उक्त व्यक्ति ने अपना आरोप दोहराया तो डीके शिवकुमार ने घोषणा की कि वह संबंधित अधिकारियों को निलंबित कर देंगे। विजिनापुर एनआर बरंगे के विघ्नेश ने कहा सभी करों का भुगतान करने और अनुमति प्राप्त करने के बाद, एक घर बनाने जा रहे थे जब उनके पड़ोसी मल्लिकार्जुन ने उन्हें रोक दिया। मैंने बड़ी मुश्किल से घर पूरा किया है। अब वे मुझे अंदर नहीं जाने दे रहे हैं, उपद्रवियों के माध्यम से धमकी दे रहे हैं। उन्होंने रोते हुए बताया कि वे संगठन का नाम लेकर मुझे धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। डीके शिवकुमार ने वादा किया कि हम कार्रवाई करेंगे चाहे कोई भी पुलिस शिकायत दर्ज कराए। विघ्नेश ने कहा कि मैं आपकी दयालुता नहीं भूलूंगा, हम अपना घर आपके नाम पर रखेंगे। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के अनुसार अतिक्रमण को बिना किसी हिचकिचाहट के खाली कराया जाएगा। भविष्य में घर बनाते समय हवा और रोशनी के लिए जगह छोड़नी चाहिए। इस संबंध में सख्त नियम लागू किये जायेंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सड़क और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर निर्माण किया गया तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के इसे खाली कर देंगे।

मैं ठेकेदारों या उनकी चेतावनियों से नहीं डरता: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि वह ठेकेदारों या उनकी चेतावनियों से नहीं डरते हैं और सरकार उनकी शिकायतों को हल करने के लिए अपना रास्ता अपनाएगी।

यहां शनिवार को पत्रकारों से वार्ता में शिवकुमार ने कहा मैं ठेकेदारों को कोई समय सीमा नहीं दे सकता। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो उनसे डरेंगे। उन्होंने एक बजट दिया है, और निगम भी जानता है कि हम अन्य समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उनका यह बयान कर्नाटक स्टेट कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन द्वारा पिछले दो वर्षों के 33,000 करोड़ के लंबित बिलों का एक महीने के भीतर भुगतान नहीं किए जाने पर दिसंबर में राज्य सरकार पर 'भ्रष्टाचार रिपोर्ट कार्ड' जारी करने की चेतावनी के एक दिन बाद आया है। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के साथ कई बैठकों के बावजूद सरकार की निष्क्रियता का हवाला देते हुए दिसंबर के पहले सप्ताह में कर्नाटक भर में सभी अनुबंध कार्य बंद करने और विरोध प्रदर्शन करने की धमकी दी थी। शिवकुमार ने कहा कि सरकार ने नागरिक प्रशासन को और अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए पहले ही विकेंद्रीकृत कर दिया है। उन्होंने कहा अकेले पूर्वी निगम करों में लगभग 6,000 करोड़ का योगदान देता है। पांच निगम बनाने के बाद, हमने प्रत्येक निगम को 10 करोड़ और समितियों के लिए 5 करोड़ देकर अनुदान दोगुना कर दिया है। लोग अपनी शिकायतों के समाधान के लिए 1533 पर कॉल कर सकते हैं। प्रशासन यातायात को आसान बनाने, सीसीटीवी निगरानी का विस्तार करने और राजस्व-स्थल मालिकों को ए-खाता प्राप्त करने की अनुमति देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कहा शहर के नगर निगमों और पंचायतों के अंतर्गत आने वाली सभी सड़कें जो अभी तक सरकारी सड़कों के रूप में अधिसूचित नहीं हैं, उन्हें जल्द ही सरकारी सड़कों में बदल दिया जाएगा। शिवकुमार ने चेतावनी दी कि ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) में रिश्वत मांगते पकड़े गए अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाएगा। इस बात पर प्रकाश डाला कि नागरिक विकास में नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। बायोकॉन की चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ के हालिया ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें बेंगलूरु में सड़कों की स्थिति पर असंतोष व्यक्त किया गया था और कहा गया था कि नागरिक मरम्मत कार्य करेंगे, शिवकुमार ने कहा किरण मजूमदार शॉ ने मुझसे बात नहीं की है। लेकिन मैं उन्हें चर्चा के लिए आमंत्रित करूंगा। जो भी शिकायतें हैं, उन्हें लिखित रूप में देने दीजिए। अगर वह सड़कें विकसित करना चाहती हैं, तो हम उन्हें सौंपने के लिए तैयार हैं।

दिवाली पर बेंगलूरु से अन्य शहर जाने वालों को झटका, निजी बस मालिकों ने की जबरन वसूली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सरकार के आदेश पर भी केयर नामक निजी बस मालिक राजधानी बेंगलूरु सहित अन्य हिस्सों से दिवाली त्योहार के लिए अपने गृहनगर जाने वाले लोगों से दोगुना किराया वसूल कर यात्रियों की जेब काट रहे हैं। इस बीच, केएसआरटीसी ने दिवाली त्योहार के अवसर पर शहर जाने वाले लोगों के लिए 2,000 अतिरिक्त बसें तैनात की हैं। हालांकि, इनमें भी ज्यादातर सीटें प्री-बुक हैं। मौका मिलते ही किराया बढ़ाने वाले निजी बस मालिक ने त्योहार पर दो दिन की छुट्टी होने के कारण टिकट के दाम बढ़ाकर घर जाने की तैयारी कर रहे लोगों को झटका दे दिया है। प्राइवेट बसें टिकट के दाम 50-60 फीसदी तक बढ़ा रही हैं और यात्रियों से ज्यादा पैसे वसूल रही हैं। जो लोग ट्रेन और सरकारी बसों से यात्रा नहीं कर सकते उन्हें निजी बसों में दोगुना किराया देना पड़ता है।

सामान्य दिनों में बेंगलूरु से शिवमोग्गा तक निजी बसों का किराया 500-650 रुपये था, अब यह 1000 रुपये से बढ़कर 2000 रुपये हो गया है। हर साल, निजी बसें त्योहार के लिए शहर जाने वालों से पैसे वसूलती हैं। राज्य सरकार के खिलाफ व्यापक आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है, जो ऐसा व्यवहार कर रही है जैसे उसे दोगुनी दर वृद्धि से कोई लेना-देना नहीं है। जैसा कि हर साल त्योहार के दौरान किया जाता है, इस बार भी कीमत दो-गुनी नहीं बल्कि बढ़ाई गई है। निजी बस मालिकों का कहना है कि हमने सिर्फ 50 से 60 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इस बार भी राज्य सरकार ने बजट में निजी बस ऑपरेटरों के लिए एक रुपया भी आवंटित नहीं किया है। शक्ति योजना लागू होने के बाद से निजी बस मालिकों को भारी घाटा हो रहा है। चूंकि कई मार्गों के टिकट पहले ही बिक चुके हैं, इसलिए कई यात्रियों को इस दिवाली के लिए बाकी सीजन की तुलना में कम से कम 60 प्रतिशत अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, बेंगलूरु से हैदराबाद तक का किराया आमतौर पर 1,200 रुपये है। एसी स्लीपर टिकटों की कीमत अब 1,800 रुपये से 2,000 रुपये के बीच है। बेंगलूरु-चेन्नई रूट पर किराया आमतौर पर 800 रुपये से 900 रुपये तक होता है, जो बढ़कर 1,400 रुपये से 1,500 रुपये हो गया है। राज्य में आमतौर पर बेंगलूरु-बेलगावी टिकट की कीमत 1,100 रूपये होती है जो अब 1,700 रुपये है।

बेंगलूरु से मैसूरु तक एक नॉन-एसी स्लीपर सीट की कीमत लगभग 1,000 रुपये है। बेंगलूरु- मेंगलूरु के लिए, गैर-एसी स्लीपर किराया लगभग 1,300 रुपये है, जबकि एसी स्लीपर किराया लगभग 2,500 रुपये है। निजी संचालक करोड़ों का निवेश करते हैं और रोजगार उपलब्ध कराते हैं। लेकिन सरकारी सहयोग नहीं मिलता। त्योहारों के दौरान किराया वृद्धि के लिए हमें दोषी ठहराया जाता है, यही एकमात्र समय है जब हम लाभ कमा सकते हैं। केएसआरटीसी फ्लेक्सी किराया प्रणाली का भी पालन करता है। शक्ति योजना के तहत प्रतिपूर्ति प्राप्त करें। लेकिन हमें कुछ नहीं मिलता। उनका रोना है कि अगर टैक्स माफ कर दिया जाए तो हम प्रति सीट 50 से 100 रुपए तक कम चार्ज कर सकते हैं। सोमवार व बुधवार को छुट्टी होने के कारण अधिकतर लोग शुक्रवार को ही शहर जाने को तैयार थे। लेकिन यात्रियों ने इस बात पर आक्रोश जताया है कि प्राइवेट बसों में टिकट के दाम दोगुने कर दिए गए हैं। निजी बस मालिकों ने त्योहारी सीजन के दौरान टिकट की कीमतों में बढ़ोतरी का बचाव किया है। प्राइवेट बस ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नटराज शर्मा ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार की शक्ति योजना के कारण प्राइवेट बस मालिक सड़कों पर आ गये हैं।

आरएसएस के खिलाफ आवाज उठाने वाले मंत्री को अकेला करना सही नहीं: मल्लिकार्जुन खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि आरएसएस के खिलाफ आवाज उठाने वाले मंत्री प्रियांक खड़गे को अकेला कर दिया गया है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को बेंगलूरु में मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। बताया जा रहा है कि इस मौके पर हुई चर्चा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाल की घटनाओं पर दुख जताया। संघ परिवार के खिलाफ लड़ाई के मुद्दे पर एकता नहीं है। मंत्री प्रियांक खड़गे की चिट्ठी के आधार पर राज्य सरकार ने कैबिनेट में फैसला लिया है। हालाँकि, यह पता चला है कि कोई भी मंत्री प्रियांक पर चल रहे व्यक्तिगत हमलों के बारे में बात नहीं कर रहा है, और ऐसा लग रहा है कि सरकार ने चुप्पी साध ली है।

मंत्री को फोन कर धमकी दी जा रही है। किसी भी मंत्री ने सीधे तौर पर इसकी निंदा नहीं की। बताया जा रहा है कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि वह दीवार पर लगे दीपक की तरह बात कर रहे हैं। राज्य सरकार को केवल गारंटी योजनाओं तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, चुनावी घोषणा पत्र को अनिवार्य रूप से लागू करना चाहिए। कॉर्पोरेट बोर्डों की नियुक्ति में कार्यकर्ताओं पर विचार किया जाना चाहिए। बताया जाता है कि उन्होंने चेतावनी दी है कि ठेकेदार आयोग को आरोपों के बारे में स्पष्ट बयान देना चाहिए। हालांकि कई बार सुझाव दिया गया है कि सत्ता साझेदारी को लेकर इस तरह के बयान नहीं दिए जाने चाहिए, लेकिन बार-बार कुछ लोग बातें कर रहे हैं और भ्रमित कर रहे हैं। बताया जाता है कि उन्होंने आदेश दिया है कि ऐसे लोगों को सिर्फ नोटिस देकर दिखावटी स्पष्टीकरण लेने के बजाय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाये। डीके शिवकुमार और मल्लिकार्जुन खड़गे की मुलाकात से राजनीति में सरगर्मी बढ़ गई है। डीके शिवकुमार ने खड़गे से उस समय मुलाकात की जब सत्ता साझेदारी फॉर्मूले को लेकर खुली और गुप्त चर्चा चल रही थी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दस दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराए गए खड़गे से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

इंस्पेक्टर द्वारा आत्मरक्षा में गोली चलाने से एक कुख्यात उपद्रवी की मौत

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।

सिंदगी तालुक के रामपुरा गांव के पास शनिवार सुबह एक घटना घटी, जहां डकैती के बाद भाग निकले कुख्यात उपद्रवी को गिरफ्तार करने गए कर्मियों द्वारा हमला किए जाने पर इंस्पेक्टर ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। यूनिश अकलास पटेल (35) एक कुख्यात उपद्रवी था जिसे पुलिस ने गोली मार दी। वह गांधी चौक थाने का उपद्रवी शीटर था। वह विजयपुरा में रहता था और हाल ही में अलमेला तालुक के देवनगांव गांव आया था। राउडी यूनिश शुक्रवार को शहर के गांधी चौक थाने के पास एक व्यक्ति से 25 हजार रुपये लूट कर फरार हो गया। इस संबंध में शिकायत दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी।

पुलिस टीम को जानकारी मिली कि आरोपी शनिवार सुबह करीब 5 बजे चोरी की स्कूटी से अलमेला तालुका के देवनगांव गांव जा रहा है।

पुलिस तुरंत उसे गिरफ्तार करने गई तो आरोपी यूनिश ने सिंदगी तालुका के रामपुर के पास पुलिस को देख लिया और वहां से भागने की कोशिश की। इस मौके पर इंस्पेक्टर प्रदीप तालेकेरी गिर पड़े। जब उन्होंने पुलिस पर हमला किया तो इंस्पेक्टर ने एक राउंड हवाई फायरिंग की और उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। जब उसने पुलिस की बात न सुनते हुए दोबारा हमला किया तो इंस्पेक्टर प्रदीप द्वारा आत्मरक्षा में चलाई गई गोली आरोपी के पैर में लगी और वह गिर गया। आरोपी को तुरंत सिंदगी तालुक अस्पताल ले जाया गया जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया और फिर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन डॉक्टर ने कहा कि इलाज असफल होने से आरोपी की मौत हो गई। जिला पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबार्गी ने घटना स्थल पर जाकर निरीक्षण किया। इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राउडी यूनिश के खिलाफ दो हत्या के मामले, तीन हत्या के प्रयास के मामले, चोरी और डकैती समेत कुल 12 मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि घटना की जांच जारी है।

केवल आरएसएस संगठन को लक्ष्य कर कोई निर्णय नहीं लिया: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य सरकार ने केवल आरएसएस संगठन को लक्ष्य कर कोई निर्णय नहीं लिया है। इसके बजाय, उन्होंने किसी भी निजी संगठन को अनुमति प्राप्त किए बिना सरकारी क्षेत्र में अनधिकृत गतिविधियां करने से प्रतिबंधित कर दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह का फैसला पहले तब लिया गया था जब बीजेपी के जगदीश शेट्टर मुख्यमंत्री थे। उन्होंने पूछा कि तब उन्होंने आपत्ति क्यों नहीं जताई। अगर हमने केवल संघ परिवार की गतिविधियों को ही सीमित रखा होता तो सवाल पूछा जा सकता था। निर्णय लिया गया कि कोई भी संगठन बिना अनुमति प्राप्त किए अनाधिकृत गतिविधियां नहीं करेगा। इसमें आपत्ति करने वाली क्या बात है? भाजपा के लोग गरीबों के लिए काम करना नहीं जानते। वे हमेशा राजनीति करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्य में कानून-व्यवस्था को बाधित करने का कोई प्रयास किया गया तो पुलिस इसका ध्यान रखेगी। मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मैसूरु में आयोजित रोजगार मेले की तरह ही अन्य जिलों में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि ठेकेदार संघ द्वारा लगाये गये कमीशनखोरी के आरोपों का जवाब संबंधित मंत्री देंगे।

कलबुर्गी जिले के चित्तपुर में आरएसएस के आंदोलन के लिए इजाजत मांगने पर हुए हंगामे के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि वह आगे स्पष्टीकरण मिलने के बाद जवाब देंगे।

संघ के कार्यक्रम में भाग लेने की तस्वीरें वायरल होने के बाद कर्नाटक पीडीओ निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग ने 12 अक्टूबर को कर्नाटक के रायचूर जिले के लिंगसागुर में आरएसएस के एक कार्यक्रम में संगठन की वर्दी पहनकर भाग लेने के आरोप में सिरवार तालुक में तैनात पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) प्रवीण कुमार को निलंबित कर दिया। आरडीपीआर विभाग की आयुक्त अरुंधति चंद्रशेखर ने निलंबन आदेश जारी करते हुए कहा कि कुमार ने आरएसएस के कार्यक्रम में भाग लेकर सेवा नियमों का उल्लंघन किया है। कुमार की गणवेश (आरएसएस कार्यकर्ताओं द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी) पहने और लाठी पकड़े हुए तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गई हैं।

निलंबित पीडीओ को विभागीय जांच का सामना करना पड़ सकता है। 16 अक्टूबर को, कर्नाटक कैबिनेट ने सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस जैसे निजी संगठनों की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के लिए नियम लाने का फैसला किया। यह निर्णय आरएसएस की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर 12 अक्टूबर को बेंगलूरु में 100 सहित पूरे कर्नाटक में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और रूट मार्च के बाद आया है। आईटी-बीटी और ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों के परिसरों में ऐसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। खड़गे ने सरकारी कर्मचारियों के लिए मौजूदा आचरण नियमों को सख्ती से लागू करने की भी मांग की थी जो उन्हें ऐसी गतिविधियों में भाग लेने से रोकते हैं।

राज्यसभा चुनाव : सभी की निगाहें निर्दलीय उम्मीदवारों पर

जम्मू, 18 अक्टूबर (ब्यूरो)। राज्यसभा चुनाव में बस एक सप्ताह बाकी है, ऐसे में सभी की निगाहें सात निर्दलीय विधायकों पर हैं, जिनमें से पांच सरकार का समर्थन करते हैं और दो विधानसभा में कश्मीर आधारित विपक्षी गुट के साथ जुड़े हैं।

सरकार का समर्थन करने वाले पांच विधायकों में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री सतीश शर्मा, प्यारे लाल (विधायक इंद्रवाल), मुजफ्फर खान (विधायक राजौरी), चौधरी अकरम (विधायक सुरनकोट) और डॉ. रामेश्वर सिंह (विधायक बनी) शामिल हैं। इन विधायकों ने 2024 का विधानसभा चुनाव किसी मान्यता प्राप्त या पंजीकृत पार्टी के टिकट पर नहीं लड़ा और निर्दलीय के रूप में जीते। पिछले साल अक्टूबर में जब उमर अब्दुल्ला ने सरकार बनाने का दावा पेश किया था, तब उन्होंने उन्हें समर्थन पत्र सौंपे थे।

सदन में, शेख खुर्शीद (विधायक लंगेट) और शब्बीर अहमद कुल्ली विपक्षी खेमे के साथ दो निर्दलीय विधायक हैं। कुल्ली ने पार्टी का टिकट न मिलने पर पिछला विधानसभा चुनाव निर्दलीय के रूप में लड़ा था। वह 13 अक्टूबर को नेशनल कॉन्फ्रेंस के राज्यसभा उम्मीदवारों के नामांकन पत्र जमा करने के समय उनके साथ रिटर्निंग आफिसर के कार्यालय भी गए थे। खुर्शीद की अवामी इत्तेहाद पार्टी का नाम भारत के चुनाव आयोग के रिकार्ड में नहीं है, और उन्होंने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। चौथी राज्यसभा सीट पर भाजपा के जीत से सिर्फ एक वोट पीछे होने के कारण, पूरा ध्यान विधानसभा में निर्दलीय विधायकों पर केंद्रित हो गया है, क्योंकि उनके लिए मतदान के नियम अस्पष्ट हैं।

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अधिकारियों के अनुसार, ओपन बैलेट वोटिंग केवल राज्यसभा चुनावों में ही लागू होती है। अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा में सदस्यों वाले प्रत्येक राजनीतिक दल अपने सदस्यों द्वारा किसे वोट दिया गया है, इसकी पुष्टि के लिए एक अधिकृत एजेंट नियुक्त कर सकते हैं। अधिकृत एजेंट मतदान केंद्र के अंदर रिटर्निंग अफसर द्वारा उपलब्ध कराई गई सीटों पर बैठेंगे। राजनीतिक दलों के सदस्यों के विधायकों को अपना वोट डालने के बाद और मतपेटी में डालने से पहले, चिह्नित मतपत्र अपनी पार्टी के अधिकृत एजेंट को दिखाना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि निर्दलीय विधायकों को चिन्हित मतपत्र किसी भी एजेंट को दिखाए बिना मतपेटी में डालना होगा। उन्होंने बताया कि अगर वे किसी को भी, किसी भी राजनीतिक दल के अधिकृत एजेंट सहित, अपना वोट दिखाते हैं, तो यह रद्द किया जा सकता है।

हालांकि राज्यसभा चुनावों के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस ने एकजुटता बनाने की आखिरी कोशिश की पर सब व्यर्थ गया। कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि वह 'जोखिम भरी' चौथी सीट पर चुनाव नहीं लड़ेगी। बातचीत के परिणामस्वरूप, कांग्रेस नेताओं का दावा है कि वे इस प्रतिस्पर्धी सीट के लिए उम्मीदवार उतारने पर लगभग सहमत हो गए थे। हालांकि, एकता वार्ता के अंतिम क्षणों में निर्दलीयों के मुद्दे ने खेल बिगाड़ दिया। यह मतभेद निर्दलीय विधायकों के मतदान के तरीके को लेकर पैदा हुआ, जिन्हें पार्टी से जुड़े विधायकों के विपरीत, मतदान एजेंटों को अपने चिह्नित मतपत्र दिखाने की आवश्यकता नहीं होती है।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत और रूस के लोगों के बीच मजबूत संबंधों का प्रतीक: सिन्हा

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि रूस के गणराज्य कलमीकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी से भारत और रूस के लोगों के आपसी संबंध मज़बूत होंगे।

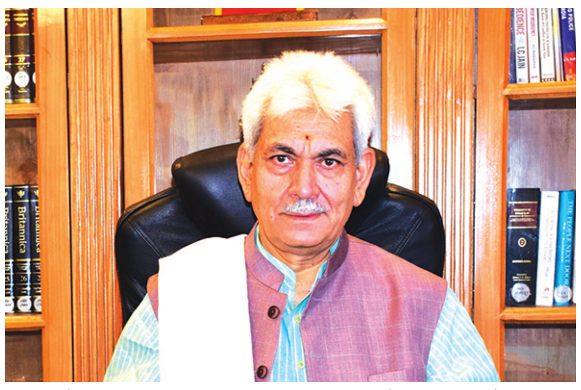

संस्कृति मंत्रालय ने शनिवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पवित्र अवशेषों को वापस लाने के लिए शुक्रवार को रूस पहुंचे श्री सिन्हा ने 'शाक्यमुनि बुद्ध के स्वर्ण निवास' के नाम से प्रसिद्ध प्रतिष्ठित गेदेन शेडुप चोइकोरलिंग मठ में स्थापित अवशेषों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि कलमीकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी एक ऐतिहासिक घटना है। यह गणराज्य भारत और रूस के बीच आध्यात्मिक मित्रता के शक्तिशाली सेतु के रूप में खड़ा है जो सांस्कृतिक संबंधों में भारत के प्रयासों और बुद्ध की शिक्षाओं की एकता की शक्ति को प्रदर्शित करता है।

श्री सिन्हा ने पवित्र अवशेषों को 'खटक' भेंट किया और मंदिर में दीप प्रज्वलित किया। उन्होंने बकुला रिनपोछे के समक्ष प्रार्थना भी की और 'खटक' भेंट किया। श्री सिन्हा ने शाजिन लामा को भी एक कश्मीरी शॉल भेंट की और आशीर्वाद प्राप्त किया।

कलमीकिया गणराज्य की राजधानी एलिस्टा में प्रदर्शनी में शामिल होने के बाद श्री सिन्हा पवित्र अवशेषों को भारत लेकर आ रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल प्रतिनिधिमंडल रविवार को भारत पहुंचेगा।

रूसी गणराज्य में अपनी तरह की यह पहली ऐतिहासिक प्रदर्शनी भारत और रूस के बीच गहरे सभ्यतागत संबंधों का प्रमाण है।

यह लद्दाख के श्रद्धेय बौद्ध भिक्षु और राजनयिक 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे की चिरस्थायी विरासत को पुनर्जीवित करती है जिन्होंने मंगोलिया में बौद्ध धर्म के पुनरुद्धार और कलमीकिया, बुरातिया और तुवा जैसे रूसी क्षेत्रों में बुद्ध धर्म के प्रति रुचि जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

भारत-रूस तेल सौदे पर हैरान करती है मोदी की चुप्पी : कांग्रेस

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बार बार आ रहे बयानों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी की आलोचना करते हुए इसे चिंताजनक स्थिति करार दिया है।

पार्टी ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर कहा है कि उनके अच्छे दोस्त ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल के आयात में कटौती करेगा।

लेकिन राष्ट्रपति ट्रम्प के अच्छे दोस्त (प्रधानमंत्री मोदी) अचानक मौनी बाबा बन जाते हैं जबकि ट्रम्प बार बार कहते हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर बंद करवाया और अब कह रहे हैं कि भारत रूस से तेल का आयात कम कर देगा।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने शनिवार को यहां सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह चिंता की बात है कि श्री मोदी हर मुद्दे पर चुप्पी साध लेते हैं और यह उनका स्वभाव बन गया है जबकि राष्ट्रपति ट्रम्प रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दे रहे हैं।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा पिछले चार-पांच महीनों में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने 52 बार दावा किया है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोका। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से दो बार मुलाकात की, फिर भी हमारे प्रधानमंत्री चुप रहे। उन्होंने उनके फील्ड मार्शल से दो बार मुलाकात की, फिर भी हमारे प्रधानमंत्री चुप रहे। अब, ट्रम्प ने दो बार कहा है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। प्रधानमंत्री दुनिया के हर मुद्दे पर बोलते हैं लेकिन इन मामलों पर चुप क्यों हैं।

यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गये प्रतिबंधों के बावजूद भारत लगातार रूस से तेल की खरीद कर रहा है और अब अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि भारत को भी रूस से तेल खरीदना बंद करना चाहिए।

विश्लेषक भले ही भारत की ऊर्जा सुरक्षा जरूरतें और भू-राजनीतिक जटिलताओं के लिहाज से इस मुद्दे को सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण मानते हैं लेकिन यह भी सच है कि इस वर्ष अप्रैल-सितंबर के दौरान चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा पिछले साल की समान अवधि के 49.6 अरब डॉलर की तुलना में बढ़कर 54.4 अरब डॉलर हो गया है।

दरबार मूव की बहाली से नाराजगी भी और संतोष भी

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 18 अक्टूबर। जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा सदियों पुरानी दरबार मूव की परंपरा बहाल करने के फैसले ने पूरे प्रदेश में मिली-जुली प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। दरबार मूव में सिविल सचिवालय और अन्य सरकारी कार्यालय साल में दो बार श्रीनगर से जम्मू के बीच स्थानांतरित होते हैं।

जम्मू में कई लोगों ने इस कदम का स्वागत किया है और इसे व्यापार, विरासत और प्रशासनिक संतुलन को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक कदम बताया है। वहीं कश्मीर के निवासियों ने डिजिटल युग और ई-गवर्नेंस में भारी निवेश के बीच इसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हुए बड़े पैमाने पर संदेह व्यक्त किया है।

आलोचकों का तर्क है कि सरकार का हर दो साल में स्थानांतरण, जिसे प्रशासनिक सुधारों के तहत 2021 में बंद कर दिया गया था, एक पुरानी और महंगी प्रथा का प्रतिनिधित्व करता है जो सरकारी खजाने पर अनावश्यक वित्तीय बोझ डालता है। कश्मीर विश्वविद्यालय के एक अर्थशास्त्री ने हजारों कर्मचारियों के आवास, परिवहन और रसद सहायता में शामिल भारी लागतों की ओर इशारा करते हुए पूछा कि क्या जम्मू कश्मीर जैसा प्रदेश इतनी महंगी प्रक्रिया का खर्च उठा सकता है जब विकास, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन के लिए धन की आवश्यकता होती है?

कश्मीर में नागरिक समाज की आवाजों ने भी जवाबदेही की चिंता जताई है, उनका कहना है कि कड़ाके की ठंड में मंत्रियों और विधायकों की अनुपस्थिति अक्सर निवासियों को प्रभावी शासन से वंचित कर देती है। सामाजिक कार्यकर्ता फिरदौस अहमद ने कहा कि हर सर्दी में, घाटी के लोग बिजली की कमी, बंद सड़कों और स्वास्थ्य सेवा की चुनौतियों से जूझते हैं। जब प्रशासन हटता है, तो एक शून्य पैदा होता है।

हालांकि, दोनों क्षेत्रों में इस कदम के समर्थक इसके प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक मूल्य पर जोर देते हैं, और तर्क देते हैं कि दरबार मूव एक प्रशासनिक प्रक्रिया से कहीं बढ़कर है, यह जम्मू और कश्मीर की समग्र संस्कृति, धर्मनिरपेक्ष लोकाचार और अंतर-क्षेत्रीय एकीकरण का प्रतीक है। जम्मू निवासी राजेश शर्मा कहते हैं कि दरबार मूव ऐतिहासिक रूप से क्षेत्रों को जोड़ने, समझ को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के बारे में रहा है कि जम्मू और कश्मीर दोनों को समान रूप से प्रतिनिधित्व का एहसास हो।

सरकारी अधिकारियों ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा है कि इसका उद्देश्य ऐतिहासिक निरंतरता को बहाल करना और दोनों राजधानियों के बीच संतुलन बनाए रखना है।

लेकिन ऐसे युग में, जहां डिजिटल शासन उपकरणों ने भौतिक स्थानांतरण की आवश्यकता को कम कर दिया है, इस परंपरा को पुनर्जीवित करने की वित्तीय समझदारी और प्रशासनिक दक्षता पर सवाल बने हुए हैं। जैसे-जैसे बहस तेज होती जा रही है, दरबार मूव की बहाली ने एक बार फिर जम्मू कश्मीर को परंपरा और परिवर्तन के बीच चौराहे पर खड़ा कर दिया है, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या प्रतीकात्मक एकता के लिए करदाताओं को इतनी भारी कीमत चुकानी चाहिए?

जीएसटी पर कांग्रेस का पक्ष रखने वालों को शिक्षित करने की सीतारमण की सलाह

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में हाल में किये गए सुधारों को 'सही दिशा में लौटने वाला कदम बताने जैसी विपक्षी कांग्रेस पार्टी की टिप्पणियों को लेकर उसकी तीखी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस में जीएसटी पर बोलने वालों को शिक्षित किए जाने की जरूरत है।

श्रीमती सीतारमण जीएसटी में सुधार के प्रभाव पर विशेष रूप से आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं जिसमें उनके साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और सूचना एवं प्रसारण, रेल तथा इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (मेइटी) मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव भी थे। श्रीमती सीतारण ने कहा, 'मेरा ईमानदारी से यह सुझाव है कि कांग्रेस पार्टी की ओर से जीएसटी पर जो भी बोलता हे, उसे कुछ पूर्व वित्त मंत्रियों के साथ बिठा कर टिप्पणी करने से पहले उन्हें शिक्षित करना चाहिए। उनसे पूछा गया था कि कांग्रेस पार्टी जीएसटी सुधारों को 'सही राह पर लौटने वाला कदम' बता रही है और वह इस बात की जवाबदेही भी चाहती है कि इतने समय तक लोगों को जीएसटी के ऊंचे बोझ के नीचे क्यों रखा गया। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस की ओर से बोलने वालों को न जाने कौन सिखाता-पढ़ाता है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी की राह मोदी सरकार ने ही निर्धारित की थी और सात-आठ साल के अंदर ही सरकार ने जनता और पूरी अर्थव्यवस्था के फायदे के लिए अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में अब और सुधार किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी सरकार का कर कम करने का कोई कदम 'कोर्स करेक्शन' (सही दिशा में लौटना) नहीं होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिनों में कर यह 98 प्रतिशत, 91 प्रतिशत तक थे।.. और अगर वे इसे कोर्स करेक्शन कहना भी चाहें, तो कांग्रेस के ज़माने में उन्होंने इसकी कोशिश भी नहीं की थी।

वित्त मंत्री ने कहा, ' मेरा मानना है कि जीएसटी में कमी लोगों के हित में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमें यही करने के लिए कह रहे हैं। सात साल, आठ साल के भीतर, कर की दर कम करने का कोई विकल्प सामने आ रहा है। तो यह कोई सही रास्ते पर लौटने जैसी बात नहीं है।'

उन्होंने जीएसटी में कटौती को अमेरिकी शुल्क नीति या बिहार चुनाव से जोड़ने की बात को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि देश में कहीं न कहीं तो चुनाव लगा ही रहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने -एक देश, एक चुनाव का प्रस्ताव रखा । उससे इस तरह के सवालों से बचा जा सकता है। वित्त मंत्री ने कहा, 'चुनाव आते-जाते रहते हैं। हालाँकि, चुनाव किसी भी नीति पर असर डाल सकते हैं, और नीति का चुनावों पर असर पड़ सकता है। ये ऐसे जुड़े हुए प्रभाव हैं जिनके साथ आपको जीना ही होगा...

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा विपक्ष आज लाचार और हताश है। जनता उन्हें एक-एक करके नकार रही है... दुर्भाग्य से विपक्ष को राष्ट्रीय और जनहित की कोई परवाह नहीं है। वे हर चीज़ का राजनीतिकरण करने में लगे हैं, और आज भारत की जनता इसे स्वीकार नहीं करती। उन्होंने इसी संदर्भ में विभिन्न राज्यों में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत का भी उल्लेख किया।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के कई नेताओं ने सवाल किया था कि सरकार को जीएसटी के स्लैब को घटाने और दरों में कमी में आठ साल क्यों लग गए जबकि वह शुरू से ही जीएसटी के प्रंभिक डिजाइन को लेकर आगाह कर रही थी। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने दावा किया कि अर्थव्यवस्था जीएसटी लागू किये जाने और नोटबंदी के दोहरे मोदी-प्रदत्त झटकों से उबर नहीं पाई है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने जीएसटी को 'गब्बर सिंह टैक्स' बताकर इसकी आलोचना की थी।

मंत्रियों ने कहा कि जीएसटी में सुधार का यह विचार जीएसटी परिषद में एक वर्ष पहले से चल रहा था। उस समय अमेरीकी शुल्कों के विचार की तो छोड़िये, अमेरिका में पिछले चुनाव भी नहीं हुए थे।

सुरक्षा बलों ने मणिपुर में पांच केसीपी उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

इम्फाल, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुरक्षा बलों और पुलिस ने मणिपुर के थौबल और बिष्णुपुर जिलों में समन्वित अभियानों के दौरान प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) के विभिन्न गुटों से जुड़े पांच सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार केसीपी (नोंगड्रेनखोम्बा) के एक सक्रिय कार्यकर्ता को शुक्रवार को थौबल जिले में उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। वह कथित तौर पर जबरन वसूली, नए कार्यकर्ताओं की भर्ती और संगठन के लिए हथियारों और गोला-बारूद के परिवहन में शामिल था।

वहीं, एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने केसीपी (तैयबांगनगांबा) समूह के सदस्यों को आश्रय प्रदान करने के आरोप में बिष्णुपुर जिले से एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस अभियान के दौरान पुलिस ने उसी स्थान से केसीपी (तैयबांगनगांबा) के दो सक्रिय कार्यकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर थाना अंतर्गत नाचौ पंथोंग इलाके से केसीपी (ताइबांगनगांबा) के एक अन्य सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से सुरक्षा बलों ने एक .32 मिमी पिस्तौल, एक मैगज़ीन और पाँच कारतूस, पाँच मोबाइल फ़ोन और एक बैग बरामद कियाऔर ज़ब्त की गई वस्तुओं को प्रतिबंधित संगठन के नेटवर्क और गतिविधियों का पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस थानों को सौंप दिया गया है।

धर्मांतरण कानून के कुछ हिस्से पर सुप्रीम कोर्ट राजी नहीं

लखनऊ/नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम-2021 के कई प्रावधानों की वैधता पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि निजता, आनुपातिकता और संवैधानिकता की कसौटी पर इस कानून के कुछ हिस्से खरे नहीं उतरते। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी और विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) के कुलपति और निदेशक के खिलाफ धर्मांतरण के मामले को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की।

पीठ ने कहा, धर्मांतरण से पहले और बाद में घोषणाओं की वैधानिक प्रक्रिया अत्यंत जटिल और बोझिल है, जिसमें राज्य की अत्यधिक दखलअंदाजी दिखाई देती है। यह विषय मूल रूप से व्यक्ति की आस्था और निजता से जुड़ा है और इसमें सरकारी हस्तक्षेप संवैधानिक स्वतंत्रता का उल्लंघन कर सकता है। हालांकि पीठ ने स्पष्ट किया कि वह वर्तमान मामले में अधिनियम की संवैधानिक वैधता पर औपचारिक रूप से निर्णय नहीं दे रही है। उसने कहा कि एक आपराधिक मामले पर निर्णय लेते समय इन मुद्दों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा, धर्मांतरण के मामलों में अनिवार्य राज्य जांच और सार्वजनिक प्रकटीकरण की प्रक्रिया, अपने धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को अपनाने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति के लिए एक बहुत ही कठिन प्रक्रिया सामने रखती है। पीठ ने चेतावनी दी कि अजनबियों को मुकदमा चलाने की अनुमति देने से आपराधिक कानून उत्पीड़न का एक साधन बन जाएगा, जिससे तुच्छ या प्रेरित मुकदमेबाजी का रास्ता खुल जाएगा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता और धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी कमजोर हो जाएगी। पीठ ने विशेष रूप से कानून की धारा 8 और 9 पर चिंता व्यक्त की, जो क्रमशः धर्मांतरण से पहले और बाद की वैधानिक आवश्यकता और प्रक्रिया से संबंधित हैं। पीठ ने कहा, व्यक्तिगत विवरण सार्वजनिक करने की वैधानिक आवश्यकता और प्रत्येक मामले में पुलिस जांच का आदेश देने के लिए जिला मजिस्ट्रेटों को वैधानिक दायित्व सौंपा गया है। मगर यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच की आवश्यकता हो सकती है कि क्या यह संविधान में दी गई गोपनीयता की व्यवस्था के अनुरूप है। न्यायालय ने याद दिलाया कि संविधान की प्रस्तावना और उसमें निहित धर्मनिरपेक्ष प्रतिबद्धताएं, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और उपासना की स्वतंत्रता की गारंटी देती हैं।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

दीपोत्सव-2025

सीएम योगी की मौजूदगी में अयोध्या बनेगी दीप नगरी

56 घाटों पर सजे 28 लाख दीप, 80 हजार दीयों से बना स्वस्तिक

अयोध्या, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में रामनगरी अयोध्या इस बार दीपों की ऐसी अलौकिक आभा में नहाएगी, जो पूरी दुनिया के लिए मिसाल बनेगी। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में दीपोत्सव-2025 को ऐतिहासिक स्वरूप देने की तैयारी पूरी हो चुकी है। इस आयोजन में 33 हजार वालंटियर्स की भूमिका अहम रहेगी, जो 26 लाख 11 हजार एक सौ एक दीयों को प्रज्ज्वलित कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी घाटों पर दीप बिछाने का कार्य लगभग पूरा कर लिया है। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने स्वयं घाटों का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। सरयू तट के 56 घाटों पर विश्वविद्यालय की 2,000 से अधिक सदस्यों की टीम तैनात है। दीपोत्सव के नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि 28 लाख से अधिक दीए बिछाए जा चुके हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम द्वारा घाटवार दीयों की गणना की जा रही है। घाट संख्या-10 पर विश्वविद्यालय के वालंटियर्स ने 80 हजार दीयों से स्वस्तिक का विशाल प्रतीक बनाकर शुभता का संदेश दिया है।

घाटों पर बिना पहचान-पत्र (आईडी कार्ड) के प्रवेश वर्जित रहेगा। सभी वालंटियर्स सूती परिधान में ही घाटों पर उपस्थित रहेंगे। दीयों में तेल भरने के लिए प्रत्येक वालंटियर को एक लीटर सरसों तेल की बोतल दी जाएगी। तेल डालने और बाती प्रज्वलित करने के लिए विशेष सावधानी बरती जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बताया कि हर घाट पर निर्धारित संख्या में कैंडल, माचिस और प्रज्वलन सामग्री उपलब्ध करा दी गई है। दीपोत्सव स्थल पर सभी वालंटियर्स व पदाधिकारियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। यह प्रबंधन प्रो. हिमांशु शेखर सिंह के नेतृत्व में प्रो. प्रवीण राय, डॉ. रामजी सिंह और डॉ. अनुराग तिवारी की टीम द्वारा किया जा रहा है। विश्वविद्यालय से घाटों तक 5 दर्जन बसों द्वारा वालंटियर्स को भेजा जा रहा है। यातायात समिति के संयोजक प्रो. अनूप कुमार ने बताया कि सभी टीमों को समय से राम की पैड़ी पहुंचाया जा रहा है ताकि कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हो सके।

अयोध्या के जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि आज शाम सरयू आरती स्थल पर 2100 लोगों द्वारा महा-आरती का अभ्यास किया गया। इस आयोजन ने दीपोत्सव की मुख्य संध्या के लिए एक झलक प्रस्तुत की। इसके साथ ही राम की पैड़ी पर लेजर शो, प्रोजेक्शन लाइट एंड साउंड शो एवं ड्रोन शो का अभ्यास भी किया गया। यह शो इस बार दीपोत्सव का मुख्य आकर्षण रहेगा, जिसमें भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों को तकनीकी रोशनी और ध्वनि के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि 19 अक्टूबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम होने के बाद रात्रि लगभग 8:30 बजे से राम की पैड़ी पर इन तीनों कार्यक्रमों लेजर शो, लाइट एंड साउंड शो और ड्रोन शो का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर अयोध्या नगरी असंख्य दीयों की रौशनी में जगमगाएगी और सरयू तट से उठती भक्ति ध्वनि पूरे वातावरण को आलोकित करेगी। दीपोत्सव के उत्सव की निरंतरता बनाए रखने के लिए 20 अक्टूबर को शाम 7 बजे से भी राम की पैड़ी पर लेजर, लाइट एंड साउंड एवं ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा। इससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को तीनों दिन अयोध्या के दिव्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त होगा।

54 साल बाद खुला बांके बिहारी मंदिर का खजाना

खाली निकला बांके बिहारी मंदिर का खजाना

मथुरा, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में शनिवार को धनतेरस के शुभ दिन पर खजाने का कमरा लगभग 54 साल बाद खोला गया। इस दौरान मंदिर परिसर में भारी पुलिस बल तैनात रहा और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस घटना को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। मंदिर के सेवायत आभास गोस्वामी ने बताया कि यह कमरा मंदिर के गर्भगृह के ठीक पास स्थित है। इसे करीब आधी सदी पहले सुरक्षा कारणों से बंद किया गया था, क्योंकि उस समय मंदिर में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। इस कमरे में ठाकुर जी के दैनिक उपयोग की वस्तुएं, जैसे तांबे और चांदी के बर्तन आदि सुरक्षित रखे जाते थे। सोने-चांदी के छोटे आभूषण पहले ही स्टेट बैंक मथुरा में जमा करा दिए गए थे।

गोस्वामी ने बताया, जब कमरे का ताला खोला गया, तो अंदर पानी और कीचड़ मिला। साथ ही, वहां चूहे भी दिखाई दिए। शुरुआती जांच में कमरे के अंदर कोई कीमती वस्तु नहीं मिली है। फिलहाल कमरे के अंदर सफाई का काम तेजी से जारी है। मंदिर प्रशासन ने बताया कि हाई पावर कमिटी द्वारा भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। खजाने के कमरे की पूरी सफाई होने के बाद ही अंदर मौजूद वस्तुओं को श्रद्धालुओं और मीडिया को दिखाया जाएगा।

मुठभेड़ में शामली का एक लाख का इनामी नफीस ढेर

शामली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शामली जिले की कांधला पुलिस के साथ गांव भभीसा के जंगल में शनिवार सुबह हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपए का इनामी हिस्ट्रीशीटर बदमाश नफीस मारा गया। उस पर लूट, गैंगस्टर, जानलेवा हमले और नकली करेंसी समेत 34 मुकदमे दर्ज थे। वह तीन मामलों में वांछित चल रहा था।

एसपी एनपी सिंह ने बताया कि कांधला पुलिस भभीसा चौकी पर चेकिंग कर रही थी। उसी समय बाइक पर दो संदिग्ध लोगों को पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वे पुलिस टीम पर फायर करते हुए भाग निकले। इसके बाद पुलिस ने पीछा किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया।

अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसका साथी मौके से भाग गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। एसपी ने बताया मारा गया बदमाश नफीस कांधला के मोहल्ला खेल का निवासी था और थाने का हिस्ट्रीशीटर था। उस पर 34 मुकदमे दर्ज थे। उसके कब्जे से बाइक, पिस्टल, तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं।

पुलिस अधीक्षक, शामली एनपी सिंह ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान बदमशों की तरफ से फायरिंग में कांधला थाना प्रभारी सतीश कुमार बल-बल बचे हैं। उनकी बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोली लगी है। थाना कांधला पुलिस की प्रभावी कार्रवाई में 1,00,000 रुपए के इनामी व हिस्ट्रीशीटर अपराधी नफीस पुत्र मूदा निवासी मोहल्ला खैल, कस्बा व थाना कांधला, जनपद शामली पुलिस मुठभेड़ के दौरान आत्मरक्षा के लिए की गई फायरिंग में घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां दौरान उपचार उसकी मृत्यु हो गई।

अभियुक्त नफीस के विरुद्ध कुल 34 आपराधिक मुकदमे पंजीकृत थे, जिनमें हत्या, लूट व जानलेवा हमले जैसे गंभीर अपराधों के तीन मुकदमों में वह वांछित था। मौके से एक पिस्टल .32 बोर, एक खोखा, पांच जिंदा कारतूस, एक तमंचा .315 बोर, दो खोखा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

अच्छन तीन बार मर चुका, तीन खातों में जा रही विधवा पेंशन

बरेली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। निराश्रित महिला पेंशन योजना में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। यूपी के बरेली स्थित गांव मजनूपुर में अच्छन खां को अलग-अलग तीन तिथियों में मृत दिखाकर उनके नाम से मृत्यु प्रमाणपत्र बनवा लिए। इनके जरिए तीन अलग-अलग बैंक खातों में पेंशन भी ली जा रही है। पंचायत सचिव ने तीनों मृत्यु प्रमाणपत्र को फर्जी करार दिया है। योजना का लाभ लेने में कौन-कौन लोग दोषी हैं, उनके नाम पते डीपीआरओ ने जिला महिला कल्याण अधिकारी (डीपीओ) से मांगे हैं।

सीडीओ के निर्देश पर हुई जांच में पता चला है कि मजनूपुर ग्राम पंचायत में अच्छन खां के नाम से वर्ष 2019 में ही अलग-अलग तिथियों में तीन मृत्यु प्रमाणपत्र जारी हुए थे। इनमें पहला 27 मार्च को जारी हुआ, इसमें मृत्यु 18 मार्च को दिखाई गई। दूसरा मृत्यु प्रमाणपत्र 15 मार्च को जारी हुआ और मृत्यु 10 मार्च को दिखाई गई है। तीसरा प्रमाणपत्र 30 मार्च को जारी हुआ। इसमें उनकी मृत्यु 25 मार्च को दिखाई गई है।

एडीओ पंचायत मनीष अग्रवाल ने जांच में स्पष्ट किया है कि वर्ष 2019 में जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र ऑनलाइन ई-डिस्ट्रिक्ट के माध्यम से बनाने की व्यवस्था थी। अच्छन खां के बनाए गए तीनों मृत्यु प्रमाणपत्र ऑफलाइन बने हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि तीनों प्रमाणपत्र फर्जी हैं। इस मामले में तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी शिप्रा सिंह से भी पूछताछ हुई है, उन्होंने स्पष्ट कह दिया है कि अच्छन खां नाम का कोई भी मृत्यु प्रमाण पत्र उन्होंने ऑफलाइन भी नहीं जारी किया है।

मजनूपुर ग्राम पंचायत के प्रधान शकील का कहना है कि अच्छन खां नाम से कोई भी व्यक्ति उनके गांव में नहीं है। ऐसे में साफ है कि महिला कल्याण विभाग की विधवा पेंशन योजना में बड़े स्तर पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अपात्रों को पेंशन दी जा रही है।

जीएसटी घटाना कोई छोटा काम नहीं: राजनाथ

कोई भी पार्टी व्यापारी एवं किसान की अनदेखी नहीं कर सकती

लखनऊ, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ में व्यापारियों के सम्मेलन में पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जीएसटी घटाना कोई छोटा काम नहीं है। दुनिया इसका अनुसरण करेगी। आज कोई भी पार्टी व्यापारी व किसान की अनदेखी नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा, जीएसटी घटाने का मोदी सरकार का कदम करिश्माई है। अब दुनिया के अन्य देश भी टैक्स घटाने का अनुसरण करेंगे। जीएसटी घटाना कोई छोटा काम नहीं है। इससे आर्थिक तंत्र अधिक प्रभावी बनेगा। वैश्विक समस्याओं का समाधान सिर्फ भारत के पास है।

राजभवन रोड स्थित पीडब्लूडी भवन के विश्वेश्वरैया हॉल में हुए कार्यक्रम का रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और व्यापारी नेताओं ने दीप जलाकर उद्घाटन किया।

इस मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि आज आदिवासी महिलाओं को स्थानीय कारीगरों को उनके श्रम का मूल्य मिल रहा है। दुनिया के अन्य देशों में उनके सामान को एक्सपोर्ट कर हम माताओं बहनों के सम्मान को बढ़ा रहे हैं। हम सब स्वीकार करेंगे कि हमारी क्रय शक्ति बढ़ी है। एक लाख कमाने वाला भी मोटर कार में चलता है। यूपीआई में पिछले आठ महीने में 25 लाख करोड़ का ट्रांजैक्शन हुआ है।

उन्होंने व्यापारियों से कहा कि उनकी समस्याओं का समाधान करने की कोशिश करेंगे, पर आश्वासन नहीं देते। व्यापारियों से पूछा कि लखनऊ में ठीक ठाक विकास हो रहा है कि नहीं। ब्रह्मोस मिसाइल लखनऊ में बन रही है। विधायक नीरज बोरा के क्षेत्र में पीपे का पुल देखा तो फौरन कहा कि मेरे रहते यह तो नहीं हो सकता।

इसलिए आज वहां पुल बन गया है। जितना समय देना चाहिए उतना लखनऊ को नहीं दे पाते पर दिल्ली जाने वाले हर व्यक्ति से मिलते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की जितनी आबादी है, उससे अधिक हमारे यहां खुदरा व्यापारी हैं। कोई भी पार्टी व्यापारी और किसान की अनदेखी नहीं कर सकती।

नासिक में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की एक शाखा है, वहां पर फाइटर प्लेन बनते हैं। वहां पर तेजस मार्क वन ए 4.5 जेनरेशन के फाइटर एयरक्राफ्ट की ओपनिंग की है। राजनाथ सिंह ने कहा, जब मैं रक्षा मंत्री बना था, तब यहां कुल उत्पादन 45,46 हजार करोड़ का था।

अब उत्पादन लगभग डेढ़ लाख करोड़ का हो गया है। इस मौके पर मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, व्यापारी नेता पूर्व सांसद बनवारी लाल कंछल, अमरनाथ मिश्रा, राजेंद्र अग्रवाल, संजय गुप्ता, संदीप बंसल, विनोद पंजाबी, देवेंद्र गुप्ता, अभिषेक खरे मौजूद रहे।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर बड़े घपले की तैयारी

उपभोक्ता परिषद ने की सीबीआई जांच की मांग

लखनऊ, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर बड़े घपले का आरोप लगाया है। परिषद ने मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने शुक्रवार को प्रदेश सरकार से मांग की है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर मामले की सीबीआई अथवा अन्य उच्च स्तरीय एजेंसी से जांच कराई जाए। स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर प्रदेश में बड़े घपले की तैयारी है।

परिषद अध्यक्ष ने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं पर जानबूझ कर बोझ डाला जा रहा है। महाराष्ट्र में सभी मॉड्यूल सहित उपभोक्ता से मीटर की कीमत सिर्फ 2610 रुपए ली जा रही है। जबकि उत्तर प्रदेश में 6016 रुपए लिया जा रहा है। स्मार्ट मीटर के लिए केंद्र सरकार द्वारा 18885 करोड़ अनुमोदित किया गया था, जबकि प्रदेश में यह टेंडर 27342 करोड़ में किया गया। ऐसे में 8500 करोड़ रुपया अतिरिक्त खर्च किया गया। इस मामले की भी सीबीआई से जांच कराई जाए।

वर्मा ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के बयान पर आपत्ति जताई है। ऊर्जा मंत्री ने कहा था कि वितरण व्यवस्था दुरुस्त करने और पारदर्शिता के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं। इस पर अवधेश कुमार वर्मा ने आरोप लगाया कि पावर कॉर्पोरेशन ऊर्जा मंत्री को गुमराह कर रहा है। यही वजह है कि ऊर्जा मंत्री स्मार्ट प्रीपेड मीटर मामले में अधूरी जानकारी दे रहे हैं।

जिस अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में कभी नहीं मनी दिवाली

इस बार एएमयू में मनेगा दिवाली का जश्न

एएमयू प्रशासन ने हिंदू छात्रों को दी त्यौहार मनाने की अनुमति

अलीगढ़, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में इस बार इतिहास रचा जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कैंपस के अंदर हिंदू छात्रों को दिवाली मनाने की इजाजत दे दी है। यह फैसला हिंदू छात्रों के लिए एक बड़ी जीत है। 19 अक्टूबर 2025 को एएमयू के एनआरएससी क्लब में हिंदू छात्र मिलकर दीपोत्सव मनाएंगे। यह सब योगी सरकार के राज में ही मुमकिन हो पाया है।

हिंदू छात्र नेता अखिल कौशल ने इस संबंध में कुलपति को पत्र लिख कर कहा था कि जिस तरह अन्य धर्मों के त्यौहार मनाए जाते हैं, वैसे ही हिंदू छात्रों को भी अपने पर्व मनाने की आजादी मिलनी चाहिए। छात्र नेता ने बताया कि आजादी के बाद यह पहला मौका है, जब एएमयू में दिवाली का उत्सव इस तरह मनाया जाएगा। इससे पहले होली मनाने की अनुमति के लिए भी छात्रों को लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। एएमयू के प्रॉक्टर प्रोफेसर मोहम्मद वसीम अली ने इस फैसले की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि छात्र 19 अक्टूबर की शाम को अपनी सुविधा से दिवाली मना सकते हैं। विश्वविद्यालय की ओर से कोई रोक नहीं है। प्रशासन का मकसद सभी धर्मों के छात्रों के अधिकारों का सम्मान करना और सद्भाव बनाए रखना है। यह निर्णय पूरे विश्वविद्यालय के लिए सकारात्मक संदेश है और सौहार्द की मिसाल बनेगा।

ट्रेंच कोट से फैशनेबल लुक...

खूबसूरत दिखना और फैशनेबल दिखने में बहुत अंतर है। फैशनेबल दिखने के लिए जरूरी है कि सबसे पहले यह जान लिया जाए कि ट्रेंड में क्या है और आपको हर मौसम के ट्रेंड के बारे में पता होना चाहिए। आजकल ट्रेंच कोट काफी ट्रेंड में है, जो स्टाइलिश लुक के साथ आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगें।

अगर आप ऐसी जगह पर रहती हैं जहां ज्यादा सर्द हवाएं नहीं चलती हैं, तो आप इन कोट्स को पहन सकती। जो कि बाहर घूमने के लिए अच्छे हैं।

मिलिट्री ट्रेंच कोट देखने में काफी वर्सटाइल लगते हैं, और आप इन्हे कही पर भी पहन कर जा सकती हैं। ऑफिस सबसे अच्छी जगह है इसे पहने की। साथ ही आप इसे मीटिंग्स में भी पहन कर जा सकते हैं।

कैज्युअल ट्रेंच कोट पहने में बहुत ही आरामदायक होते हैं साथ ही यह कार्डिगन वॉटरफॉल की तरह दिखते हैं। इसे आप हाउस पार्टी, रोड ट्रिप्स, हैंगआउट्स आदि जगहों पर भी पहन सकती हैं।

यह विंटर्स पार्टीज के लिए बहुत अच्छे हैं। लेदर और फॉक्स फर ट्रेंच कोट बहुत क्लासी और फैशनबल लगते हैं। इनकी फॉक्स फर कॉलर एजी लुक देती हैं।

उष्मा रोधी वैदिक प्लास्टर...

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के बीच ऐसे मकानों की प्रासंगिकता आज बढ़ रही है जो उष्मा रोधी हों ताकि सर्दी और गर्मी दोनों से ही बचाव हो सके। पहले मिट्टी के बने और गोबर से लिपे कच्चे घरों में उष्मा को रोकने की क्षमता थी और उनमें सर्दी और गर्मी दोनों से बचाव होता था लेकिन अब कच्चे मकान व्यवहारिक नहीं है और इसीलिए पक्के मकानों को ही इस तरह का बनाने के लिए ऐसा प्लास्टर तैयार किया गया है जो उष्मा रोधी हो। यह वैदिक प्लास्टर प्रख्यात वैज्ञानिक डॉक्टर शिव दर्शन मलिक के दिमाग की देन है जिनका कहना है कि वैदिक प्लास्टर ध्वनि एवं अग्नि रोधक है तथा मकान को गर्मी में ठंडा तथा सर्दी में गर्म रखता है। इसके अलावा इस प्लास्टर में गोबर का मिश्रण होने की वजह से यह प्राकृतिक वायु शोधक है और वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखता है। यह अपने आप में पूर्ण है क्योंकि इसमें रेत मिलाने की जरूरत नहीं पड़ती और न ही तराई करने की जरूरत पड़ती है।

वहां पुरुष करते हैं सोलह श्रृंगार...

सुहागन महिलाएं अपने पति के लिए सजती-संवरती है और सोलह श्रृंगार करती हैं लेकिन एक ऐसा मंदिर है, जहां पुरुषों को भगवान के दर्शन करने के लिए सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। केरल के कोट्टनकुलंगरा मंदिर में मर्द पूजा करने के लिए महिलाओं की तरह सजते-संवरते हैं। इस मंदिर में यह परंपरा सालों से चली आ रही है। यह केरल का इकलौता मंदिर है, जिसके गर्भगृह के ऊपर छत नहीं है। इस मंदिर में हर साल चाम्याविलक्क फेस्टिवल मनाया जाता है। इस फेस्टिवल में माता की पूजा करने के लिए पुरुष महिलाओं की तरह साड़ी पहनते है और अच्छी तरह सजते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति खुद प्रकट हुई थी। सोलह श्रृगार करने के बाद पुरुष अच्छी नौकरी, सेहत, पार्टनर और अपने परिवार की खुशहाली की प्रार्थना करते हैं।

दूध पीना हानिकारक...?

दूध पीने के कई फायदे आपने सुने होंगे। आपने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि दूध पीने के भी नुकसान हो सकते हैं। हाल में हुए एक शोध में इस बात का खुलासा किया गया कि भले ही दूध पीने के काफी फायदे हों लेकिन ज्यादा दूध पीना हड्डियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपी स्टडी के अनुसार , दूध हमारी हड्डियों को कमजोर बनाता है। जो लोग ज्यादा दूध पीते हैं उनकी मौत भी जल्दी हो जाती है। इस रिसर्च में 20 साल तक 61,000 महिलाओं और 45,000 पुरुषों पर शोध किया गया। शोध में पता चला इन सभी की कोई न कोई हड्डी टूटी हुई थी। दूध की वजह से महिलाओं की हड्डियों में फ्रैक्चर होने के चांस बढ़ जाते हैं। स्टडी में यह भी पाया कि जो लोग दिन में तीन बार दूध पीते हैं उनके जल्दी मृत्यु के चांस दोगुने हो जाते हैं। जो लोग दिन में एक ग्लास दूध पीते हैं उनकी उम्र बढ़ जाती है।

हल्की सर्दी में काम के हैं पोंचू...

किसी जमाने में दादी-नानी के हाथों में क्रोशिया की सिलाई देखी जाती थी और घरों में क्रोशिया से बुने हुए तकिए के कवर, रुमाल, शो पीस और अन्य सामान आसानी से देखे जाते थे। बदलते वक्त और भागदौड़ की व्यस्त जिंदगी में घरों और बाजारों में क्रोशिया की बुनी हुई चीजें गायब होती चली गईं। बाजार में अब क्रोशिया से बने वेस्टर्न और इंडियन आउटफिट का बोलबाला शुरू हुआ है, जिसमें फैशन डिजाइनर नए-नए फ्यूजन के साथ कपड़ों को तैयार कर रहे हैं। इनहें पहनने से आप आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही फैशन में एक नयापन भी आया है। आज हम आपके सामने क्रोशिया , सिल्क, वूलन आदि से बने पोंचू लेकर आए है जिनहें आप सर्दीयों के मौसम में भी पहन सकती है। दिन की नरम धूप हो या शाम की हल्की सर्दी, ऐसे समय में आपको सेफ रखते हैं पोंचू। इन्हें आप किसी भी ड्रेस के ऊपर पहन सकते है। आपकी सिंपल ड्रेस भी पोंचू से खूबसूरत बन जाती है। चलिए आज आप को बताते हैं पोंचू के भी कई वैराइटीज हैं जिसको लेकर आप एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं।

क्रोशिया से बने पोंचू

क्रोशिया से बने पोंचू को गर्मी और सर्दी दोनो मौसम में पहना जा सकता है। गर्मियों में धागे से बने पोंचू और सर्दियों में ऊनी पोंचू पहने जाते हैं। इसे गर्मियों में बोरिंग ड्रेस को ग्लैमरस लुक देने और धूप से बचने के पहना जाता है।

निटेड पोंचू

जहां क्रोशे पोंचू गर्मियों के लिए उचित हैं वहीं निटेड पोंचू आपको ठंड से सुरक्षा देते हैं। ये अपको ट्रेंडी और वार्म लुक देते हैं।

एम्ब्रॉयडेड पोंचू

ये ट्रेडिशनल पोंचू हैं जो कई वैरायटी और पैटर्न व स्टाइल में मिलते हैं। ये बहुत एलेगेंट फैब्रिक में आते हैं।

सिल्क पोंचू

सिल्क पोंचू वजन में हल्के होते हैं जिन्हें आप बतौर एक्सेसरी पहन सकते हैं जो आपके पहनावे को नया लुक देंते है।

वूलन फैब्रिक पोंचू

वूलन फैब्रिक पोंचू सर्दियों से बचाव के लिए हैं। इन्हें ऊन से बुना नहीं जाता बल्कि वार्म वुलन फैब्रिक से बनाया जाता है। इनकी गर्माहट इनके फैब्रिक पर डिपेंड करती है। हुडेड और टर्टलनेक पोंचू विद हुड जैसे ज्यादातर पोंचू बच्चों के लिए बनाए जाते हैं।

तनाव घटाने के लिए लोग करते है कुछ ऐसा

आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। पर दक्षिण कोरिया में आजकल लोग तनाव को भगाने के लिए मरने के बाद की लाइफ में जाना चाहते हैं। और ऐसा महसूस कराने के लिए बाकायदा कंपनियां भी हैं, जो ये काम कर रही हैं। जी हां, दक्षिण कोरिया में लोग 10 मिनट ताबूत में रहते हैं। मरने के बाद की जिंदगी को लेकर धर्मगुरुओं से ज्ञान भी लेते हैं। ताकि वो तनाव को भगा सकें। हैरानी की बात है कि ऐसा करने वाले बाद में कहते हैं कि उन्हें ऐसा करके अच्छा लगा। वांग योंग यो(67) नाम की महिला ने

कहा कि 10 मिनिट मरने के बाद की जिंदगी बिताकर मुझमें नया उत्साह आ गया है। ऐसा लगता है कि मुझे नई जिंदगी मिली है। और मैं नई शुरुआत कर सकती हूं। कोरिया में तनाव घटाने के लिए लोग करते हैं मरने के बाद की जिंदगी का अहसास! सोचिए, आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी मां मुझसे बहुत प्यार करती थी, वो कम उम्र में ही चली गई। वो बहुत खूबसूरत थी। दक्षिण कोरिया में मॉक फ्यूनरल मतलब मरने के बाद के अंतिम संस्कार का अभ्यास अब नया ट्रेंड बनता जा रहा है। ऐसा कराने के लिए तमाम कंपनियां भी मैदार में उतर चुकी हैं। और अब ये बड़ा बिजनेस बन चुका है।

रेसिपी

कोमल

सामग्री

1 कप दही, फेंटा हुआ, 1 कप नारियल का दूध, 1 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया,
2 चीर लगी हुई हरी मिर्च,
1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार,
1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा,
1/4 टी-स्पून हींग, 2 कड़ी पत्ता

विधि

दही, नारियल के दूध, धनिया, हरी मिर्च और शक्कर को 11/2 कप पानी के साथ एक बाउल में डालकर, शक्कर के पिघलने तक अच्छी तरह मिला लें। नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक छोटे पॅन में तेल गरम करें, ज़ीरा, हींग और कड़ी पत्ता डालें। जब बीज चटकने लगे, तड़के को पेय में डालें। परोसने से पहले, हरी मिर्च निकालकर फेंक दें। तुरंत परोसें।

खाण्डवी

सामग्री

1 कप अरारोट का आटा, 1/4 कप राजगीरे का आटा, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, सेंधा नमक, स्वादअनुसार, 1 कप दही, 1/4 टी-स्पून तेल, चुपड़ने के लिए, 1 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून ज़ीरा, 1 टी-स्पून तिल, 5 से 6 कड़ी पत्ते, सजाने के लिए, 2 टेबल-स्पून कटा हुआ धनिया, 2 टेबल-स्पून कसा हुआ नारीयल, ऐच्छिक, परोसने के लिए, हरी चटनी

विधि

आरारोट का आटा, राजगीरे का आटा, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, सेंधा नमक, दहीं और 1 कप पानी को एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में अच्छी तरह से मिलाएं जिससे सारे डल्ले धुल जाएं। धिमी आंच पर लगातार हिलाते हुए 8 से 10 मिनट तक या मिश्रण के गाढ़े होने तक पकाएं। थाली के उल्टे तरफ को तेल से चुपड़े और मिश्रण के एक चम्मच को अच्छी तरह से फैलाकर कुछ सेकन्ड तक रखें। अगर घोल तब भी न पकें, कुछ और मिनट तक पका कर दुबारा कोशिश करें। घोल को 2 बराबर हिस्सों में बांट लें। प्रत्येक हिस्से को 2 थालीयों के उल्टे हिस्से पर फैलाकर गोल आकार में फैलाएं। ठंडा कर, 2 का फर्क रखकर लम्बी पट्टीयों में काटें और घुमाकर रोल बनाएं। खाण्डवी को प्लेट पर रखें। बघार के लिए, एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे, तिल और कड़ी पत्ते डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भूनें। बघार को खाण्डवी के उपर डालें। नारीयल और धनिया से सजाकर हरी चटनी के साथ परोसें।

अच्छे कोलैस्ट्राल को बढ़ाता है अखरोट

अखरोट ऊर्जा का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही इसमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडैंट्स और विटामिन्स प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं। अखरोट का तेल कई रूपों में काम में लिया जाता है। इसका तेल खाना बनाने के अलावा दवाइयों और खुशबू के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

* अखरोट में मोनोसैचुरेटिड फैट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड्स जैसे सिनोलिक एसिड, अल्फा फिनोलिक एसिड और एराकिडोनिक एसिड भी काफी मात्रा में मिलते हैं। अखरोट का नियमित सेवन खून में बुरे कोलैस्ट्राल को कम कर अच्छे कोलैस्ट्राल को बढ़ाता है।
* हर दिन 25 ग्राम अखरोट के सेवन से 90 फीसदी ओमेगा-3 फैटी एसिड्स भी मिलते हैं। इससे रक्तचाप, कोरोनरी आर्टरी डिजीज और स्ट्रोक का खतरा कम होता है।
* अखरोट का सेवन ब्रैस्ट कैंसर, कोलोन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव करता है। अखरोट को ब्रेन फूड भी कहा जाता है। अखरोट में कई तरह के यौगिक मौजूद होते हैं जैसे मेलाटोनिन, विटामिन ई, कैरोटिनायड जो हमारे स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करते हैं। ये यौगिक कैंसर, बुढ़ापे, सूजन और मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों से बचाते हैं।
* अखरोट में प्रचुर मात्रा में विटामिन ई मौजूद होता है। विटामिन ई शरीर को हानिकारक ऑक्सीजन से सुरक्षा देता है। विटामिन ई के अलावा इसमें और भी जरूरी विटामिन मौजूद होते हैं जैसे विटामिन बी कांप्लैक्स समूह के शीबोफ्लैविन, नियासिन, थाइमिन, पेंटोथेनिक एसिड, विटामिन बी 6 और फोलेट्स।
* अखरोट मिनरल्स का भी बेहतरीन स्त्रोत माना जाता है। जैसे मैंगनीज , कॉपर, पोटाशियम, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, जिंक और सेलेनियम। प्रतिदिन मुट्ठी भर अखरोट आपके शरीर को मिनरल्स, विटामिन्स और प्रोटीन्स प्रदान करते हैं।

सामान्य बीपी में भी ज्यादा नमक खतरनाक

आमतौर पर हम अपनी खुराक में नमक की मात्रा को लेकर तभी सचेत होते हैं, जब उच्च रक्तचाप (हाई बीपी) की शिकायत हो। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह सोच पूरी तरह गलत है। सामान्य रक्तचाप की स्थिति में भी खाने में ज्यादा नमक नुकसान पहुंचा सकता है। एक ताजा शोध में यह बात सामने आई है। शोध के अनुसार रक्तचाप में बढ़ोतरी न होने पर भी नमक की ज्यादा मात्रा कुछ अंगों को नुकसान पहुंचा सकती है। यूनिवर्सिटी ऑफ डेलावेयर के शोधकर्ताओं ने बताया कि नमक की अधिक मात्रा खून की नलियों, दिल, किडनी और दिमाग पर बुरा असर डाल सकती है। शरीर में सोडियम की मात्रा के हिसाब से रक्तचाप के घटने-बढ़ने की स्थिति को साल्ट सेंसिटिव ब्लड प्रेशर कहते हैं।

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियरिंग...

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियरिंग एविएशन सेक्टर से संबंधित एक प्रमुख क्षेत्र है, जिसे मेन्टेनेन्स ब्रांच में शामिल किया गया है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें प्रोफेशनल्स को पद व पैसा दोनों मिल रहा है। इसमें कमर्शियल एवं मिलिट्री एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, सेटेलाइट एवं मिसाइल आदि की डिजाइनिंग, कंस्ट्रक्शन, डेवलपमेंट, टेस्टिंग, ऑपरेशन एवं मेन्टेनेन्स आदि के बारे में विशेषज्ञता हासिल की जाती है। एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियर का सीधा संबंध एविएशन डिवीजन से होता है। एयरक्राफ्ट के सफलतापूर्वक टेक ऑफ की जिम्मेदारी भी इन्हीं के जिम्मे होती है। ये इंजीनियर पूरी तरह से सुरक्षा पर फोकस करते हैं, ताकि एयरक्राफ्ट को बिना किसी अवरोध के उड़ाया जा सके। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की एक घोषणा के अनुसार इस समय भारतीय एविएशन इंडस्ट्री विश्व की नौवीं सबसे बड़ी एविएशन इंडस्ट्री है तथा 2020 तक इसके तीसरे सबसे बड़े एविएशन मार्केट के रूप में बनने की उम्मीद है। इसी तरह से 2030 तक पहुंचते-पहुंचते इसके पहले स्थान पर काबिज होने का अनुमान है। फिक्की-केपीएमजी रिपोर्ट के अनुसार एविएशन इंडस्ट्री में वर्ष 2017 तक देश में रोजगार में दोगुनी वृद्धि होगी और यह बढ़ कर 1.17 लाख के करीब पहुंच जाएगा। आने वाले समय में इसमें एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियर पदों के लिए भारी संख्या में प्रोफेशनल्स की आवश्यकता पड़ेगी।

बारहवीं के बाद रखें कदम

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियरिंग तीन वर्षीय ट्रेनिंग कोर्स है। इसमें प्रवेश के लिए छात्रों को 10+2 की परीक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथ्स के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। छात्र की आयु 23 वर्ष से अधिक न हो। इसमें फीस की राशि संस्थान पर निर्भर करती है। अमूमन तीन साल के कोर्स में कुल छह सेमेस्टर होते हैं। इनकी फीस करीब दो से ढाई लाख रुपए होती है। इसके अलावा हॉस्ट, यूनिफार्म, खाने, टूल-किट व अन्य खर्चे भी शामिल हैं। छात्र किस्तों में भी फीस दे सकते हैं।

एजुकेशन लोन

छात्रों को देश-विदेश में अध्ययन के लिए प्रमुख राष्ट्रीयकृत, प्राइवेट अथवा विदेशी बैंकों द्वारा एजुकेशन लोन प्रदान किया जाता है। यह राशि पांच लाख से लेकर अधिकतम 20 लाख रुपए तक हो सकती है। छात्र को जिस संस्थान में एडमिशन लेना है, वहां से जारी एडमिशन लेटर, हॉस्टल खर्च, ट्यूशन फीस एवं अन्य खर्चों का ब्योरा बैंक को देना होता है। अंतिम निर्णय बैंक को करना होता है। बैंक सभी कागजात जांचता है।

सैलरी

इसमें ज्यादातर सैलरी पैकेज एकेडमी करियर एवं काम के बारे में जानकारी पर निर्भर करता है। शुरू शुरू में इसमें प्रोफेशनल्स को करीब तीन से चार लाख रुपए सालाना का पैकेज मिलता है। अनुभव बढ़ने के साथ सैलरी भी बढ़ती जाती है। प्राइवेट सेक्टर में सैलरी अधिक मिलती है। सुविधाओं के मामले में सरकारी क्षेत्र आगे है।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाएं हमारे इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट स्थित चट्टानों को काट कर बनाई गईं ये गुफाएं दुनिया भर में विख्यात हैं। अजंता औरंगाबाद से 106 किमी दूर है, तो एलोरा मात्र 26 किमी।

इन गुफाओं का वास्तुशिल्प और चित्रकला देख कर आप दंग रह जाएंगे। इसी विशेषता के कारण करीब डेढ हजार साल पुरानी ये गुफाएं आज भी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं।

अजंता में कुल 29 गुफाएं हैं, जो कि नदी द्वारा निर्मित एक के दक्षिण में स्थित हैं। इनकी नदी से ऊंचाई 35 से 110 फुट तक की है। अर्धवृत्ताकार पहाड़ी में स्थित इन गुफाओं को चट्टानें काटकर बनाया गया है। ये सभी बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इनमें कुछ मूर्तियां भी विद्यमान है।

एलोरा गुफाएं अपने मूर्तिशिल्पों के कारण ही प्रसिद्ध हैं। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं। पत्थरों को काट कर बनाई इन गुफाओं में 12 बौद्ध धर्म से जुड़ी हैं, 5 जैन तथा शेष 17 गुफाएं हिंदू मंदिरों के रूप में हैं। एलोरा की सभी गुफाएं छठीं से 10वीं शताब्दी के मध्य बनी हैं। ये भव्य गुफाएं और यहां के मूर्तिशिल्प महान कलासाधक शिल्पियों के अथक प्रयास के परिणाम हैं। पत्थर पर उकेरे गए जीवन के

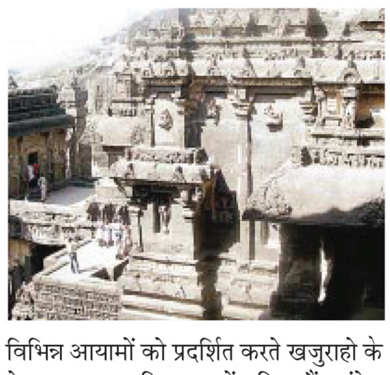

विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करते खजुराहो के देवालय आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। चंदेल राजाओं द्वारा इन भव्य मंदिरों का निर्माण एक हज़ार साल पहले करवाया गया था। उत्कृष्ट वास्तुकला और भित्तियों पर सजी सर्वोत्तम मूर्तिकला के कारण इन मंदिरों को आज विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इन मंदिरों की दीवारों पर जड़ी मूर्तियां भी इनकी विश्व में ख्याति का कारण हैं।

आज यहां केवल 22 मंदिर शेष हैं। इनमें से कुछ पंचायतन, तो कुछ सप्तरथ शैली में बने हैं। इनमें मतंगश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। खजुराहो के मंदिर तीन हिस्सों में बंटे हैं। यहां के महत्वपूर्ण मंदिर पश्चिमी समूह में विद्यमान हैं। पूर्वी मंदिर समूह में तीन हिंदू तथा चार जैन मंदिर हैं।

खतरनाक चींटियां

चींटियों का खलिहानों या अनाज घरों पर हमला एक ही दिन में कई किलो अनाज को चौपट कर देता है। कोमारा द्वीप की चींटियां भी बड़ी ख़तरनाक होती हैं। ये जब अपने विशाल समूह में होती हैं, तो वृक्षों तक को चट कर जाती हैं। यहां रहने वाले आदिवासी चींटियों के कहर से बचने के लिए बंदर पालते हैं, क्योंकि बंदर इन चींटियों को बड़े चाव से खाते हैं।

डाक टिकटों का जादू बेमिसाल है। शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो किसी न किसी दौर में इस तिलिस्म से होकर न गुजरा हो। तो चलें, खोलें कुछ रोचक रहस्य और जानें डाक टिकटों के बारे में...

डाक टिकटों का खजाना

डाक टिकटें सिर्फ चिट्ठियों की रसीदें नहीं हैं। इनसे बहुत से विषयों पर कई प्रकार की जानकारी मिलती है। ये अनेक देशों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की सांझा धरोहर हैं। ये टिकटें विभिन्न देशों के इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृतियों की सांझा अमानत हैं। डाक टिकट खरीदना और बेचना एक व्यवसाय भी है। अमरीका में डाक टिकट इकट्ठे करना सबसे प्रसिद्ध हॉबी है। बहुत से बच्चे जिन्होंने जीवन में कभी टिकट जमा नहीं किए, शायद यह लेख पढ़ने के बाद इस शौक में डूबेंगे।

पहली डाक टिकट

1840 में इंग्लैंड में पहली डाक टिकटें 'द पैनी ब्लैक' जारी की गईं। इनका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इन टिकटों की कीमत एक पैनी थी और टिकट का रंग काला था। इस टिकट पर महारानी विक्टोरिया का चित्र अंकित था। 6 मई 1840 को दुनिया की सबसे पहली डाक टिकट के जन्म दिवस के तौर पर याद रखा जाता है। इसलिए इस दिन को वर्ल्ड्स फर्स्ट स्टैंप डे के तौर पर मनाया जाता है।

पहली आधुनिक डाक टिकट अमरीका द्वारा 1847 में जारी की गई। कुछ लोगों का मानना है कि इसे अमरीका के पहले पोस्ट मास्टर जनरल बैंजमिन फ्रैंकलिन ने मान्यता दी, जबकि कुछ मानते हैं कि इसे पहले राष्ट्रपति जार्ज वशिंगटन ने मान्यता दी।

स्टैंप क्लैक्शन

एक अनुमान के मुताबिक अमरीका में 20 मिलियन लोग डाक टिकट इकट्ठी करते हैं। कुछ देशों में तो डाक टिकट केवल स्टैंप क्लैक्शन के शौकीन लोगों के लिए ही जारी किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पत्रों पर नहीं होता। ये देश सिर्फ पैसा कमाने के लिए ही इन डाक टिकटों की छपाई करते हैं।

गलत छपाई

साल 1918 में कई डाक टिकटों पर भूलवश हवाई जहाज की उल्टी छपाई हो गई थी। उन्हें 'विचित्र जेनी' डाक टिकट के नाम से जाना जाता है। उन डाक टिकटों में से केवल 100 ही मिल पाई हैं, जोकि अमूल्य हैं।

1903 में आईलैंड के सैंट कीट्स ने डाक टिकट पर क्रिस्टोफर कोलंबस का एक चित्र अंकित किया, जिसमें उन्हें टैलिस्कोप में देखते हुए दर्शाया गया था। लेकिन इसमें भी चूक हो गई, क्योंकि टैलिस्कोप की खोज कोलंबस की मृत्यु के बाद ही हुई थी।

हूबहू चित्र

ऐसे टिकट बहुत ही कम देखने में आते हैं, जिनमें चित्र हूबहू एक हो, पर देशों के नाम अलग-अलग हों। इनमें से एक टिकट पर थाईलैंड का नाम अंकित है और दूसरे पर कैनेडा का। डाक टिकटों की दुनिया में यह एक विशेष उदाहरण है जब कैनेडा और थाईलैंड ने संयुक्त रूप से एक-से डाक टिकटों का प्रकाशन कर दो देशों के बीच सहयोग के नए दस्तावेज पर मोहर लगाई थी। कैनेडा पोस्ट के अध्यक्ष आंद्रे ओले ने इन्हें जारी करते हुए कहा था, 'ये टिकटें न केवल हमारे दोनों महान् देशों के, बल्कि दोनों देशों के डाक-विभाग के बीच अद्वितीय सहयोग की भी प्रतीक हैं। ये दोनों देशों और उनकी जनता के बीच राजदूत की भूमिका अदा करेंगी।'

मजेदार तथ्य

- एक सर्वे के मुताबिक 200 देशों में डाक टिकटों की छपाई पिछले 150 सालों से हो रही है। अलग-अलग तरह की करीब 5 लाख डाक टिकटें दुनिया भर में हर साल जारी की जाती हैं।
- 1973 में भूटान में म्यूजिक रिकॉर्ड्स जैसी डाक टिकटें जारी की गईं। ये सचमुच बहुत रोचक थीं, क्योंकि जब आप इस डाक टिकट को किसी रिकॉर्ड प्लेयर पर लगाते थे, तो यह भूटान का राष्ट्रीय गीत बजाती थी।
- फरवरी 1964 में सियरा लियोन ने पहली सैल्फ-एडहैसिव स्टैंप्स जारी की।
- डाक टिकट पर पहली व्यक्तिगत फोटो विलियम शेक्सपियर की छपी थी। इससे पहले केवल शाही लोगों के ही चित्र टिकटों पर अंकित होते थे।
- साल 1993 में अमरीका के रॉक स्टार एलविस प्रैसली की तस्वीर वाली डाक टिकट बहुत मशहूर हुईऔर उसी साल 120 मिलियन डाक टिकटें बिक गई थीं।
- ब्रिटेन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी डाकटिकटों पर उसका नाम अंकित नहीं किया जाता।
- पैसिफिक आइलैंड टोंगा में केले के आकार की डाक टिकटें जारी की गई थीं।
- 1863 में कोलंबिया के राज्य बोलिवर ने सबसे छोटी डाक टिकट जारी की, जोकि 9.5×3.8 एमएम की थी।
- ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसी डाक टिकट जारी की गई, जो एकदम रत्न जैसी दिखती थी। इसे बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ओपेल जैसी दिखने वाली डाक टिकट 1995 में जारी की गई और 1996 में असली हीरे जैसी दिखने वाली डाक टिकटें जारी की गईं।
- स्पैशल क्रिसमस स्टैंप्स सबसे पहले 1966 में जारी की गईं, जिसकी छपाई करने वाली कंपनी रॉयल मेल हर साल 480 मिलियन स्टैंप्स तैयार करती है।
- राष्ट्रीय टिकट संग्रहालय दिल्ली में है। यहां दुनिया भर के डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है। यह संग्रहालय डाक भवन, सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है। यहां स्टैंप कलैक्शन के शौकीन दुनिया भर की टिकटें खरीद भी सकते हैं।

माउंट एवरैस्ट बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए धर्म का प्रतीक है। नेपाल में माउंट एवरैस्ट को सागरमथा कहा जाता है, जिसका अर्थ है आकाश में माथा...

सागरमथा

माउंट एवरैस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 8,848 मीटर (29,028 फुट) है। दुनिया की सबसे ऊंची ईमारत बुर्ज दुबई से भी यह करीब साढ़े बारह गुना ऊंची है। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि इसकी ऊंचाई हर साल एक इंच बढ़ जाती है। तिब्बती भाषा बोलने वाले माउंट एवरैस्ट को 'चोमोलूंगमा' कहते हैं, जिसका अर्थ है 'देवी, दुनिया की मां'। इसका नाम सर जॉर्ज एवरैस्ट के नाम पर रखा गया। वह 1829 से 1843 तक भारत में सर्वेयर जनरल थे। माउंट एवरैस्ट की लोकेशन व ऊंचाई रिकॉर्ड करने वाले वह पहले व्यक्ति थे। 1856 में इस बात की पुष्टि की गई कि यह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है।

माउंट एवरैस्ट ग्लेशियर्स से ढंका हुआ है। यहां का तापमान शून्य से 45 डिग्री सैल्यिस नीचे तक गिर सकता है। यहां इतनी ठंड होती है कि प्लास्टिक भुरभुरा हो जाता है, बैटरियां काम करना बंद कर देती हैं और थूक जमीन पर पहुंचने से पहले ही जम जाती है। माउंट एवरैस्ट की ऊंचाई दुनिया भर के पर्वतारोहियों को आकर्षित करती है। अब तक करीब चार हजार लोगों ने इस चुनौती को पूरा करने की कोशिश की है। इनमें से अधिकतर कोशिशें मॉनसून से पहले मई में और मॉनसून के बाद सितंबर व अक्तूबर के महीनों के दौरान की गईं। 25,000 वर्ग फुट की ऊंचाई पर समुद्र के तल की अपेक्षा ऑक्सीजन केवल एक-तिहाई ही है। इस कारण हाइपोथर्मिया व फ्रोस्ट-बाइट की समस्याओं के अलावा

फेफड़ों व दिमाग से संबंधित परेशानियां भी हो सकती हैं। जो पर्वतारोही अपने साथ ऑक्सीजन लेकर चढ़ाई करते हैं, उनमें भी कमजोरी, फैसला लेने में कठिनाई, सिर दर्द, नॉजिया, डबल विजन और कई बार मतिभ्रम के लक्षण देखने को मिलते हैं। इसके बावजूद कई पर्वतारोहियों ने बगैर ऑक्सीजन के एवरैस्ट की चोटी तक पहुंचने में सफलता हासिल की है।

- 29 मई, 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नॉर्वे एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे।
- सबसे तेज गति से पहाड़ की चोटी पर पहुंचने का रिकॉर्ड फ्रांस के जीन-मार्क बॉयविन के नाम है। वह पैराग्लाइडर से केवल 11 मिनट में एवरैस्ट की चोटी पर उतरने में सफल रहे।
- नेपाल के मोनो मुलेपति और पेम दोरजी शेरपा ने 30 मई, 2005 को यहां विवाह रचाया। शादी की रस्मों को पूरा करने के लिए वे एक पुजारी को भी अपने साथ लेकर गए। वो भी एक पर्वतारोही था।
- 76 साल की उम्र में एवरैस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले मिन बहादुर शेरचन सबसे बड़ी उम्र के थे।
- नेपाल का 15 वर्षीय तेंबा तशेरी माउंट एवरैस्ट पर चढ़ने वाला छोटी उम्र का व्यक्ति था।
- 16 मई, 1973 को एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचे वाली पहली महिला जापान की जूंको तबई थी।
- माउंट एवरैस्ट की चोटी पर सबसे ज्यादा समय बिताने का रिकॉर्ड बाबू चिरी शेरपा के नाम है। उन्होंने यहां साढ़े इक्कीस घंटे बिताए।

स्किन का रंग अलग-अलग होता है, क्यों?

स्किन की बाहरी लेयर के नीचे कुछ विशेष सैल्स होते हैं, जो पिगमेंट बनाते हैं, जिसे मैलानिन कहते हैं। इंसान की स्किन का रंग मुख्य रूप से शरीर में पाए जाने वाले तीन पिगमैंट्स या कलरिंग मैटीरियलस पर निर्भर करता है, ये हैं- मैलानिन, कैरोटिन और हीमोग्लोबिन। आपकी स्किन में कितना मैलानिन है, उसी से यह तय होता है कि आपका रंग गोरा होगा या काला। गोरे रंग वालों में मैलानिन कम होता है, जबकि गहरे रंग वालों में मैलानिन अधिक होता है। स्किन की भीतरी लेयर में मौजूद दूसरा पिगमेंट कैरोटीन यह तय करता है कि आपका स्किन टोन कितना पीला होगा।

आपमें पिगमेंट्स कितने हैं, यह उन जींस पर भी निर्भर करता है, जो आपको अपने पेरेंट्स से प्राप्त होते हैं। यदि शरीर में ये तीन पिगमैंट्स न हों, तो हमारी स्किन का रंग क्रीमी व्हाइट होगा। इन पिगमैंट्स की कमी के चलते स्किन पर सफेद दाग बन जाते हैं। इस रोग को 'ल्यूकोडर्मा' के नाम से जाना जाता है।

कैसे जलती है माचिस की तीली

बच्चो, हम कोई चीज जलाने के लिए माचिस का प्रयोग करते हैं। माचिस की डिबिया से हम एक तीली निकालते हैं और उसे माचिस की कम चौड़ाई वाली साइड पर रगड़ते हैं। रगड़ने पर तीली जल उठती है। क्या आप जानते हैं कि आखिर माचिस की तीली को आग कैसे लग जाती है? असल में माचिस की खुरदरी सतह फास्फोरस के योगिकों से बनी होती है। फास्फोरस जरा-सी ऊष्मा यानी गर्मी पाते ही चिंगारी देने लगती है। माचिस की तीली के काले सिरे पर पोटाशियम क्लोरेट लगा होता है। पोटाशियम क्लोरेट ज्वलनशील पदार्थ होता है। इसे माचिस की खुरदरी सतह पर रगड़ने से ऊष्मा पैदा होती है। ऊष्मा मिलते ही सतह से चिंगारी निकलती है। इस चिंगारी से तीली के सिरे पर लगा ज्वलनशील पदार्थ जलने लगता है। इस तरह जलती है तीली। अगर तीली को किसी अन्य जगह पर रगड़ा जाए, तो वह नहीं जलती। इसका मुख्य कारण यह है कि उस जगह पर फास्फोरस नहीं लगा होता, फलस्वरूप तीली नहीं जलती।

क्या आप जानते हैं?

- एक कप कॉफी में एक हजार से ज्यादा कैमिकल होते हैं।
- पृथ्वी पर कारों की संख्या पॉपुलेशन ग्रोथ के मुकाबले तीन गुणा तेजी से बढ़ रही है।
- सिर्फ एक फीसदी बैक्टीरिया बीमारी पैदा करते हैं।
- एक सिगरेट व्यक्ति की जिंदगी के पांच मिनट कम कर देती है।
- अधिकतर गाएं तब अधिक दूध देती हैं, जब वे म्यूजिक सुनती हैं।
- मधुमक्खियों की आंखों पर बाल होते हैं।
- जब हिप्पो अपसैट होता है, तब उसके पसीने का रंग लाल हो जाता है।
- बबलगम में रबड़ होता है।
- स्टारफिश का दिमाग नहीं होता।
- टीवी देखने के मुकाबले हम सोते समय अधिक कैलोरीज़ बर्न करते हैं।
- डायनामाइट में मूंगफली का इस्तेमाल किया जाता है।

>> हम बताएं, आप बनाएं

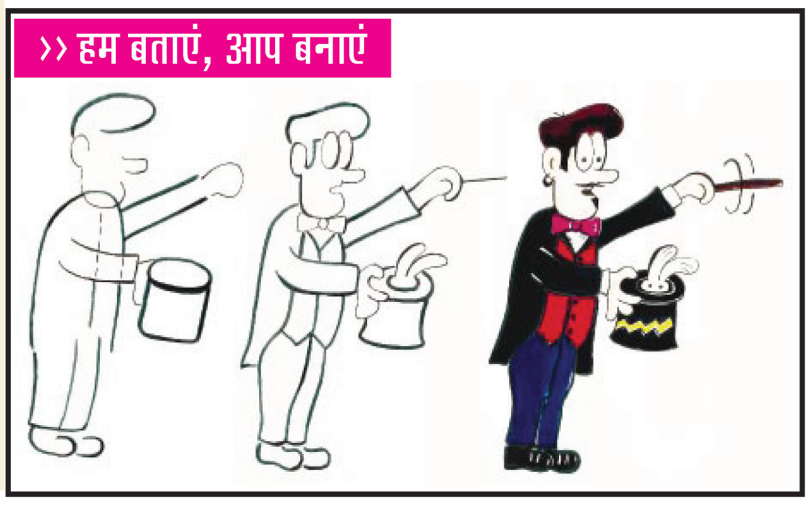

गूगल पर सर्च करते समय आपने इसके 'लोगो' के डिजाइंस को बदलते देखा होगा। इसे डूडल कहते हैं। क्या है यह डूडल, पढ़ें...

गूगल का डूडल

इंटरनैट की दुनिया में गूगल ने अपना एक अलग मुकाम बनाया है। यह मुकाम उसने अपनी रचनात्मकता के बूते बनाया है। गूगल की रचनात्मकता उसके 'लोगो' से भी झलकती रहती है। आपने गूगल के सर्च इंजन का उपयोग करते समय गूगल का लोगो तो जरूर देखा होगा। कई बार आपने ध्यान दिया होगा कि गूगल के मूल लोगो के साथ कई प्रयोग किए जाते हैं, जैसे किसी महापुरुष के जन्मदिन, नववर्ष, क्रिसमस या अन्य किसी अंतरराष्ट्रीय दिवस जैसे मदर्स-डे, फादर्स-डे, वर्ल्ड एनवायरमेंट-डे या वैलेनटाइंस-डे पर। ऐसे समय में बनाए जाने वाले विशेष लोगो को गूगल 'हॉलीडे लोगो' या 'डूडल' कहते है। ये डूडल कुछ खास दिनों के लिए बनाए जाते हैं, जो उस दिन दुनियाभर की कंप्यूटर स्क्रीन पर गूगल के लोगो की जगह दिखाई देते हैं। गूगल की प्रतिभाशाली नौजवानों की टीम के एक सदस्य डेनिस ह्वांग ही गूगल के असली डूडलर हैं। 1978 में अमेरिका के टेनेसी राज्य में पैदा हुए ह्वांग दक्षिण कोरियाई मूल के हैं। वह 2000 से गूगल के साथ जुड़े हुए हैं और ये अनोखे डूडल बना रहे हैं। ह्वांग ने कैलिफोर्निया की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रैजुएशन के साथ ही गूगल के साथ इंटर्नशिप भी की, जहां इन्हें वैबसाइट्स बनाने में मदद करने का काम दिया गया था। इंटर्नशिप के बाद वह गूगल इंक. में वैबमास्टर बन गए। वैबमास्टर ह्वांग गूगल के लिए सालभर में तकरीबन 50 डूडल

बनाते हैं। हाल ही में ह्वांग ने गांधीजी को लेकर गूगल का लोगो बनाया था। वह बताते हैं, 'डूडल बनाने से पहले गूगल पर इमेजिस की खोज के लिए जी-तोड़ मेहनत करनी पड़ती है। फिर सारी मेहनत को ऑ ज़र्व करने के बाद ऐसा डिजाइन बनाते हैं, जो लैटर्स के आकार के साथ इंटरैक्ट करे। यह सचमुच बहुत मजेदार होता है।' 14 जुलाई 2000 को ह्वांग ने बेस्टाईल डे (फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस) पर पहला डूडल बनाया। यह इतना हिट हुआ कि पेज और ब्रिन ने ह्वांग को ही स्थाई डूडलर नियु त कर दिया। हालांकि गूगल के लिए पहला डूडल तो खुद गूगल के जनक लैरी पेज और सर्जेई ब्रिन ने ही बनाया था, जो खुद बहुत ही क्रिएटिव माइंड के हैं। कुछ समय पहले ही गूगल ने विभिन्न देशों के बच्चों के बीच एक प्रतियोगिता भी आयोजित कराई थी, जिसमें डूडलर खोजा जाना था। इसमें गूगल का सर्वश्रेष्ठ डूडल बनाने वाले बच्चे को एक लैपटॉप और उसके स्कूल को कई हजार डॉलर की स्कॉलरशिप मिलनी थी। अमेरिका में यह प्रतियोगिता क्रिस्टीन एनजिलबर्थ ने जीती, जिसे 15 हजार डॉलर की कॉलेज स्कॉलरशिप और एक लैपटॉप मिला। इसके अलावा उसके स्कूल को 25 हजार डॉलर की टै नोलॉजी ग्रांट भी दी गई। अभी कई देशों के विजेता बच्चों की घोषणा की जानी है। इन विजेता बच्चों के देश में एक विशेष दिन गूगल उनके बनाए गए डूडल का प्रदर्शन करेगा, जिसे करोड़ों लोग अपनी कप्यूटर स्क्रीन पर देख पाएंगे।

बुर्का पहना तो देना होगा 4 लाख तक का जुर्माना, संसद ने बैन वाले विधेयक को दी मंजूरी

पुर्तगाल,18 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पुर्तगाल में सार्वजनिक स्थलों पर बुर्का और नकाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने का विधेयक संसद से पास हो गया है। यदि राष्ट्रपति की मंजूरी मिल जाती है, तो पुर्तगाल भी उन यूरोपीय देशों की कतार में शामिल हो जाएगा, जहां चेहरा ढकने पर पूरी या आंशिक रोक है। नियम तोड़ने पर 4 लाख रुपये तक का भारी जुर्माना देना पड़ सकता है।

पुर्तगाल की संसद ने एक विवादास्पद विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक या लैंगिक कारणों से चेहरा ढकने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। इस कानून का प्रस्ताव फार-राइट चेगा पार्टी ने दिया था, जिसे दक्षिणपंथी दलों का समर्थन प्राप्त हुआ है। विधेयक के मुताबिक, फ्लाइट्स, राजनयिक परिसरों और धार्मिक स्थलों पर नकाब पहनने की अनुमति बनी रहेगी, लेकिन सार्वजनिक स्थानों जैसे बाजार, सड़कें, और सरकारी भवनों में बुर्का पहनने पर रोक होगी। भारी जुर्माने का प्रावधान नियम तोड़ने वालों पर 200 से 4,000 यूरो (लगभग 18,000 से 4 लाख

रुपये) तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यदि राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा इस विधेयक पर हस्ताक्षर कर देते हैं, तो यह कानून बन जाएगा। हालांकि, राष्ट्रपति इसे वीटो भी कर सकते हैं, ऐसे में मामला संवैधानिक न्यायालय के पास जाएगा। इस फैसले ने पुर्तगाल में राजनीतिक बहस को हवा दे दी है।

जहां चेगा पार्टी का कहना है कि चेहरा ढकने से महिलाएं सामाजिक बहिष्कार और दमन की स्थिति में आ जाती हैं, वहीं वामपंथी दलों ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला बताया है। वामपंथी सोशलिस्ट पार्टी के सांसद पेड्रो डेलगाडो अल्वेस ने कहा कि किसी महिला को बुर्का पहनने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन किसी के पहनावे पर प्रतिबंध लगाना भी समानता के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। यूरोप में बढ़ती पाबंदियों की लहर यदि यह कानून लागू होता है, तो पुर्तगाल भी फ्रांस, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया और नीदरलैंड जैसे देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जहां सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा ढकने पर पहले से ही आंशिक या पूर्ण प्रतिबंध है।

न्यूज ब्रीफ

छह महीने के शिशुओं में मधुमेह के नए प्रकार की पहचान की

वॉशिंगटन। अब तक माना जाता था कि छह माह की उम्र में डायबिटीज़ केवल नेओनैटल डायबिटीज़ (जन्मजात) होती है, जो कुछ जीनों में उत्परिवर्तन के कारण होती है, लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने छह महीने से कम उम्र के शिशुओं में मधुमेह के एक नए प्रकार की पहचान की है। नए शोध में ऐसे शिशुओं की खोज हुई, जिनमें 26 ज्ञात नेओनैटल जीनों में कोई पेथोजेनिक मुटेशन नहीं था, फिर भी उन्हें डायबिटीज़ था। यूके के एक्सेटर विश्वविद्यालय और ब्रुसेल्स विश्वविद्यालय (यूएलबी) की टीम ने उन्नत डीएनए अनुक्रमण तकनीक और स्टेम सेल मॉडल का उपयोग करके टीएमईएम167ए जीन में उत्परिवर्तन की पहचान की। इस शोध के अनुसार, कुछ बच्चों में छह महीने से पहले टाइप-1 डायबिटीज़ विकसित हो सकती है, जो पारंपरिक नेओनैटल डायबिटीज़ से अलग है। इसमें बहु-जीन (पॉलिजेनिक) जोखिम और ऑटोइम्यून प्रतिक्रिया शामिल होती है, न कि केवल एक जीन दोष। शोध में यह भी देखा गया कि जिन बच्चों का टाइप-1 डायबिटीज़ जीन जोखिम स्कोर अधिक था, उनमें इंसुलिन बनाने की क्षमता (सी-पेप्टीड) तेजी से घटती है और ऑटोएंटीबॉडीज़ भी पाई जाती हैं। इसका मतलब है कि बीमारी की प्रकृति ऑटोइम्यून है और इसका इलाज नेओनैटल डायबिटीज़ की तरह नहीं, बल्कि टाइप-1 डायबिटीज़ की तरह किया जाना चाहिए। टाइप-1 डायबिटीज़ में इंसुलिन थैरेपी और ऑटोइम्यून मैनेजमेंट महत्वपूर्ण होते हैं, जबकि नेओनैटल डायबिटीज़ में विशेष जीन-थैरेपी या दवाएं दी जाती हैं। शोध से यह भी संकेत मिलता है कि कुछ शिशुओं में गर्भावस्था के दौरान ही इंसुलिन बनाने की क्षमता प्रभावित हो सकती है, जिससे जन्म और जन्म के तुरंत बाद का विकास प्रभावित होता है।

उरुग्वे में इच्छामृत्यु को मिली मान्यता, अब लाइलाज बीमारी से पीड़ित कर सकेंगे मांग

मोंटेवीडियो। उरुग्वे ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है उसने इच्छामृत्यु को अपराध की श्रेणी से बाहर कर

दिया है। अब इस दक्षिण अमेरिकी देश में इच्छामृत्यु कानूनी तौर पर मान्य हो गई है। यहां कोई भी व्यक्ति सरकार से इच्छामृत्यु की मांग कर सकेगा, जो कानूनी तौर पर इसके दायरे में आता हो इच्छामृत्यु मांगने का अधिकार उन लोगों को होगा, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित हैं और असहनीय पीड़ा झेल रहे हैं। वह अपने जीवन को सम्मानपूर्वक खत्म करने के लिए यह मांग कर सकते हैं। यह कानून बुधवार को तब पारित हुआ जब उरुग्वे की संसद के उच्च सदन में 31 में से 20 सीनेटरों ने इसके पक्ष में वोट दिया। इससे पहले अगस्त में यह विधेयक निचले सदन में भी पारित हो चुका था। इसके साथ ही उरुग्वे लैटिन अमेरिका का पहला ऐसा देश बन गया है जहां इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता दी गई है, जबकि यह क्षेत्र मुख्य रूप से कैथोलिक ईसाई बहुल माना जाता है। बेल्जियम, नीदरलैंड और कोलंबिया भी इच्छामृत्यु को दे चुके हैं मान्यता मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सत्तारूढ़ वामपंथी गठबंधन की नेता सीनेटर पेट्रीसिया क्रेमर ने कहा कि यह फैसला आम लोगों की भावना के अनुरूप है। उन्होंने इसे एक मानवीय अधिकार बताया और इसकी तुलना तलाक और समलैंगिक विवाह जैसे अन्य सामाजिक सुधारों से की। हालांकि कई अन्य देशों जैसे बेल्जियम, नीदरलैंड और कोलंबिया में भी इच्छामृत्यु को मान्यता दे चुके हैं, लेकिन उरुग्वे का कानून इन देशों से कुछ मामलों में अलग है।

ट्रम्प के एनएसए रहे बोल्टन पर गोपनीय दस्तावेज रखने के आरोप में 18 मामले दर्ज

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

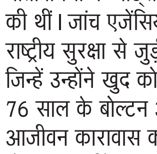

(एनएसए) रहे जॉन बोल्टन पर मामला दर्ज किया गया है। बोल्टन पर राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी शेयर करने के आठ और गोपनीय दस्तावेज अपने पास रखने के 10 आरोप लगाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉन बोल्टन ने ट्रम्प प्रशासन में काम करते वक्त अपनी गतिविधियों के नोट्स और डायरी ईमेल अकाउंट में सेव की थीं। जांच एजेंसियों का कहना है कि इन नोट्स में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील बातें शामिल थीं, जिन्हें उन्होंने खुद को और परिवार को मेल किया था। 76 साल के बोल्टन अगर दोषी पाए गए तो उन्हें आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। 2021 में बोल्टन का ईमेल अकाउंट ईरानी हैकर्स ने हैक कर लिया था बता दें 2021 में बोल्टन का ईमेल अकाउंट ईरानी हैकर्स ने हैक कर लिया था। हैकर्स ने धमकी दी थी कि अगर बोल्टन के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे यह जानकारी लीक कर देंगे, जैसे 2016 में हिलेरी क्लिंटन के ईमेल लीक हुए थे।

हमास ने एक और मृत बंधक का ताबूत इजराइल को सौंपा

तेल अवीव,18 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

इजराइल के सैन्य अधिकारी एक और बंधक के शव का ताबूत लेकर गाजा पट्टी से यहां पहुंचे। इस ताबूत में अवशेष हैं। हमास ने शुक्रवार देररात ताबूत रेडक्रॉस को सौंपा। इसके बाद रेडक्रॉस के अधिकारी ताबूत को लेकर गाजा-इजराइल सीमा पर पहुंचे और उसे इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के अफसरों के हवाले कर दिया। ताबूत को तेल अवीव के अबू कबीर फोरेंसिक संस्थान पहुंचाया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ ने सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ ताबूत को इजराइली झंडे लपेटा और तत्काल इजराइल के लिए रवाना हो गए। इससे पहले फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास ने कहा था कि उसने सभी मृत बंधकों को वापस कर दिया था। हमास ने कहा था कि और भी शव मलबे में दबे हो सकते हैं, उसे खोजने में वक्त लगेगा। अगर सौंपे गए शव की पहचान इजराइली बंधक के रूप में हो जाती है तो 18 और बंधकों के शव की वापसी बाकी रह जाएगी। युद्धविराम समझौते में हमास ने 28 शव लौटाने पर सहमति जताई थी।

आईडीएफ ने कहा कि रेडक्रॉस ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में हमास से यह ताबूत लिया। यहां शुक्रवार की सुबह की फुटेज और तस्वीरों में हमास के आतंकी हमाद टाउन आवासीय परिसर में खुदाई करते दिखाई दे रहे थे। अरब मीडिया ने तो एक बंधक का नाम भी लिया है, जिसका शव संभवत: उस इलाके में एक सुरंग में दबा हुआ था।

अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने शनिवार तड़के एक्स पोस्ट में बंधकों के परिवारों से आधिकारिक पहचान की प्रतीक्षा करने का आग्रह किया है। शुक्रवार देररात एक पोस्ट में, आईडीएफ ने कहा कि रेडक्रॉस दक्षिणी गाजा पट्टी में बैठक स्थल की ओर जा रहा है, जहां एक मृतक बंधक का ताबूत उसे सौंप दिया जाएगा। हमास की सशस्त्र शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड्स ने शुक्रवार को कहा था कि वह शव सौंप रही है। यह घोषणा हमास के बुधवार को दिए गए उस बयान के बाद आई ,जिसमें कहा गया था कि उसने गाजा में मौजूद सभी इजरायली बंधकों के अवशेष सौंप दिए हैं। गाजा शांति योजना में हमास से 13 अक्टूबर तक सभी शेष बंधकों (20 जीवित और 28 मृत) को सौंपने का आह्वान किया गया था। पिछले सप्ताह शांति योजना के लागू होने के बाद से हमास पर इजरायली बंधकों के अवशेषों को सौंपने में देरी करने का आरोप लगाया गया है।

ट्रंप और जेलेंस्की की वार्ता के बाद यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता दोहराई

वाशिंगटन/लंदन। यूरोपीय नेताओं ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के साथ एक वर्चुअल कॉल में यूक्रेन के प्रति अपने दृढ़ समर्थन को दोहराया। ब्रिटेन के डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान में कहा कि यूरोपीय नेताओं ने रूसी आक्रामकता के बावजूद यूक्रेन के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता जताई। रिपोर्ट के अनुसार, डाउनिंग स्ट्रीट के एक प्रवक्ता ने कहा: यूक्रेन के लिए एक न्यायसंगत और स्थायी शांति ही इस युद्ध को हमेशा के लिए रोकने का एकमात्र तरीका है। प्रवक्ता ने बताया कि नाटो महासचिव मार्क रूट ने भी इस कॉल में हिस्सा लिया। सभी नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि युद्धविराम से पहले और बाद में वे यूक्रेन का समर्थन कैसे कर सकते हैं, इस बारे में चर्चा जारी रहेगी। इससे पहले ट्रंप और जेलेंस्की के बीच व्हाइट हाउस में तीसरी बार हुई बातचीत के बाद यूक्रेन में युद्ध के भविष्य को लेकर मतभेद उभरे। जेलेंस्की ने अपने शीर्ष सहयोगियों के साथ ट्रंप से कई घंटों तक मुलाकात की। सूत्रों ने इसे तनावपूर्ण और असहज बातचीत बताया। ट्रंप ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन को रूस में दूर तक मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइलें नहीं मिलेंगी। बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद ट्रंप ने यूक्रेन में युद्धविराम पर जोर दिया।

गंभीर आरोपों में फंसे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन जमानत पर रिहा

वाशिंगटन,18 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

ग्रीनबेल्ट कोर्टहाउस मैरीलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन को शुक्रवार को निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा कर दिया। वह इन दिनों ट्रंप के मुखर आलोचक हैं। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पर गोपनीय जानकारी का दुरुपयोग करने का आरोप है। उन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण करते हुए निर्दोष होने की दलील दी। रिपोर्ट के अनुसार, 76 वर्षीय बोल्टन ने अदालत में अपना पक्ष रखा। उन्होंने सुनवाई के दौरान कहा कि अति गोपनीय राष्ट्रीय रक्षा जानकारी प्रसारित करने और उसे अपने पास रखने के 18 मामलों में वह पूरी तरह निर्दोष हैं। जज टिमोथी सुलिवन ने बोल्टन को निजी मुचलके पर जमानत प्रदान करते हुए रिहा कर दिया। जज ने अगली सुनवाई की तारीख 21 नवंबर तय की। उल्लेखनीय है कि हाल के हफ्तों में आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले ट्रंप के तीसरे मुखर विरोधी बोल्टन पर गुरुवार को अभियोग लगाया गया। इसमें उन पर दो अनधिकृत व्यक्तियों के साथ ई-मेल के जरिए गोपनीय फाइलें साझा करने का आरोप है। बोल्टन ने रिहा होने के बाद पत्रकारों से बात नहीं की, लेकिन गुरुवार को एक बयान में उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि वे न्याय विभाग को हथियार बनाने का नवीनतम निशाना बन गए हैं। बोल्टन पर अभियोग न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स और पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कॉमी के खिलाफ आपराधिक आरोप दायर करने के बाद लगाया गया है। 66 वर्षीय जेम्स पर 9 अक्टूबर को वर्जीनिया में बैंक धोखाधड़ी और 2020 में नॉरफॉक, वर्जीनिया में खरीदी गई एक संपत्ति से संबंधित झूठे बयान देने के आरोप में है। 64 वर्षीय कॉमी ने 8 अक्टूबर को कांग्रेस को झूठे बयान देने और कांग्रेस की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी से सार्वजनिक रूप से जेम्स, कॉमी और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया था। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल में बोल्टन का जिक्र तो नहीं किया, लेकिन उन्होंने पहले भी अपने पूर्व सहयोगी पर निशाना साधा था और जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने के तुरंत बाद सुरक्षा व्यवस्था वापस ले ली थी। ट्रंप ने गुरुवार को बोल्टन को बुरा आदमी कहा।

बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी है अभिभावकों के साथ सोना

वॉशिंगटन। अभिभावकों की बच्चों के साथ सोने की आदत कई लाभ देती है, जैसे बेहतर नींद, डर और अकेलेपन की कमी, माता-पिता के साथ मजबूत भावनात्मक बंधन और छोटे बच्चों के लिए स्तनपान को आसान बनाना। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों को जन्म के शुरुआती छह महीने से लेकर दो साल तक माता-पिता के कमरे में रखना चाहिए, लेकिन अलग पालने (क्रीब) में सोने देना चाहिए। यह तरीका बच्चों में सुरक्षा का एहसास पैदा करता है और अचानक शिशु मृत्यु (सिडस) के खतरे को कम करता है। यह अवधि बच्चों के लिए सबसे संवेदनशील मानी जाती है, क्योंकि इस समय उनकी नींद में व्यवधान, डर या अकेलेपन की भावना उनकी स्वास्थ्य और विकास को प्रभावित कर सकती है। दो साल से पांच साल तक के बच्चे अक्सर माता-पिता के पास सोना पसंद करते हैं। इस उम्र में बच्चों के लिए माता-पिता की उपस्थिति उन्हें भावनात्मक सुरक्षा और आत्मविश्वास देती है। हालांकि, पांच साल की उम्र के बाद बच्चे धीरे-धीरे अलग सोने की आदत डालना शुरू कर सकते हैं। इससे उनमें आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता की भावना विकसित होती है। माता-पिता को यह समझना चाहिए कि हर बच्चे की जरूरत अलग होती है।

काठमांडू में फिर निषेधाज्ञा लागू, दो माह तक सभा-जुलूस, धरना व प्रदर्शन पर रोक

काठमांडू,18 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

काठमांडू जिला प्रशासन ने एक बार फिर काठमांडू के संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा जारी कर दिया है। शनिवार से दो महीने तक के लिए राजधानी के विभिन्न स्थानों पर किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

काठमांडू के प्रमुख जिलाधिकारी ईश्वर राज पौडेल की तरफ से जारी सूचना के मुताबिक 18 अक्टूबर से 18 दिसंबर तक काठमांडू के पांच संवेदनशील स्थानों के आसपास निषेधाज्ञा जारी किया गया है। इस सूचना के मुताबिक निषेधाज्ञा वाले स्थानों पर किसी भी राजनीतिक दल, संगठन या किसी भी समूह अथवा व्यक्ति द्वारा सभा, सम्मेलन, धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, नारेबाजी करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। काठमांडू जिला प्रशासन ने राजधानी स्थित राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, सिंहदरबार क्षेत्र और नारायणहिटी राजदरबार के आसपास के क्षेत्रों में निषेधाज्ञा जारी किया है। राष्ट्रपति भवन के चारों ओर की सड़कों और आसपास के पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र को भी निषेधाज्ञा क्षेत्र घोषित किया गया है। इसी तरह उपराष्ट्रपति भवन से लेकर उसके पास रहे भारतीय राजदूतावास के आसपास के क्षेत्र में प्रतिबंध लगाया गया है। ऐसे ही सिंहदरबार से लेकर सुप्रीम कोर्ट, अटॉर्नी जनरल दफ्तर, काठमांडू पुलिस हेडक्वार्टर, आर्मी हेडक्वार्टर के आसपास भी निषेधाज्ञा जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने राजदरबार के आसपास के क्षेत्रों को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है।

भारतीय सेना के डर से घबराए मुनीर, परमाणु हमले की दी गीदड़भभकी

इस्लामाबाद,18 अक्टूबर (एजेंसियां) । पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने एक बार फिर भारत को लेकर विवादित बयान दिया है। एबटाबाद में आयोजित पासिंग-आउट परेड के दौरान मुनीर ने कहा कि भारत के छोटे से उकसावे पर भी पाकिस्तान मजबूती से जवाब देगा। साथ ही उन्होंने 'न्यूक्लियराइज्ड माहौल में युद्ध की संभावना को खारिज किया।

एबटाबाद स्थित पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी काकुल में आयोजित ग्रेजुएशन सेरेमनी में बोलते हुए जनरल आसिम मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान की सेना किसी भी हालात में घबराने वाली नहीं है और छोटे से उकसावे पर भी जवाब देने में देर नहीं करेगी। उन्होंने भारत की सैन्य नेतृत्व को 'चेतावनी देते हुए कहा - न्यूक्लियराइज्ड माहौल में युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है। भारत को इस हकीकत को समझना चाहिए।

भारत-पाक संघर्ष पर भ्रामक दावा

मुनीर ने हाल ही में भारत-पाकिस्तान सीमा पर हुए तनाव का हवाला देते हुए दावा किया कि पाकिस्तान की सेना ने सभी खतरों को सफलतापूर्वक न्यूट्रलाइज किया है और संख्या में अधिक मजबूत दुश्मन के खिलाफ प्रोफेशनलिज्म और दूरदर्शिता का परिचय दिया है।

उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि वह पाकिस्तान को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। मुनीर ने कहा कि कुछ मुीभर आतंकवादी पाकिस्तान को नुकसान नहीं पहुंचा सकते, और यह भी जोड़ा कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करने वाले सभी प्रॉक्सी समूहों को धूल में मिला दिया जाएगा।

कश्मीर मुद्दे पर पुराना राग

पाकिस्तान आर्मी चीफ ने एक बार फिर कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय कानूनों और समझौतों के तहत विवादों को सुलझाना चाहिए। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए पाकिस्तान का राजनयिक और नैतिक समर्थन जारी रखने की बात दोहराई।

मुनीर ने अपने देश को शांति पसंद राष्ट्र बताते हुए कहा कि पाकिस्तान के अमेरिका, चीन और अन्य प्रमुख देशों के साथ मजबूत रिश्ते हैं। इस कार्यक्रम में मलेशिया, नेपाल, फलस्तीन, कतर, श्रीलंका, बांग्लादेश, यमन, माली, मालदीव और नाइजीरिया के कैडेट्स भी ग्रेजुएट हुए।

ज्योति सुरेखा वेनम ने रचा इतिहास, वर्ल्ड कप फाइनल में जीता कांस्य पदक

नानजिंग (चीन),18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत की स्टार तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनम ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। ज्योति यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की पहली महिला कंपाउंड तीरंदाज बन गई हैं।

एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति ने विश्व नंबर-2 एला गिब्सन (ग्रेट ब्रिटेन) को 150-145 से हराकर शानदार अंदाज में जीत दर्ज की। ज्योति ने मुकाबले में 15 में से 15 तीर पर परफेक्ट 10 स्कोर किया और कांस्य पदक सुनिश्चित किया।

29 वर्षीय ज्योति ने प्रतियोगिता की शुरुआत क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की एलेक्सिस रूइज को 143-140 से हराकर की थी। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला विश्व नंबर-1 एंड्रिया बेसेरा (मैक्सिको) से हुआ, जहां वह 143-145 से करीबी मुकाबले में हार गईं।

ज्योति ने तीसरे एंड के बाद 87-86 की बढ़त बना ली थी, लेकिन बेसेरा ने चौथे एंड में तीनों तीरों पर 10 अंक हासिल कर बढ़त पलट दी। आखिरी एंड में भी बेसेरा ने 29-28 से जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई।

हालांकि ज्योति ने कांस्य पदक मुकाबले में दमदार वापसी करते हुए पांचों एंड में लगातार 10 अंक जुटाए और गिब्सन को पछाड़कर पोडियम पर जगह बनाई। यह ज्योति का तीसरा वर्ल्ड कप फाइनल था। वह इससे पहले 2022 (ट्लाक्सकाला) और 2023 (हर्मोसिलो) में शुरुआती राउंड में बाहर हो गई थीं।

भारत की एक और महिला कंपाउंड तीरंदाज मधुरा धामनगांवकर भी टूर्नामेंट में उतरीं, लेकिन वह पहले ही राउंड में मैक्सिको की मरियाना बरनाल से 142-145 से हारकर बाहर हो गईं।

पुरुष कंपाउंड वर्ग में ऋषभ यादव भारत के एकमात्र प्रतिनिधि हैं, जो दिन में बाद में दक्षिण कोरिया के किम जोंगहो के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे।

रिकर्व वर्ग में इस बार कोई भारतीय तीरंदाज क्वालिफाई नहीं कर सका।

न्यूज ब्रीफ

तन्वी शर्मा ने रचा इतिहास, बनीं वर्ल्ड जूनियर बैडमिंटन फाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय

गुवाहाटी। भारत की उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप्स 2025 के गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में प्रवेश कर इतिहास रच दिया है। तन्वी ने सेमीफाइनल मुकाबले में चीन की एशियन जूनियर चैंपियनशिप्स की रजत पदक विजेता लियू सी या को सीधे गेम में 15-11, 15-9 से हराया। टूर्नामेंट की टॉप सीड तन्वी अब फाइनल में दूसरे वरीयता प्राप्त थाईलैंड की अन्यापत फिचितप्रीचासाक से भिड़ेंगी। इस जीत के साथ ही 16 वर्षीय तन्वी वर्ल्ड जूनियर्स फाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले अपर्णा पोपट (1996), साइना नेहवाल (2006, 2008), सिरिल वर्मा (2015) और शंकर मुथुसामी (2022) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। तन्वी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल जीतकर पहले ही भारत के लिए पदक पक्का कर लिया था। वह 2008 में साइना नेहवाल के बाद पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप्स में पदक सुनिश्चित किया है—यानी 17 साल बाद भारत को घरेलू धरती पर पदक मिला है। क्वार्टर फाइनल में तन्वी ने जापान की साकी मात्सुमोतो को रोमांचक मुकाबले में 13-15, 15-9, 15-10 से हराया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रच सकते हैं किंग कोहली, 148 साल पुराने रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

नई दिल्ली ।टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर क्रिकेट मैदान पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद वह 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने वाले हैं। इस मैच में कोहली के निशाने पर वह ऐतिहासिक रिकॉर्ड होगा जो 148 साल के क्रिकेट इतिहास में आज तक कोई भी खिलाड़ी नहीं बना पाया है। यह रिकॉर्ड है एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का। फिलहाल विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर इस रिकॉर्ड पर संयुक्त रूप से बराबरी पर हैं। दोनों के नाम एक फॉर्मेट में 51-51 शतक दर्ज हैं। सचिन ने यह उपलब्धि टेस्ट क्रिकेट में हासिल की थी, जबकि कोहली ने वनडे फॉर्मेट में। अगर विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में सिर्फ एक शतक भी बना देते हैं, तो वह 52 शतक के साथ विश्व क्रिकेट के इतिहास में यह अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। वह पहले ऐसे बल्लेबाज बन जाएंगे जिन्होंने किसी भी एक फॉर्मेट में 52 शतक जड़े हों। सचिन तेंदुलकर ने 2010-11 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट में 51वां शतक लगाया था और यह रिकॉर्ड लंबे समय तक अटूट रहा। वहीं, कोहली ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार शतक जड़कर इस रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

अगर मेरे खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध होते तो इस्तीफा दे दूंगा, राजस्थान क्रिकेट संघ में समिति के सदस्यों और कुमावत के बीच मतभेद

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ के अंदर चल रहा आंतरिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को तदर्थ समिति की कार्यवाही में समिति के सदस्यों और संयोजक डीडी कुमावत के बीच तीखे मतभेद उभरे हैं। अब यह विवाद लोकपाल तक पहुंच गया है। मतभेद को लेकर डीडी कुमावत ने कहा कि अगर उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध होते हैं, तो वह इस्तीफा दे देंगे और खुद ही पद छोड़ देंगे। तदर्थ समिति के सदस्यों ने कुमावत पर एकतरफा फैसले लेने का आरोप लगाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में धनंजय सिंह खींवसर ने जयपुर में कहा कि डीडी कुमावत शुक्रवार की बैठक में शामिल नहीं हुए और समिति के चारों सदस्यों की सामूहिक सहमति के बिना एकतरफा फैसले ले रहे थे। खींवसर ने दावा किया कि कुमावत को जोधपुर जिला क्रिकेट संघ (डीसीए) को अयोग्य घोषित करने का अधिकार नहीं था। इस फैसले पर और न ही लोकपाल की नियुक्ति पर सदस्यों से सलाह ली गई। पिछले साढ़े तीन महीनों से कोई आधिकारिक बैठक नहीं हुई है और अब अकेले ही फैसले लिए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब हम चयन समिति के गठन पर फैसला करेंगे। इसके बाद कुमावत आरसीए कार्यालय पहुंचे और आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बैठक बुलाई थी, उनके पास कोई अधिकार नहीं था। मुझे देर रात ईमेल द्वारा नोटिस मिला। इसके अलावा, वे उच्च न्यायालय के आदेश के तहत निलंबित हैं। कुमावत ने कहा कि ये बैठक जरूरी नहीं थी और कम से कम सात दिन पहले बुलाई जानी चाहिए थी।

महिला विश्व कप : वोल्वार्ट और ब्रिट्स की अर्धशतकीय पारियों से दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराया

कोलंबो,18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लौरा वोल्वार्ट और टैजमिन ब्रिट्स की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित 20 ओवर के मुकाबले में श्रीलंका को 10 विकेट से हराते हुए महिला वनडे विश्व कप में लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम ने 121 रनों के संशोधित लक्ष्य को 14.5 ओवर में हासिल कर लिया।

मैच की शुरुआत में श्रीलंका की बल्लेबाज विष्मी गुणरत्ने ने अच्छी पारी खेलते हुए कुछ आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन पांचवें ओवर में फील्डर के थ्रो से उनके बाएं घुटने में चोट लगी और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद मसताबा क्लास ने श्रीलंका को झटके दिए और कप्तान चामरी अटापट्टू व हसीनी परेरा को पवेलियन भेजा।

12वें ओवर के बाद श्रीलंका का स्कोर 46/2 था तभी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। करीब पांच घंटे के बाद मैच 20-20 ओवर का कर दिया गया। खेल शुरू होते ही कविशा दिल्हारी ने नोंकुलुलेको म्लाबा की गेंद पर छक्का जड़कर श्रीलंका की आक्रामक मंशा दिखाई।

हालांकि दक्षिण अफ्रीका ने लगातार दो ओवर में दो विकेट झटककर दबाव बना दिया। विष्मी वापसी कर टीम के लिए रन जोड़ती रहीं। मलाबा ने अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट चटकाए और केवल चार रन दिए, जिससे श्रीलंका 20 ओवर में 7 विकेट पर 105 रन ही बना सका।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी ओपनर जोड़ी वोल्वार्ट और ब्रिट्स ने पारी को संभलकर शुरू किया और जल्द ही रन गति बढ़ा दी। दोनों बल्लेबाजों ने स्ट्राइक रोटेट करते हुए लगातार चौके जड़े और श्रीलंका को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

13वें ओवर में दोनों ने दिल्हारी को चार चौके जड़कर मैच पूरी तरह दक्षिण अफ्रीका की झोली में डाल दिया। इसके बाद वोल्वार्ट ने अटापट्टू की गेंद पर चौका लगाकर टीम का स्कोर 100 पार पहुंचाया, जबकि ब्रिट्स ने पियुमी बदालगे पर चौका और छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। यह दोनों के बीच वनडे में सातवीं शतकीय साझेदारी थी और दक्षिण अफ्रीका की महिला वनडे में छठी 10 विकेट से जीत।

संक्षिप्त स्कोर:

श्रीलंका - 105/7 (20 ओवर में) (विष्मी गुणरत्ने 34, निलाक्षी डी सिल्वा 18; नोंकुलुलेको म्लाबा 3/30)।

दक्षिण अफ्रीका - 125/0 (14.5 ओवर में) (लौरा वोल्वार्ट 60*, टैजमिन ब्रिट्स 55*)।

परिणाम: दक्षिण अफ्रीका ने 10 विकेट से जीत दर्ज की।

महिला विश्व कपः शुरुआती 13 मैचों को मिले रिकॉर्ड तोड़ व्यूअरशिप, भारत-पाकिस्तान मैच ने तोड़े सारे रिकार्ड

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका की सहमेजबानी में हो रहे महिला क्रिकेट विश्व कप के शुरुआती 13 मैचों को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला है। आईसीसी और जियोहॉटस्टार द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, इन 13 मुकाबलों को कुल 6 करोड़ लोगों ने देखा, जो 2022 के पिछले विश्व कप की तुलना में करीब पांच गुना अधिक है। सिर्फ व्यूअरशिप ही नहीं, बल्कि मैच देखने का औसत समय भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। शुरुआती 13 मैचों का कुल देखे जाने का समय 7 अरब मिनट रहा, जो 2022 के विश्व कप के मुकाबले 12 गुना ज्यादा है। पिछली बार महिला विश्व कप न्यूजीलैंड में आयोजित हुआ था। इस सीरीज़ में भारत और पाकिस्तान के बीच 5 अक्टूबर को हुए मैच ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। कोलंबों में खेले गए इस मुकाबले को भारतीय टीम ने एकतरफा अंदाज में जीता। इस मैच को कुल 2.84 करोड़ दर्शकों ने देखा और 1.87 अरब मिनट तक इसे देखा गया। यह महिला क्रिकेट के इतिहास में किसी भी मैच के लिए अब तक की सबसे बड़ी व्यूअरशिप है। इसके अलावा 12 अक्टूबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विशाखापत्तनम में खेला गया मुकाबला भी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रहा। इस मैच में एक समय पर 48 लाख लोग एक साथ मैच देख रहे थे, जो महिला क्रिकेट में कभी नहीं देखा गया था। इस तरह के रिकॉर्ड से यह साबित होता है कि महिला क्रिकेट अब दर्शकों के बीच भी उतना ही आकर्षक और प्रतिस्पर्धात्मक बन चुका है जितना पुरुष क्रिकेट।

फुटबॉल में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन, फीफा विश्व रैंकिंग में 136वें स्थान पर

नई दिल्ली,18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल टीम लगातार निराशाजनक प्रदर्शन कर रही है। पुरुष सीनियर राष्ट्रीय टीम फीफा विश्व रैंकिंग में 136वें स्थान पर आ गई है। नवंबर 2016 के बाद से भारतीय टीम का यह सबसे निचला स्थान है। जारी नई रैंकिंग ने भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। भारतीय टीम 2026 फीफा विश्व कप और 2027 एएफसी एशियाई कप दोनों की दौड़ से बाहर हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंटरकांटिनेंटल कप, सैफ चैंपियनशिप और ट्राई-नेशन सीरीज में 2023 की जीत के बाद एक उभरती हुई टीम के रूप में देखी जाने वाली भारत की रैंकिंग पिछले एक साल में तेजी से गिरी है। इस साल की शुरुआत में कतर में हुए एएफसी एशियन कप में भारत का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा। ग्रुप मैच में तीन हार के साथ बिना एक भी गोल किए टीम बाहर हो गई। इसके बाद से टीम संघर्ष करती रही है। दो साल से कम समय में तीन मुख्य कोच बदल चुके हैं। सबसे पहले इगोर स्टिमैक को बाहर का रास्ता दिखाया गया, उनके बाद मनोलो मार्केज आए। इस साल की शुरुआत में खालिद जमील को जगह दी गई। जमील के नेतृत्व में प्रगति की झलकियां दिखाई देने के बावजूद विशेष रूप से सीएएफए नेशंस कप में एक मैत्रीपूर्ण टूर्नामेंट जहां भारत ने रणनीतिक सुधार दिखाया, प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में परिणाम निराशाजनक रहे। टीम की किसी प्रतिस्पर्धी मैच में आखिरी जीत करीब एक साल पहले नवंबर 2023 में कुवैत पर 1-0 की जीत के साथ हुई थी। वैश्विक स्तर पर स्पेन ने फीफा पुरुष रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जो विश्व कप विजेता अर्जेंटीना और तीसरे स्थान पर मौजूद फ्रांस से आगे है। इंग्लैंड, पुर्तगाल, नीदरलैंड, ब्राजील और बेल्जियम शीर्ष आठ में हैं। लक्जमबर्ग और उत्तरी आयरलैंड पर लगातार क्वालीफाइंग जीत के बाद जर्मनी दो स्थान चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि 2018 विश्व कप उपविजेता क्रोएशिया चेक गणराज्य के खिलाफ ड्रॉ के बाद 11वें स्थान पर खिसक गया।

अल्माटी टेनिस ओपन

कज़ाकिस्तान के अल्माटी में आयोजित अल्माटी टेनिस ओपन में जापान के मोचिज़ुकी शिंटारो के खिलाफ पुरुष एकल क्वार्टर फ़ाइनल के दौरान रिटर्न शॉट लगाते संयुक्त राज्य अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने रचा इतिहास, 20 साल बाद एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के लिए किया क्वालीफाई

बिश्केक,18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम ने इतिहास रचते हुए 20 साल बाद एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारत ने शुक्रवार को डोलन ओमुर्जाकोव स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की।

मैच में भारत ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। हेड कोच जोआकिम एलेक्ज़ेंडरसन के रणनीतिक बदलाव ने मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने 40वें मिनट में बोनिफिलिया शुल्लाई की जगह थंदमनी बास्के को मैदान पर उतारा। बास्के ने 55वें मिनट में गोल कर भारत को बराबरी पर ला दिया और फिर 66वें मिनट में अनुष्का कुमारी को पास देकर दूसरा गोल कराने में अहम भूमिका निभाई।

इससे पहले उज्बेकिस्तान की शकज़ोदा अलीखोनोवा ने 38वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी। हालांकि भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में शानदार नियंत्रण दिखाते हुए मैच अपने नाम किया और क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया।

यह पहला मौका है जब भारतीय अंडर-17 महिला टीम ने मेरिट के आधार पर एएफसी एशियन कप में जगह बनाई है। भारत आखिरी बार 2005 में इस टूर्नामेंट में खेला था, जब 11 टीमों को सीधे प्रवेश मिला था। लेकिन क्वालिफिकेशन सिस्टम लागू होने के बाद अब तक भारत को कभी जगह नहीं मिल पाई थी।

अब भारत की सीनियर महिला टीम, अंडर-20 महिला टीम और अंडर-17 महिला टीम तीनों ही महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी।

टी20 विश्व कप से पहले भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने श्रीलंकाई प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली,18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने शनिवार को क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) और विश्व कप आयोजन समिति के प्रतिनिधियों के साथ श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूरिया से मुलाकात की। यह मुलाकात राजधानी दिल्ली में हुई। श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी भारत के तीन दिवसीय दौरे भारत आई हुई हैं।

यह बैठक आगामी पहले महिला नेत्रहीन टी20 विश्व कप 2025 से पहले विशेष महत्व रखती है, जिसे भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से 11 से 23 नवंबर तक आयोजित करेंगे।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में सीएबीआई के चेयरमैन और समार्थनम ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. महांतेश जी. किवदसन्नावर, विश्व कप आयोजन समिति की चेयरपर्सन मीना अक्षी लेखी और सीएबीआई के महासचिव शैलेंद्र यादव शामिल थे। श्रीलंका की भारत में उच्चायुक्त महेशिनी कोलोन भी मौजूद रहीं।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूरिया ने इस अवसर पर कहा, हमें बहुत खुशी है कि श्रीलंका इस ऐतिहासिक महिला नेत्रहीन टी20 विश्व कप की सह-मेजबानी कर रहा है। हम शानदार मुकाबलों की उम्मीद कर रहे हैं और सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हैं। नेत्रहीन क्रिकेट एक प्रेरणादायक पहल है और हम इस प्रयास का समर्थन करते हैं।

सीएबीआई चेयरमैन डॉ. महांतेश जी. किवदसन्नावर ने कहा, श्रीलंका की प्रधानमंत्री से मुलाकात हमारे लिए गर्व का क्षण है। भारत और श्रीलंका का यह संयुक्त प्रयास समावेशिता को बढ़ावा देगा और नेत्रहीन महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

विश्व कप कार्यक्रम-

महिला नेत्रहीन टी20 विश्व कप 2025 में भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, नेपाल और अमेरिका की टीमें हिस्सा लेंगी। मुकाबले नई दिल्ली, बेंगलुरु और कोलंबो में खेले जाएंगे। सभी टीमें नवंबर के दूसरे सप्ताह में दिल्ली पहुंचेंगी।

पाकिस्तान की टीम कोलंबो में अपने मैच खेलेगी। टूर्नामेंट में 15 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला शामिल है। यह विश्व कप सीएबीआई द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो समार्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड का क्रिकेटिंग अंग है। इसका उद्देश्य दिव्यांग महिला खिलाड़ियों के लिए समान अवसर और मंच प्रदान करना है।

भारतीय टीम-

बी 1 श्रेणी: सिमु दास (दिल्ली), पी. करुणा कुमारी (आंध्र प्रदेश), अनु कुमारी (बिहार), जमुना रानी तुडू (ओडिशा), काव्या वी (कर्नाटक)।

बी2 श्रेणी: अनेखा देवी (दिल्ली), बसंती हांसदाह (ओडिशा), सिमरनजीत कौर (राजस्थान), सुनीता सराठे (मध्य प्रदेश), परबती मारंडी (ओडिशा)।

बी3 श्रेणी: दीपिका टी.सी. (कर्नाटक- कप्तान), फूला सोरेन (ओडिशा), गंगा एस. कदम (महाराष्ट्र- उप कप्तान), काव्या एन.आर. (कर्नाटक), सुषमा पटेल (मध्य प्रदेश), दुर्गा येवले (मध्य प्रदेश)।

एच-1बी वीजा शुल्क के खिलाफ अमेरिकी वाणिज्य मंडल की कानूनी चुनौती

नई दिल्ली,18 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी वाणिज्य मंडल ने ट्रंप प्रशासन द्वारा एच-1बी वीजा पर लगाए गए 100,000 डॉलर नए शुल्क को अदालत में चुनौती दी है। यह शुल्क 2025 के लिए एक वर्ष के लिए लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य अमेरिकी कंपनियों को विदेशी सस्ती प्रतिभा की बजाय स्थानीय कर्मचारियों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करना बताया गया था। वाणिज्य मंडल का कहना है कि यह नया शुल्क गैरकानूनी और अनुचित है क्योंकि यह इमिग्रेशन और नेशनलिटी एक्ट के नियमों का उल्लंघन करता है।

ट्रंप प्रशासन द्वारा लागू नया शुल्क छोटे व्यवसायों और तकनीकी क्षेत्र पर भारी

कानून के अनुसार, वीजा शुल्क केवल सरकारी प्रक्रिया लागत आधार पर तय किए जा सकते हैं, न कि नीति के उद्देश्यों से। वाणिज्य मंडल के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य नीति अधिकारी ने कहा कि यह शुल्क छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों, स्टार्टअप्स और तकनीकी कंपनियों के लिए भारी आर्थिक बोझ बन जाएगा, जिससे वे वैश्विक प्रतिभा तक नहीं पहुंच पाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम एच-1बी कार्यक्रम के मूल उद्देश्य, यानी उच्च-कुशल विदेशी पेशेवरों की भर्ती को प्रभावित कर सकता है। यदि यह शुल्क स्थायी रूप से लागू होता है, तो अमेरिकी कंपनियों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता घट सकती है और वे विदेशी निवेश व नवाचार में पिछड़ सकती हैं। अब अदालत का फैसला यह तय करेगा कि यह शुल्क सिर्फ एक नीतिगत प्रयास है या वास्तव में कानून का उल्लंघन। इस निर्णय का असर अमेरिका की आव्रजन नीति और तकनीकी क्षेत्र पर दूरगामी हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

रेयर अर्थ निर्यात नियमों पर चीन-अमेरिका में टकराव, बीजिंग ने अमेरिका की चिंताओं को बताया भ्रम

नई दिल्ली। चीन और अमेरिका के बीच तकनीकी व व्यापारिक प्रतिस्पर्धा एक बार फिर तेज हो गई है। इस बार विवाद का केंद्र हैं रेयर अर्थ एलिमेंट्स (दुर्लभ पृथ्वी तत्व), जो आधुनिक तकनीक, रक्षा उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में बेहद जरूरी हैं। चीन द्वारा 8 नवंबर से लागू किए जाने वाले नए निर्यात नियंत्रण नियमों को लेकर अमेरिका ने चिंता जताई, जिसे बीजिंग ने भ्रम फैलान बताया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय की प्रवक्ता ने अमेरिका के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि नए नियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं और इनका उद्देश्य केवल वैध व नागरिक उपयोगों को नियंत्रित करना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका खुद 3,000 से अधिक वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लगाता है, ऐसे में चीन की नीतियों की आलोचना करना दोहरे मापदंडो को दर्शाता है। वहीं, अमेरिकी वाणिज्य सचिव स्कॉट बिसेंट ने चीन के वरिष्ठ वार्ताकार ली चेंगगांग को अनादरपूर्ण कहकर विवाद को और बढ़ा दिया। हालांकि, चीन ने संवाद जारी रखने की बात करते हुए किसी भी प्रकार की गैर-जरूरी राजनीतिक प्रतिक्रिया से बचने की अपील की है। विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संभावित नवंबर बैठक पर असर डाल सकता है ।

पूर्व सैनिकों को डाक विभाग की सौगातः अब दवाएं पहुंचेंगी घर तक

नई दिल्ली। पूर्व सैनिकों की सुविधा के लिए डाक विभाग ने एक नई सेवा की शुरुआत की है, जिसके तहत ईसीएचएस (पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना) पॉलीक्लिनिकों में उपलब्ध न होने वाली दवाएं अब सीधे लाभार्थियों के घर तक पहुंचाई जाएंगी। यह सेवा पूर्व सैनिक विभाग डीईएसडब्ल्यू के सहयोग से शुरू की गई है। इस पहल के अंतर्गत, ग्राम स्तरीय उद्यमियों द्वारा संचालित सामान्य सेवा केंद्र से दवाओं की खरीद और पैकेजिंग की जाएगी। इसके बाद इन दवाओं को भारतीय डाक विभाग द्वारा लाभार्थियों के पते पर भेजा जाएगा। इस प्रक्रिया में उठाव, बुकिंग, परिवहन और वितरण सभी चरणों का जिम्मा डाक विभाग के पास होगा। इस सेवा की पहली पायलट परियोजना 31 जुलाई को दिल्ली में शुरू की गई थी, जिसे लाभार्थियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इसके बाद इसे हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत एनसीआर क्षेत्र में विस्तारित किया गया। पायलट की सफलता के आधार पर देशभर में 458 ईसीएचएस केंद्रों का व्यापक मानचित्रण कर सेवा को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया गया है।

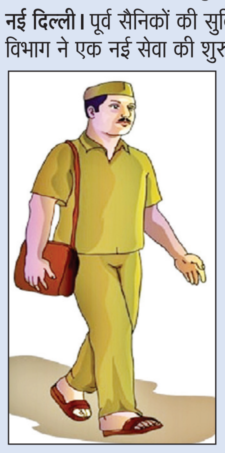

त्योहारी चमक के साथ सोने ने तोड़े रिकॉर्ड, दाम 1.28 लाख प्रति 10 ग्राम तक

नई दिल्ली। धनतेरस और दीपावली के मौके पर इस साल भी सोने की चमक बरकरार है। भले ही सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुकी हों, लेकिन उपभोक्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ है। ज्वेलरी कंपनियों का कहना है कि हल्के डिज़ाइनर गहनों और 9 से 18 कैरेट के आभूषणों की मांग तेजी से बढ़ी है। बाजार के जानकारों के मुताबिक त्योहारों में पारंपरिक लगाव और बढ़ी आमदनी की वजह से बिक्री में 18-20 फीसदी तक की बढ़ोतरी की उम्मीद है। इस समय सोने की कीमत 1,28,200 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच चुकी है, जो पिछले धनतेरस (78,840) से 63 फीसदी अधिक है। डॉलर में भी सोना 4254 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि सोना अब विस्फोटक मोड में है। अमेरिका की आर्थिक अनिश्चितता, ब्याज दरों में संभावित कटौती और डॉलर की कमजोरी से सोने को मजबूती मिल रही है। साथ ही, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव, चीन द्वारा दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर रोक और अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी ने निवेशकों को सोने की ओर मोड़ा है। केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद और ईटीएफ में निवेश से भी कीमतों को समर्थन मिला है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सोना 1,20,000 से नीचे नहीं गया, तो 2026 तक यह 1,50,000 प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भगोड़ों को फिर ...

जांच से भगोड़ों तक पहुंच और नारकोटिक्स, आतंकवाद, साइबर क्राइम और आर्थिक अपराधियों पर विशेष प्रस्तुतियां सामने रखीं।

कई व्यापारी/आर्थिक अपराधी, भारतीय बैंकों और सरकारी संस्थाओं को करीब 40,000 करोड़ का चूना लगा कर देश छोड़कर भाग चुके हैं। विजय माल्या 17 विभिन्न बैंकों से 9000 करोड़ रुपए के गबन के आरोपी हैं, वहीं नीरव मोदी, एमी मोदी, नीशल मोदी और मेहुल चौकसी करीब 13600 करोड़ रुपए के पीएनबी घोटाले के अभियुक्त हैं।

आधिकारिक तथ्य है कि केवल विजय माल्या या नीरव मोदी ही नहीं, बल्कि 35 बड़े पूंजीपति देश में बड़े आर्थिक घोटाले करके फरार हो चुके हैं। सरकार का कहना है कि विभिन्न जांच एजेंसियां जैसे सीबीआई, ईडी इनसे जुड़े 15 मामलों की जांच कर रही हैं। अनुमान है कि देश छोड़कर भाग चुके व्यापारी भारतीय बैंकों और सरकारी संस्थाओं को करीब 40,000 करोड़ का चूना लगा चुके हैं। विजय माल्या 17 विभिन्न बैंकों से 9000 करोड़ रुपए के गबन के आरोपी हैं, वहीं नीरव मोदी, एमी मोदी, नीशल मोदी और मेहुल चौकसी करीब 13600 करोड़ रुपए के पीएनबी घोटाले के आरोपी हैं। लेकिन इन दोनों व्यापारियों के अलावा कई दूसरे व्यापारी भी हैं, जो देश के बैंकों का पैसा लेकर विदेश भागे हुए हैं। लेकिन उनकी चर्चा कम है। अब सरकार ऐसे मामलों में सख्त कदम उठा रही है।

भगोड़ों की लिस्ट में सबसे पहला नाम विजय माल्या का है। माल्या पर 9 हजार करोड़ रुपए के किंगफिशर एयरलाइंस ऋण मामले में धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। विजय माल्या को सुप्रीम कोर्ट ने 9 मई 2017 को अवमानना का दोषी ठहराया था। कोर्ट ने माल्या को डिएगो डील के 40 मिलियन डॉलर अपने बच्चों के विदेशी अकाउंट में ट्रांसफर करने और सम्पत्ति का सही ब्यौरा न देने के लिए दोषी करार दिया था। मशहूर शराब कारोबारी विजय माल्या की कंपनी किंगफिशर एयरलाइंस पर देश के 13 बैंकों का करीब 9 हजार करोड़ रुपए कर्ज था। माल्या कर्ज चुकाने के बजाए साल 2016 में देश छोड़कर फरार हो गए। फिलहाल माल्या ब्रिटेन में रह रहे हैं।

फरार उद्योगपतियों/पूंजीपतियों की लिस्ट में दूसरा नाम ललित मोदी का है, जिस पर 125 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप है। यह घोटाला 2008 के टीवी राइट्स डील से जुड़ा है, जिसमें ललित मोदी को 125 करोड़ का फायदा होने की बात सामने आई थी। 2010 में ललित मोदी से इस मामले में पूछताछ की गई तो आयकर और ईडी के अधिकारियों की सिर्फ एक पूछताछ के बाद वे यूके भाग गए। 2012 में ललित मोदी पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की गई थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ललित मोदी के खिलाफ नोटिस जारी किया था और इंटरपोल से कई बार ललित मोदी के प्रत्यर्पण का अनुरोध किया था. इंटरपोल ने न केवल ईडी की रेड नोटिस को नामंजूर कर दिया बल्कि आदेश जारी करके ललित मोदी के सभी डेटा को भी हटा दिया। साल 2017 में तमिलनाडु पुलिस ने मुंबई पुलिस को इस मामले को संभालने के लिए पत्र लिखा था। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी के खिलाफ भी करोड़ों रुपए का धन-शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) का मामला चल रहा है। साल 2010 में पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष एन श्रीनिवासन की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। ललित मोदी भी भारत से फरार होने के बाद से ब्रिटेन में रह रहे हैं।

फरार हस्तियों में तीसरा नाम गुजरात के बड़े कारोबारी नितिन संदेसरा का है, जो 5700 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग मामले का मुख्य आरोपी है। स्टर्लिंग बायोटेक के मालिक नितिन जे. संदेसरा को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। इस मामले में हितेश नरेंद्र भाई पटेल, दीप्ति संदेसरा और चेतन संदेसरा पर भी आरोप है। साल 2017 में दोनों एजेंसियों की जांच शुरू करने के कुछ दिन पहले ये परिवार भारत छोड़कर दुबई के रास्ते नाइजीरिया भाग गया था। संदेसरा परिवार ने उसी समय से नाइजीरिया और अल्बानिया दोनों देशों की नागरिकता ले रखी है।

फरार व्यापारियों में नीरव मोदी का नाम सुर्खियों में रहा है। हीरे के कारोबारी नीरव मोदी और उनके रिश्तेदार मेहुल चोकसी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में हुए करीब 13000 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोपी हैं। नीरव मोदी मेहुल चोकसी का भतीजा है। नीरव और उनके रिश्तेदारों ने फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग के जरिए विदेशी अकाउंट्स में ट्रांसफर की। नीरव मोदी और मेहुल चौकसी दोनों फरार हैं। सरकार ने दोनों को भारत वापस लाने की औपचारिकताएं तेज कर दी हैं। सीबीआई ने नीरव मोदी के खिलाफ 2018 में रेड नोटिस जारी किया था। रेड नोटिस जारी होने के बाद ब्रिटेन से नीरव मोदी के प्रत्यर्पण का अनुरोध किया गया। नीरव मोदी को मार्च 2019 में भारत के प्रत्यर्पण वारंट के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन यूके सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नीरव अभी तक भारत नहीं आया है। नीरव के प्रत्यर्पण का एक कानूनी मामला अदालत में रूका हुआ है, जिसकी वजह से वह अभी तक विदेश में है। मेहुल चोकसी भी 13500 करोड़ के पीएनबी ऋण घोटाले का मुख्य आरोपी है। साल 2018 में मेहुल के खिलाफ सीबीआई में मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद चोकसी विदेश भाग गया था। मेहुल चोकसी ने कैरेबियन में एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता ली थी।

सोने और हीरे के कारोबारी जतिन मेहता विनसन इंडिया लिमिटेड के मालिक हैं, जिन्होंने कंपनी के नाम पर करीब 7000 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। कर्ज नहीं चुकाने के कारण बैंकों ने जतिन मेहता को नोटिस जारी किया। जिसके बाद मेहता अपने परिवार के साथ फरार हो गए और कैरेबियन द्वीप सेंट किट्स की नागरिकता ग्रहण कर ली। इसी तरह टेक्सटाइल एक्सपोर्ट फर्म कोट्सपिन प्राइवेट लिमिटेड और इसके प्रमोटर आशीष जोबनपुत्रा और उनकी पत्नी 770 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोपी हैं जो देश छोड़ भागे हुए हैं। हथियार डीलर संजय भंडारी करीब 150 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोपी हैं। भंडारी ने देश के बाहर करीब 150 करोड़ रुपए की संपत्ति खरीदी, जिसे उन्होंने कर न देने के उद्देश्य से आयकर अधिकारियों के समक्ष घोषित नहीं किया। संजय भंडारी भी देश छोड़ कर फरार हैं। विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी की तरह विनय मिश्रा को भी भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। सीबीआई के मुताबिक विनय मिश्रा सजा से बचने के लिए विदेश भाग गया। विनय मिश्रा कोयला और गाय तस्करी के गिरोह का प्रमुख सरगना रहा है।

भारत में मोस्ट वांटेड अपराधियों का जिक्र आते ही सबसे पहले दाऊद इब्राहिम का नाम सामने आता है। वह 1986 से ही फरार है, लेकिन उसे वापस लाने में भारत की सारी एजेंसियां नाकाम साबित हुई हैं। देश से भागकर विदेश में अपराध का साम्राज्य फैलाने का सिलसिला डी कंपनी से ही शुरू हुआ था। अब देश के 34 मोस्ट वांटेड अपराधियों/आतंकियों की सूची में कई जाने अनजाने अपराधियों का नाम शुमार हो चुका है। ये गैंगस्टर दुनियाभर के 17 देशों में छिपे बैठे हैं। इन पर हत्या, जबरन वसूली, टारगेट किलिंग, हथियार तस्करी, टेरर फंडिंग, ड्रग्स तस्करी व फिरौती के दर्जनों अपराध हैं। इन्हें भारत लाने के लिए गृह मंत्रालय ने इंटरपोल की मदद से सभी के नाम पर मोटी इनामी राशि और रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी करवाए हैं। इन सभी के प्रत्यर्पण के लिए विदेश मंत्रालय ने समय-समय पर संबंधित देशों से अपील भी की है। इसके बावजूद ये न सिर्फ भारतीय जांच एजेंसियों बल्कि जहां छिपे हैं, वहां की जांच एजेंसियों को भी चकमा दे रहे हैं।

इनमें कुछ खास अपराधी सरगनाओं में दाऊद इब्राहिम अपराधियों के साथ-साथ आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का नाम भी शामिल है। पन्नू अमेरिका और कनाडा में सरकारी संरक्षण में रह रहा है। भारत छोड़ कर भागे अपराधियों/आतंकियों ने पाकिस्तान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, अजरबैजान, जर्मनी, इंडोनेशिया, ब्रिटेन और यूएसी जैसे कई देशों में पनाह ले रखी है। गृह मंत्रालय का कहना है कि सबसे ज्यादा 11 मोस्ट वांटेड अपराधी/आतंकी कनाडा में हैं। भारत छोड़ कर भागे अपराधियों/आतंकियों का सबसे बड़ा पनाहगाह कनाडा के बाद अमेरिका ही है।

लखनऊ में ...

बल्कि दुनिया में अपने मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार भी है। ब्रह्मोस के माध्यम से भारत अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ मित्र राष्ट्रों की सुरक्षा जरूरतों को भी पूरा करने में सक्षम हो गया है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

सीएम योगी ने 2018 के पहले इन्वेस्टर्स समिट का जिक्र करते हुए कहा कि लखनऊ में ही प्रधानमंत्री ने दो डिफेंस मैनुफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी, जिसमें से एक उत्तर प्रदेश को मिला। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट के 6 नोड्स में डिफेंस मैनुफैक्चरिंग कॉरिडोर के कार्य सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। लखनऊ में ब्रह्मोस, झांसी में भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और अमेठी में एके-203 जैसे प्रोजेक्ट चल रहे हैं। अब तक 2,500 एकड़ से अधिक लैंड इन 6 नोड्स में उपलब्ध कराई गई है, जिससे 15,000 से अधिक नौजवानों को नौकरियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस केंद्र में आईटीआई, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग डिग्रीधारक युवा काम कर रहे हैं, जो देश की सुरक्षा और रोजगार दोनों की पूर्ति कर रहे हैं। यह आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है। सीएम योगी ने बताया कि राज्य सरकार आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू के साथ मिलकर दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित कर रही है, जिससे डिफेंस टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह लखनऊ की भूमि अब राष्ट्र रक्षा, उद्योग, रोजगार और विकास के चारों आयामों को एक साथ साध रही है। यही उत्तर प्रदेश के बदलते चेहरे और आत्मनिर्भर भारत की पहचान है।

सीएम योगी ने बताया कि आज डीजी ब्रह्मोस ने 40 करोड़ का जीएसटी चेक सौंपा है। हर वर्ष 100 ब्रह्मोस मिसाइल बनेंगी, जो बढ़कर 150 तक पहुंचेंगी, तो 150-200 करोड़ जीएसटी मिलेगा। यह आम के आम और गुठली के दाम जैसा है। लखनऊ की भूमि अब सोना उगल रही है। यह देश की सुरक्षा की पूर्ति कर रही है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रही है। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर डीआरडीओ को और लैंड उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया।

कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने बूस्टर भवन का भी उद्घाटन किया, जो ब्रह्मोस प्रोजेक्ट की क्षमता विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही दोनों ने बूस्टर डॉकिंग प्रक्रिया का प्रदर्शन भी देखा। इसी क्रम में एयरफ्रेम और एवियोनिक्स, वारहेड भवन में पीडीआई (प्री डिस्पैच इंस्पेक्शन) तथा ब्रह्मोस सिमुलेटर उपकरणों का प्रेजेंटेशन भी दिखाया गया। इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिसर में ही रुद्राक्ष के पौधे का वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान स्टोरेज ट्रॉली प्रदर्शन और मोबाइल ऑटोनॉमस लॉन्चर का प्रदर्शन भी हुआ। कार्यक्रम के दौरान डीजी (ब्रह्मोस) डॉ. जयतीर्थ आर. जोशी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चेक और जीएसटी बिल सौंपा।

लखनऊ के भटगांव स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस लिमिटेड का उद्घाटन 11 मई 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया था। लखनऊ की यह यूनिट डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर योजना का हिस्सा है, जो 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शुरू की गई थी। इस इंटीग्रेशन और टेस्टिंग फैसिलिटी को लगभग 300 करोड़ रुपए की लागत से 80 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाया गया है। इसका शुरुआती लक्ष्य हर साल 80 से 100 मिसाइलें तैयार करना है, जिसे बाद में 150 तक बढ़ाया जा सकता है।ब्रह्मोस मिसाइल भारत के डीआरडीओ और रूस की कंपनी के संयुक्त उपक्रम से बनती है। यह दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक है। इसे जमीन, समुद्र और हवा, तीनों प्लेटफॉर्म से दागा जा सकता है। इस साल की शुरुआत में, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल वास्तविक युद्ध में किया था। भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली को भेदते हुए उनके फौजी ठिकानों पर सटीक प्रहार किए थे। इस कार्रवाई में स्कर्दू, भोलारी, जैकबाबाद और सरगोधा के एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा था। यह मिसाइल अपनी अत्यधिक गति और सटीकता के लिए जानी जाती है।

तेजस लड़ाकू ...

रक्षा मंत्रालय ने 25 सितंबर को नई दिल्ली में 97 एलसीए एमके-1ए विमानों और संबंधित उपकरणों के लिए एचएएल के साथ 62,370 करोड़ रुपए के एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले 83 तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट के सौदे पर 03 फरवरी, 2021 को बेंगलुरु में एयरो इंडिया के दौरान एचएएल के साथ हस्ताक्षर हुए थे। इस तरह अब कुल 180 विमानों का उत्पादन किया जाना है। एचएएल ने 83 विमानों का पहला ऑर्डर मिलने पर प्रति वर्ष 16 जेट तैयार करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन 97 विमानों का और ऑर्डर मिलने पर प्रति वर्ष 32 जेट का उत्पादन करने की तैयारी है।

एचएएल के मुताबिक एलसीए तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट में एवियॉनिक्स, हथियार और रखरखाव में 43 तरह के सुधार किए गए हैं। अब इसमें अत्याधुनिक एईएसए रडार होगा, जो तेजस मार्क-1 के इजराइली ईएल/एम-2032 रडार से बेहतर होगा। पहले बैच में इजराइली ईएल/एम-2052 रडार होगा, जबकि बाकी में स्वदेशी उत्तम रडार होगा। तेजस मार्क-1ए में इजराइली ईएलएल-8222 जैमर पॉड होगा, जो बीवीआर या एसएएम मिसाइलों के रडार सिग्नल को बाधित करेगा। आधुनिक वायु युद्ध के लिहाज से यह सुधार काफी महत्वपूर्ण है। तेजस मार्क-1ए में युद्ध के लिए नजदीकी, बीवीआर और लंबी दूरी की बीवीआर बेहतर मिसाइलें होंगी। इसमें हवा से जमीन पर हमला करने के लिए 500 किलोग्राम एलजीबी और बिना गाइड वाले बम भी होंगे।

अफगानिस्तान के ...

अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान ने भी घटना पर गहरा दुख जताया है। राशिद खान ने कहा कि नागरिक ठिकानों पर हमला पूरी तरह से अनैतिक और निर्मम है। यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और इसके खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए।

राशिद खान ने एसीबी के पाकिस्तान के साथ त्रिकोणीय सीरीज न खेलने के फैसले की भी सराहना की। राशिद खान ने कहा कि ऐसे मुश्किल समय में राष्ट्रीय गौरव सबसे पहले आता है। अफगानिस्तान के एक अन्य शीर्ष क्रिकेटर मोहम्मद नबी ने भी पाकिस्तान के हवाई हमले की तीखी आलोचना की और क्रिकेटर्स की मौत को पूरे अफगानिस्तान क्रिकेट परिवार पर हमला बताया।

महा-हठबंधन में...

तारापुर में राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने हैं। राजद की ओर से रजनीश यादव ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया है। वहीं कांग्रेस की ओर से प्रवीण कुशवाहा ने भी अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया है। तारापुर विधानसभा सीट पर राजद और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रत्याशी आमने सामने हैं। राजद से अरुण शाह ने नामांकन पर्चा दाखिल किया है। वहीं वीआईपी की ओर से सकलदेव सिंह ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया है। बछवाड़ा विधानसभा सीट पर कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के प्रत्याशी आमने-सामने हैं। कांग्रेस से प्रकाश दास ने नामांकन पर्चा दाखिल किया है। वहीं सीपीआई से अवधेश कुमार राय ने नामांकन किया है। बिहारशरीफ विधानसभा सीट पर भी कांग्रेस और सीपीआई के प्रत्याशी आमने-सामने हैं। कांग्रेस से उमैर खान ने नामांकन किया है। वहीं सीपीआई के शिव प्रसाद यादव ने नामांकन किया है। रोसड़ा विधानसभा सीट पर कांग्रेस और सीपीआई के उम्मीदवार आमने-सामने हैं। कांग्रेस से बीके रवि ने नामांकन किया है। वहीं सीपीआई से लक्ष्मण पासवान ने नामांकन दाखिल किया है। राजापाकड़ विधानसभा सीट से कांग्रेस और सीपीआई के प्रत्याशी आमने-सामने हैं। कांग्रेस से प्रतिमा कुमारी ने नामांकन किया है। वहीं सीपीआई से मोहित पासवाान ने नामांकन किया है। वैशाली विधानसभा सीट पर राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने हैं। राजद से अजय कुशवाहा ने नामांकन किया है। वहीं कांग्रेस से इंजीनियर संजीव सिंह ने नामांकन किया है। लालगंज विधानसभा सीट सबसे अधिक चर्चित सीट है। यहां राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने हैं। राजद ने पूर्व विधायक बाहुबली मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी शुक्ला को टिकट दिया है। उन्होंने अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर दिया। वहीं कांग्रेस से आदित्य कुमार राजा ने भी अपना नामांकन कर दिया है।भाकपा (माले) के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने महागठबंधन में मची कलह पर अपनी झेंप मिटाते हुए कहा कि बिहार चुनाव के लिए सीट बंटवारे और उम्मीदवारों की घोषणा में हो रही देरी महागठबंधन के टूटने का संकेत नहीं, बल्कि इसके विस्तार का परिणाम है। कांग्रेस सांसद अखिलेश सिंह ने भी कहा कि कहीं कोई दिक्कत नहीं है। महागठबंधन में कोई विवाद नहीं हैं। यह भी कहा कि सीट बंटवारे की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही सबकुछ फाइनल हो जाएगा।

नि:संतान...

मतरूक सम्पत्ति (यानि मृत व्यक्ति द्वारा छोड़ी गई सम्पत्ति) है, जिन्हें मुस्लिम कानून के अनुसार बांटा जाना चाहिए। वहीं चांद खान के भाई इमाम खान ने कहा कि ये सम्पत्तियां चांद खान ने अपने जीवनकाल में ही बिक्री समझौते के जरिए तीसरे पक्ष को बेच दी थीं।मामले की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि बिक्री का समझौता मात्र इरादा दिखाता है। इससे न तो खरीदार को मालिकाना हक मिलता है और न ही सम्पत्ति पर कोई अधिकार। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि क्योंकि सेल डीड चांद खान की मौत के बाद ही बनी, इसलिए सम्पत्ति उनकी मृत्यु के समय उनके नाम पर ही थी और इस वजह से वह मतरूक सम्पत्ति मानी जाएगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मुस्लिम कानून के अनुसार, यदि मृतक की औलाद नहीं है, तो बीवी सम्पत्ति के एक-चौथाई हिस्से की हकदार होती है। वहीं, अगर संतान है तो बीवी को आठवां हिस्सा मिलता है। इस मामले में चांद खान की कोई औलाद नहीं थी, इसलिए उसकी बेवा केवल एक चौथाई हिस्सेदारी की हकदार थी। शेष हिस्सा अन्य वारिसों में बांटा गया जिसमें मृतक के भाई भी शामिल थे।

रूप चतुर्दशी आज

कार्तिक मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर नरक चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। इसे रूप चौदस, नरक चतुर्दशी, छोटी दीपावली, नरक निवारण चतुर्दशी अथवा काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। दीपावली से एक दिन पहले और धनतेरस एक दिन बाद नरक चौदस या नरक चतुर्दशी का त्योहार मनाया जाता है। इसी दिन छोटी दीपावली भी मनाई जाती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार, इस साल नरक चतुर्दशी की शुरुआत 19 अक्टूबर 2025 को दोपहर 01:51 मिनट पर हो रही है और इसका समापन अगले दिन 20 अक्टूबर 2025 को दोपहर 03:44 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के मुताबिक, नरक चतुर्दशी का पर्व 19 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा।

चतुर्दशी तिथि को भगवान विष्णु ने माता अदिति के आभूषण चुराकर ले जाने वाले निशाचर नरकासुर का वध कर 16 हजार कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। परंपरा में इसे शारीरिक सज्जा और अलंकार का दिन भी माना गया है। इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन महिलाएं ब्रह्म मुहूर्त में हल्दी, चंदन, सरसो का तेल मिलाकर उबटन तैयार कर शरीर पर लेप कर उससे स्नान कर अपना रूप निखारेंगी। नरक चतुर्दशी कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। नरक चतुर्दशी को कई और नामों से भी मनाया जाता है जैसे- नरक चौदस, रूप चौदस और रूप चतुर्दशी आदि। दीपावली से पहले मनाए जाने के कारण इसे छोटी दीपावली भी कहा जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा होती है। घर के कोनों में दीपक जलाकर अकाल मृत्यु से मुक्ति की कामना की जाती है।

इस दिन मृत्यु के देवता यमराज, माता काली और श्रीकृष्ण की आराधना की जाती है। इस दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान करके यम तर्पण एवं शाम के समय दीप दान का बड़ा महत्व है। कहते हैं नरक चतुर्दशी पर दीप जलाने से यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। नरक चतुर्दशी की पूजा अकाल मृत्यु से मुक्ति और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए की जाती है। नरक चतुर्दशी से अनेक मान्यताएं और परंपराएं जुड़ी हुई हैं, जो इसे और भी खास बनाती हैं। इस बार नरक चतुर्दशी पर कई शुभ योग बन रहे हैं।

अमृतसिद्धि योग

19 अक्टूबर को शाम को 05:49 से लेकर 20 अक्टूबर को सुबह 06:29 तक अमृतसिद्धि योग रहेगा। इस योग में नरक चतुर्दशी का अभ्यंग स्नान कर सकते हैं।

सर्वार्थसिद्धि योग

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि 19 अक्टूबर को शाम को

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

05:49 से लेकर 20 अक्टूबर को सुबह 06:29 तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। यह योग सभी कार्यों को सिद्ध करने और मनोकामनाओं को पूरा करने वाला माना जाता है। इस योग में की गई पूजा, खरीदारी और नए कार्यों की शुरुआत बहुत शुभ होती है।

चतुर्दशी तिथि

चतुर्दशी तिथि प्रारम्भ -19 अक्टूबर 2025 को दोपहर 01:51 बजे से

चतुर्दशी तिथि समाप्त - 20 अक्टूबर 2025 को दोपहर 03:44 बजे तक

नरक चतुर्थी के दिन रूप निखारा जाता है, जिसके लिए प्रात: काल स्नान की परंपरा है। इसलिए उदया तिथि को देखते हुए नरक चतुर्दशी 19 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

अभ्यंग स्नान

नरक चतुर्दशी पर सूर्योदय के पूर्व शरीर पर उबटन लगाकर स्नान करने की प्रक्रिया को अभ्यंग स्नान कहा जाता है। इस बार अभ्यंग स्नान का समय 20 अक्टूबर को सुबह 05:13 मिनट से 06:25 मिनट तक है।

लोकसंस्कृति और परंपरा में छोटी दीपावली

भारत के अनेक राज्यों में इस दिन विशेष रीति-रिवाज निभाए जाते हैं। उत्तर भारत में इसे छोटी दिवाली कहा जाता है, लोग घरों की सजावट, दीपक जलाने और मिठाई बाँटने की शुरुआत इसी दिन करते हैं। गुजरात और महाराष्ट्र में इसे काली चौदस कहते हैं, जहां माता काली की पूजा होती है। दक्षिण भारत में यह दिन नरक चतुर्दशी के नाम से ही प्रसिद्ध है और लोग तिल के तेल से स्नान कर बुरी शक्तियों से रक्षा की कामना करते हैं। लोक मान्यता है कि इस दिन दीपक जलाने से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है और रोग-दोष दूर होते हैं।

पौराणिक कथा

धर्म ग्रंथों के अनुसार बलि नाम का एक पराक्रमी राक्षसों का राजा था। वह 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग पर अधिकार करना चाहता था। तब भगवान विष्णु वामन अवतार लेकर उसके पास गए और उससे तीन पग धरती दान में मांग ली। बलि ने दान देना स्वीकार किया। तब भगवान वामन ने विशाल रूप धारण कर तीनो लोकों पर अधिकार कर लिया। तब राजा बलि ने उनसे प्रार्थना की 'आपने कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी से लेकर अमावस्या की अवधि में मेरा संपूर्ण राज्य नाप लिया। इसलिए जो व्यक्ति चतुर्दशी पर यमराज के लिए दीपदान करे, उसे यम यातना नहीं होनी चाहिए। भगवान वामन ने बलि की ये प्रार्थना स्वीकार कर ली। तभी से नरक चतुर्दशी पर यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा चली आ रही है।

पूजा विधि

नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले स्नान करके साफ कपड़े पहन लें। नरक चतुर्दशी के दिन यमराज, श्री कृष्ण, काली माता, भगवान शिव, हनुमान जी और विष्णु जी के वामन रूप की विशेष पूजा की जाती है। घर के ईशान कोण में इन सभी देवी देवताओं की प्रतिमा स्थापित करके विधि पूर्वक पूजन करें। देवताओं के सामने धूप दीप जलाएं, कुमकुम का तिलक लगाएं और मंत्रों का जाप करें।

अंधकार से प्रकाश की ओर

ॐ तमसो मा ज्योतिर्गमय... मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो।

दिवाली साल की सबसे अंधेरी रात होती है और यह वह रात है जब प्रकाश की शक्ति को पाना सबसे आसान होता है। यहाँ प्रकाश से तात्पर्य दीपक जलाने से नहीं है, बल्कि आंतरिक ज्ञान के उस प्रकाश से है जो अस्तित्व को प्रकाशित करता है। अधिकांश लोग यह दिन देवी लक्ष्मी के सामने दीपक जलाकर '-और अधिक धन पाने' के लिए व्यतीत करते हैं, लेकिन दिवाली का सार 'मुझे धन दो और उससे मुझे विरक्त कर दो' में निहित है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जो कुछ भी भौतिक है वह नश्वर (अस्थायी) है... वह चला जाएगा और जब वह जाएगा, तो आपको अत्यधिक पीड़ा देगा। आपके पास जितना अधिक होगा, दर्द उतना ही अधिक होगा।

ज़रा सोचिए। जो चीज़ें आपको अत्यधिक आनंद देती हैं, वे ही आपके दुख का सबसे बड़ा स्रोत भी होती हैं। जो लोग मीठा पसंद करते हैं, वे ही अक्सर मधुमेह (डायबिटिक) के रोगी बन जाते हैं। जो लोग आपको धोखा देते हैं या चोट पहुँचाते हैं, वे अजनबी नहीं होते, बल्कि आपके सबसे करीबी लोग होते हैं। सबसे धनी लोग ही अपने अंतिम समय में सबसे अधिक तनावग्रस्त होते हैं, क्योंकि वे अपने संचित किए गए सभी चीज़ों से अलग होने में असमर्थ होते हैं और अपनी वसीयत बनाने के लिए चिंतित और अनिच्छुक होते हैं। यह माया का स्वरूप है। यह आपको पूरे जीवन भर उलझाए रखती है और अंत में केवल पीड़ा ही देती है। वास्तविक आनंद का अनुभव करने के लिए इससे परे जाना आवश्यक है, और दिवाली की रात इसके लिए एकदम सही है।

भौतिक जगत ऊर्जा जगत द्वारा संचालित होता है और हममें से प्रत्येक में इन ऊर्जाओं तक पहुँचने और सभी भौतिक चीज़ों को प्राप्त करने की क्षमता है। चुनाव आपका है कि आप भौतिक चीज़ों के पीछे भागना चाहते हैं या चाहते हैं कि वे आपके पीछे भागें। सनातन क्रिया में एक विशिष्ट मंत्र बताया गया है- 'क ए ऐ ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं'- जिसे देवी के सामने गाय के घी का दीपक जलाते हुए जपने से भौतिक संपदा प्राप्त होती है और साथ ही माया से बाहर निकलने का मार्ग भी मिलता है। हालाँकि, किसी भी मंत्र के वांछित प्रभाव के लिए, यह ज़रूरी है कि आप इसे अपने गुरु से प्राप्त करें, जो मंत्र में सिद्ध हैं।

दिवाली की रात, कुछ बहुत शक्तिशाली ऊर्जाओं का संगम होता है और कहा जाता है कि इस रात किए गए अभ्यास से हज़ार गुना अधिक फल प्राप्त होता है। इसलिए, इस दिवाली देवी लक्ष्मी के आपके घर आकर धन की वर्षा करने का इंतज़ार करने के बजाय, कुछ अलग करने का प्रयास करें। मांगें, लेकिन दें भी। आनंद लें, लेकिन भौतिक चीज़ों से विरक्ति की प्रार्थना करके तैयार भी रहें।

आप सभी इस दिवाली शक्ति की पूरी क्षमता को महसूस करें... आशीर्वाद।

-योगी अश्विनी
ध्यान आश्रम

ध्यान फाउंडेशन, गुरुजी के सान्निध्य में एक विश्वव्यापी दिवाली यज्ञ का आयोजन कर रहा है। अधिक जानकारी के लिए www.dhyanfoundation.com पर जाएँ।

अश्विनी गुरुजी ध्यान फाउंडेशन के मार्गदर्शक हैं और वैदिक विज्ञानों के ज्ञाता हैं। उनकी पुस्तक, सनातन क्रिया, द एजलेस डाइमेंशन (Sanatan Kriya, The -geless Dimension) एंटी-एजिंग पर एक प्रशंसित शोध प्रबंध है। अधिक जानकारी के लिए www.dhyanfoundation.com पर लॉग ऑन करें या dhyandhyanfoundation.com पर मेल करें।

रूप चतुर्दशी पर निखरेगा रूप...यम की होगी पूजा

छोटी दीपावली जिसे शास्त्रों में नरक चतुर्दशी के नाम से भी जाना जाता है।कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी, यम चतुर्दशी या फिर रूप चतुर्दशी कहते हैं। इस दिन यमराज की पूजा करने और उनके लिए व्रतकरने का विधान है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि रूप चतुर्दशी 19 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। इस दौरान घरों में अभ्यंग स्नान होगा। सभी लोग सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान और पूजन करेंगे। इस दौरान लोग उबटन लगाकर स्नान करेंगे।स्त्रियों के लिए यह पर्व खास होगा। दरअसल स्त्रियां सज संवरकर पूजन -अर्चन करेंगी। इस दौरान ब्यूटी पार्लर्स में रौनक रहेगी। सड़कों, घरों, भवनों में दीपावली की जगमग रहेगी। शाम होते ही वातावरण झिलमिलाने लगेगा। दरअसल रूप चतुर्दशी को लेकर मान्यता है कि इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करने से लोगों को नर्क की यातनाऐं नहीं भोगनी पड़ती है। इस दिन लोग उबटन से स्नान करते हैं। स्नान के बाद दीपदान होता है। प्रतीकात्मक तौर हल्दी मिले आटे के दिये को पांव लगाया जाता है। श्रद्धालु महिलाऐं घर आंगन को रगोली के रंगों से संवारती हैं। इस दिन दियों की जगमगाहट से लोगों के घर वृंदनवार रोशन होते हैं। रूप चतुर्दशनी के अलगे दिन कार्तिक अमावस्या पर लक्ष्मी पूजन किया जाता है। ऐसे में यह दीपावली की शुरूआत होती है। रूप चतुर्दशी पर स्नान के दौरान लोग पटाखे चलाकर उत्साह मनाते हैं।

माना जाता है कि महाबली हनुमान का जन्म इसी दिन हुआ था। इसीलिए आज बजरंगबली की भी विशेष पूजा की जाती है। शास्त्रों में कहा गया है कि धन की देवी मां लक्ष्मी जी उसी घर में रहती हैं जहां सुंदरता और पवित्रता होती है। लोग लक्ष्मी की प्राप्ति के लिए घरों की सफाई और सजावट करते हैं इसका अर्थ ये भी है कि वो नरक यानी के गंदगी का अंत करते हैं। नरक चतुर्दशी के दिन अपने घर की सफाई जरूर करनी चाहिए। घर की सफाई के साथ ही अपने रूप और सौन्दर्य प्राप्ति के लिए भी शरीर पर उबटन लगा कर स्नान करना चाहिए। इस दिन रात को तेल अथवा तिल के तेल के 14 दीपक जलाने की परम्परा है।कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी नरक चौदस, रूप चतुर्दशी अथवा छोटी दीवाली के रूप में मनाई जाती है।

देवी लक्ष्मी धन की प्रतीक हैं। धन का अर्थ केवल पैसा नहीं होता। तन-मन की स्वच्छता और स्वस्थता भी धन का ही कारक हैं। धन और धान्य की देवी लक्ष्मी जी को स्वच्छता अतिप्रिय है। धन के नौ प्रकार बताए गए हैं। प्रकृति, पर्यावरण, गोधन, धातु, तन, मन, आरोग्यता, सुख, शांति समृद्धि भी धन कहे गए हैं।.लंबी उम्र के लिए नरक चतुर्दशी के दिन घर के बाहर यम का दीपक जलाने की परंपरा है। नरक चतुर्दशी की रात जब घर के सभी सदस्य आ जाते हैं तो गृह स्वामी यम के नाम का दीपक जलाता है।

चतुर्दशी तिथि को भगवान विष्णु ने माता अदिति के आभूषण चुराकर ले जाने वाले निशाचर नरकासुर का वध कर 16 हजार कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। परंपरा में इसे शारीरिक सज्जा और अलंकार का दिन भी माना गया है। इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है।

इस दिन महिलाएं ब्रह्म मुहूर्त में हल्दी, चंदन, सरसो का तेल मिलाकर उबटन तैयार कर शरीर पर लेप कर उससे स्नान कर अपना रूप निखारेंगी। नरक चतुर्दशी कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। नरक चतुर्दशी को कई और नामों से भी मनाया जाता है जैसे- नरक चौदस, रूप चौदस और रूप चतुर्दशी आदि। दीपावली से पहले मनाए जाने के कारण इसे छोटी दीपावली भी कहा जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा होती है। घर के कोनों में दीपक जलाकर अकाल मृत्यु से मुक्ति की कामना की जाती है।

चतुर्दशी तिथि

चतुर्दशी तिथि प्रारम्भ -19 अक्टूबर 2025 को दोपहर 01:51 बजे से

चतुर्दशी तिथि समाप्त - 20 अक्टूबर 2025 को दोपहर 03:44 बजे तक

नरक चतुर्थी के दिन रूप निखारा जाता है, जिसके लिए प्रात: काल स्नान की परंपरा है। इसलिए उदया तिथि को देखते हुए नरक चतुर्दशी 19 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

अभ्यंग स्नान

नरक चतुर्दशी पर सूर्योदय के पूर्व शरीर पर उबटन लगाकर स्नान करने की प्रक्रिया को अभ्यंग स्नान कहा जाता है। इस बार अभ्यंग स्नान का समय 20 अक्टूबर को सुबह 05:13 मिनट से 06:25 मिनट तक है।

नरक चतुर्दशी के दिन कैसे करें हनुमान जी की पूजा?

मान्यता के अनुसार नरक चतुर्दशी के दिन भगवान हनुमान ने माता अंजना के गर्भ से जन्म लिया था। इस दिन भक्त दुख और भय से मुक्ति पाने के लिए हनुमान जी की पूजा-अर्चनाा करते हैं। इस दिन हनुमान चालीसा और हनुमान अष्टक का पाठ करना चाहिए।

नरक चतुर्दशी को क्यों कहते हैं रूप चतुर्दशी?

मान्यता के अनुसार हिरण्यगभ नाम के एक राजा ने राज-पाट छोड़कर तप में विलीन होने का फैसला किया।कई वर्षों तक तपस्या करने की वजह से उनके शरीर में कीड़े पड़ गए। इस बात से दुखी हिरण्यगभ ने नारद मुनि से अपनी व्यथा कही। नारद मुनि ने राजा से कहा कि कार्तिक मास कृष्ण पक्ष चतुर्दशी के दिन शरीर पर लेप लगाकर सूर्योदय से पूर्व स्नान करने के बाद रूप के देवता श्री कृष्ण की पूजा करें। ऐसा करने से फिर से सौन्दर्य की प्राप्ति होगी। राजा ने सबकुछ वैसा ही किया जैसा कि नारद मुनि ने बताया था। राजा फिर से रूपवान हो गए।तभी से इस दिन को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं।

पौराणिक कथा

जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर दैत्यराज बलि से तीन पग धरती मांगकर तीनों लोकों को नाप लिया तो राजा बलि ने उनसे प्रार्थना की- 'हे प्रभु! मैं आपसे एक वरदान मांगना चाहता हूं। यदि आप मुझसे प्रसन्न हैं तो वर देकर मुझे कृतार्थ कीजिए। तब भगवान वामन ने पूछा- क्या वरदान मांगना चाहते हो, राजन? दैत्यराज बलि बोले- प्रभु! आपने कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी से लेकर अमावस्या की अवधि में मेरी संपूर्ण पृथ्वी नाप ली है, इसलिए जो व्यक्ति मेरे राज्य में चतुर्दशी के दिन यमराज के लिए दीपदान करे, उसे

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

यम यातना नहीं होनी चाहिए और जो व्यक्ति इन तीन दिनों में दीपावली का पर्व मनाए, उनके घर को लक्ष्मीजी कभी न छोड़ें।राजा बलि की प्रार्थना सुनकर भगवान वामन बोले- राजन! मेरा वरदान है कि जो चतुर्दशी के दिन नरक के स्वामी यमराज को दीपदान करेंगे, उनके पितर कभी नरक में नहीं रहेंगे और जो व्यक्ति इन तीन दिनों में दीपावली का उत्सव मनाएंगे, उन्हें छोड़कर मेरी प्रिय लक्ष्मी अन्यत्र न जाएंगी। भगवान वामन द्वारा राजा बलि को दिए इस वरदान के बाद से ही नरक चतुर्दशी के दिन यमराज के निमित्त व्रत, पूजन और दीपदान का प्रचलन आरंभ हुआ, जो आज तक चला आ रहा है।

श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया था

ज्योतिषाचार्या ने बताया कि नरक चतुर्दशी का पर्व मनाने के पीछे कई पौराणिक कथाएं हैं, इन्हीं में से एक कथा नरकासुर वध की भी है.

कथा के मुताबिक प्रागज्योतिषपुर नगर का राजा नरकासुर नामक दैत्य था। उसने अपनी शक्ति से इंद्र, वरुण, अग्नि, वायु आदि सभी देवताओं को परेशान कर दिया। वह संतों को भी त्रास देने लगा। महिलाओं पर अत्याचार करने लगा। जब उसका अत्याचार बहुत बढ़ गया तो देवता व ऋषिमुनि भगवान श्रीकृष्ण की शरण में गए। भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें नरकासुर से मुक्ति दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन नरकासुर को स्त्री के हाथों मरने का श्राप था।इसलिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा को सारथी बनाया तथा उन्हीं की सहायता से नरकासुर का वध किया। इस प्रकार श्रीकृष्ण ने कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरकासुर का वध कर देवताओं व संतों को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई। उसी की खुशी में दूसरे दिन अर्थात कार्तिक मास की अमावस्या को लोगों ने अपने घरों में दीएं जलाए। तभी से नरक चतुर्दशी तथा दीपावली का त्योहार मनाया जाने लगा।

महत्व

रूप चौदस पर व्रत रखने का भी अपना महत्व है। मान्यता है कि रूप चौदस पर व्रत रखने से भगवान श्रीकृष्ण व्यक्ति को सौंदर्य प्रदान करते हैं। रूप चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर तिल के तेल की मालिश और पानी में चिरचिरी के पत्ते डालकर नहाना चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु और भगवान कृष्ण के दर्शन करने चाहिए. ऐसा करने से पापों का नाश होता है और सौंदर्य हासिल होता है।

साथ ही रूप चौदस की रात मान्यतानुसार घर का सबसे बुजुर्ग पूरे घर में एक दिया जलाकर घुमाता है और फिर उसे घर से बाहर कहीं दूर जाकर रख देता है। इस दिए को यम दीया कहा जाता है।इस दौरान घर के बाकी सदस्य अपने घर में ही रहते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिए को पूरे घर में घुमाकर बाहर ले जाने से सभी बुरी शक्तियां घर से बाहर चली जाती है।

यह कार्य अवश्य करें

इस दिन जहां घर की सफाई की जाती है वहीं घर से हर प्रकार का टूटा-फूटा सामान भी फैंक देना चाहिए। घर में रखे खाली पेंट के डिब्बे, रद्दी, टूटे-फूटे कांच या धातु के बर्तन, किसी प्रकार का टूटा हुआ सजावटी सामान, बेकार पड़ा फर्नीचर व अन्य प्रयोग में न आने वाली वस्तुओं को यमराज का नरक माना जाता है इसलिए ऐसी बेकार वस्तुओं को घर से हटा देना चाहिए।

नहाने से पहले मसाज करें

दक्षिण भारत में यह परंपरा है कि लोग आज के दिन सुबह जल्दी उठकर तेल से पूरे शरीर की मालिश करते हैं. अगर आप पुराने रिवाजों को न भी मानते हों तो भी आप ये काम तो आज कर ही सकते हैं. वैसे भी घर की दिवाली सफाई के बाद आपके शरीर को फिलहाल मसाज की सबसे ज्यादा ज़रूरत है।

उबटन लगाएं

कहा जाता है कि श्री कृष्ण के शरीर पर लगा नरकासुर का खून साफ करने के लिए उन्हें उबटन लगाया गया था. तब से इस दिन उबटन लगाने की परंपरा चली आ रही है। वैसे भी त्योहारों पर सजना संवरना हर कोई चाहता है।

मिठाई, स्नैक्स बनाएं

जो मेन्यू आपने कल के लिए तय कर रखा है, उसके कुछ आइटम्स जैसे, मिठाई या स्नैक्स आज ही बना लें. वैसे भी 'दिवाली स्पेशल' खाने की लिस्ट काफी लंबी होती है. इसलिए अगर आप एक-दो चीज़ें आज ही तैयार कर लेंगे तो कल वर्कलोड थोड़ा कम होगा।

घर की सजावट करें

घर की साफ सफाई और धनतेरस शॉपिंग के बाद अब वक्त है सजावट का. तो नए पर्दे और बेडशीट्स निकालें और घर को फर्निश करें. घर को लाइट्स और खूबसूरत कैंडल्स से सजाएं. अगर कुछ ट्रेडिश्नल करना हो तो आज के दिन भी दीये जलाने और रंगोली बनाने का रिवाज़ है।

दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने जाएं

फोन पर त्योहार की शुभकामनाएं देने से ज्यादा बढ़िया होता है किसी को खुद जाकर बधाई और तोहफे देना. इसलिए आपके जो यार-रिश्तेदार दूर रहते हैं उनसे आज मिलने जाएं। वैसे भी दिवाली की पूजा और पकवान के बीच दूर दराज के लोगों संग मुलाकात अमूमन संभव नहीं हो पाती है

इस दिन सायं 4 बत्ती वाला मिट्टी का दीपक पूर्व दिशा में अपना मुख करके घर के मुख्य द्वार पर रखें और

'दत्तो दीप: चतुर्दश्यो नरक प्रीतये मया। चतुर्वर्ति समायुक्त: सर्व पापा न्विमुक्तये।।'

मंत्र का जाप करें और नए पीले रंग के वस्त्र पहन कर यम का पूजन करें। जो व्यक्ति इन बातों पर अमल करता है उसे नर्क की यातनाओं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता।

ऊं यमाय नम:, ऊं धर्मराजाय नम:, ऊं मृत्यवे नम:, ऊं अन्तकाय नम:, ऊं वैवस्वताय नम:, ऊं कालाय नम:, ऊं सर्वभूतक्षयाय नम:, ऊं औदुम्बराय नम:, ऊं दध्राय नम:, ऊं नीलाय नम:, ऊं परमेष्ठिने नम:, ऊं वृकोदराय नम:, ऊं चित्राय नम:, ऊं चित्रगुप्ताय नम:।

पूजन विधि

इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर शरीर पर तेल या उबटन लगाकर मालिश करने के बाद स्नान करना चाहिए। ऐसा माना जाता हैं कि जो व्यक्ति नरक चतुर्दशी के दिन सूर्य के उदय होने के बाद नहाता हैं। उसके द्वारा पूरे वर्ष भर में किये गये शुभ कार्यों के फल की प्राप्ति नहीं होती। सूर्य उदय से पहले स्नान करने के बाद दक्षिण मुख करके हाथ जोड़कर यमराज से प्रार्थना करें। ऐसा करने से व्यक्ति के द्वारा किये गये वर्ष भर के पापों का नाश होता हैं। इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें। इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें. पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं। इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है। विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है।

यम-तर्पण

नहाने के बाद साफ कपड़े पहनकर, तिलक लगाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके निम्न मंत्रों से प्रत्येक नाम से तिलयुक्त तीन-तीन जलांजलि देनी चाहिए। यह यम-तर्पण कहलाता है। इससे वर्ष भर के पाप नष्ट हो जाते हैं-

इस प्रकार तर्पण कर्म सभी पुरुषों को करना चाहिए, चाहे उनके माता पिता गुजर चुके हों या जीवित हों। फिर देवताओं का पूजन करके शाम के समय यमराज को दीपदान करने का विधान है। नरक चतुर्दशी पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा भी करनी चाहिए, क्योंकि इसी दिन उन्होंने नरकासुर का वध किया था। इस दिन जो भी व्यक्ति विधिपूर्वक भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करता है, उसके मन के सारे पाप दूर हो जाते हैं और अंत में उसे वैकुंठ में स्थान मिलता है।

डेब्यू के दौरान ही धर्मेंद्र ने लगा दी थी सनी देओल की क्लास, रातभर कराते थे काम

पाकिस्तान में जाकर नल उखाड़ कर पाकिस्तानियों के छक्के छुड़ाने वाले 'तारासिंह' फेम एक्टर सनी देओल फैंस के फेवरेट हैं। अपनी देशप्रेम से भरी फिल्मों से सनी ने फैंस और फिल्म इंडस्ट्री में अलग जगह बनाई है।रविवार को एक्टर अपना 68वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनका जन्म पंजाब में अभिनेता धर्मेंद्र और उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर के घर पर हुआ था। एक्टर बचपन से भी अपने पिता को देखकर फिल्मों में काम करना चाहते थे और स्टार किड होने की वजह से फिल्मों में आने के लिए सनी को ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ी। सनी देओल का बचपन थोड़ा कठिनाइयों में बीता क्योंकि उन्हें डिस्लेक्सिया था, जिसके कारण उन्हें पढ़ने-लिखने और याद रखने तक में परेशानी होती थी। उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया था कि इस बीमारी की वजह से उन्हें बहुत बार मार खानी पड़ी थी। बहुत कम लोग ये बात जानते हैं कि सनी का असली नाम अजय सिंह है, लेकिन फिल्मों में एंट्री से पहले धर्मेंद्र ने उनका नाम सनी देओल कर दिया।

उन्हें ये नाम सूट भी किया और इंडस्ट्री में बैक-टू-बैक हिट फिल्में दीं। सनी देओल दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र के बेटे हैं और एक्टिंग उनके खून में है, लेकिन हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने से पहले उन्होंने एक्टिंग का कोर्स किया। उन्होंने बर्मिंघम के ओल्ड वर्ल्ड थिएटर में एक्टिंग के गुण सीखे और अपनी कला को निखारकर डेब्यू किया।हालांकि, सनी को अपनी फिल्म के दौरान ही धर्मेंद्र से बहुत डांट खाने को मिली थी। वे सनी को किसी स्कूली बॉय की तरह प्रशिक्षित करते थे। खुद धर्मेंद्र ने एक किस्सा सुनाते हुए बताया था कि पहली फिल्म 'बेताब' के लिए सनी को खूब सारी डांट पड़ी थी। उन्होंने खुलासा किया था कि सनी ने फिल्म की डबिंग पूरी कर ली थी और जब मैंने डबिंग को सुना तो मुझे बहुत गुस्सा आया। डबिंग बहुत खराब थी। इसलिए मैंने दोबारा पूरी फिल्म की डबिंग सनी से करवाई थी। फिल्म बेताब के समय धर्मेंद्र सनी को बैठाकर रात-रात भर फिल्म की डबिंग कराते थे और एक्टर की हालत स्कूल के किसी बच्चे के जैसी हो जाती थी। सनी ने पहली फिल्म से अपने पिता से काफी कुछ सीखा। धर्मेंद्र ने हर मौके पर अपने दोनों बेटों को बॉलीवुड में एंट्री के साथ काफी कुछ सिखाया, और शायद यही कारण है कि आज दोनों बेटे पिता की विरासत को आगे ले जा रहे हैं। सनी देओल ने लंबे समय के बाद 'गदर-2' के साथ फिल्मों में जबरदस्त वापसी की है। इसके बाद 'जाट' फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया। अब एक्टर की फिल्म 'लाहौर 1947' आ रही है।

प्रभास की वर्किंग दिवाली : ग्रीस में द राजा साब का ग्रैंड सॉन्ग शूट, फिल्म पहुंची फिनिश लाइन के करीब

इस बार प्रभास की दिवाली कुछ अलग है- पटाखों की चमक नहीं, बल्कि कैमरों की लाइट्स में जगमगा रही है! सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित हॉरर-फैंटेसी फिल्म 'द राजा साब' की शूटिंग के लिए ग्रीस में हैं, जहां फिल्म का आखिरी शेड्यूल चल रहा है। फिल्म के दो बड़े सॉन्ग्स पहले ही ग्रीस की धूप से नहाई बीचेज़ और खूबसूरत आइलैंड्स पर शूट किए जा चुके हैं, और अब टीम दिवाली तक ग्रैंड रैप-अप की तैयारी में जुटी है।फिल्ममेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर शूट की झलक दिखाई, जिसमें लिखा था, TheRaja-Saab Shoot Diariesd. दिवाली के साथ-साथ टीम ने फैंस के लिए एक और तोहफा भी तैयार किया है - प्रभास के बर्थडे (23 अक्टूबर) पर 'द राजा साब' से जुड़ा एक बड़ा अपडेट आने वाला है, जिससे फैंस के बीच एक्साइटमेंट डबल हो गया है। पहले रिलीज़ हुए ट्रेलर ने ही सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी - हॉरर, रोमांस और ह्यूमर का ऐसा तड़का जिसमें संजय दत्त नजर आए थे एक एक्सॉर्सिस्ट, साइकाइट्रिस्ट और हिप्नोटिस्ट के यूनिक रोल में। उनके साथ बोमन ईरानी और ज़रीना वहाब भी नज़र आएंगे, जो फिल्म में नॉस्टैल्जिया और एंटरटेनमेंट का परफेक्ट डोज़ लेकर आ रहे हैं।

आखिरी शेड्यूल की शूटिंग के साथ 'द राजा साब' अब अपने ग्रैंड फिनाले की ओर बढ़ रही है। ग्रीस के नीले आसमान और प्रभास की मेहनत के बीच तैयार हो रही यह हॉरर-फैंटेसी फिल्म दर्शकों के लिए एक जबरदस्त विजुअल ट्रीट साबित होने वाली है।मारूथी द्वारा निर्देशित और लिखित इस फिल्म को People Media Factory और IVY Entertainment ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में प्रभास डुअल रोल में दिखाई देंगे, साथ में मलविका मोहनन, निधि अग्रवाल, ऋद्धि कुमार, संजय दत्त और बोमन ईरानी जैसे सितारे भी शामिल हैं। 'द राजा साब' 9 जनवरी 2025 को हिंदी, तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ होगी।

रिलीज हुआ 'तेरे इश्क में' का टाइटल सॉन्ग, चला अरिजीत सिंह की आवाज का जादू

साउथ के सुपरस्टार धनुष और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'तेरे इश्क में' टीजर के रिलीज के बाद से ही छाई हुई है। फिल्म का टीजर इतना जबरदस्त है कि फिल्म के रिलीज का फैंस इंतजार नहीं कर रहे हैं।फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन फिल्म का ट्रेलर अभी तक रिलीज नहीं हुआ है। फिल्म के बज के बीच फिल्म का पहला गाना वीडियो के साथ रिलीज कर दिया गया है। 'तेरे इश्क में' फिल्म का पहला गाना 'तेरे इश्क में' का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है। गाने में जहां धनुष अपने टूटे दिल और प्यार के जुनून को कृति के सामने रखते हैं, वहीं कृति का भी अलग रूप देखने को मिला है। फिल्म के टीजर में सिर्फ धनुष का जुनूनी अवतार देखने को मिला था, लेकिन नए गाने में कृति भी इश्क में धोखा खाई लड़की की तरह शराब का सहारा लेती दिख रही हैं। गाने में कृति शराब के नशे में चूर हैं तो धनुष एक्शन मोड में हैं। गाने के लिरिक्स भी दिल को छू जाने वाले हैं, गाने में फुल इमोशन और टूटे दिल की तड़प दिख रही हैं।

बता दें कि टाइटल ट्रैक के लिरिक्स इरशाद कामिल ने लिखे हैं और अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से गाने में जादू डाल दिया है।

गाने को कुछ देर पहले ही रिलीज किया गया है और गाना सोशल मीडिया पर छा गया है। फैंस गाने से रिलेट कर रहे हैं और अपने टूटे दिल की कहानी बता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, कृति और धनुष में प्यार के कुछ ज़्यादा ही रंग दिखा रहे हैं। मैं तो इस फिल्म का दीवाना हो गया हूं।

एक दूसरे यूजर ने लिखा, गाने का एक-एक लिरिक्स गूजबंप लाने वाला है और अरिजीत सिंह की आवाज ने दिल जीत लिया।

फिल्म में 'तेरे इश्क में' धनुष और कृति सेनन के अलावा माहिर मोहिउद्दीन और सुशील दहिया जैसे एक्टर भी देखने को मिलेंगे। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और फिल्म 28 नवंबर को अलग-अलग भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म तमिल और हिंदी में रिलीज की जाएगी। फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखी है।

फिल्म के टीजर की बात करें तो टीजर में धनुष का अवतार जुनून और प्यार में धोखा खाए तड़पते आशिक जैसा है। टीजर की शुरुआत ही धमाकेदार डायलॉग से होती है और धनुष कृति की हल्दी में जाकर कहते हैं, शंकर करे तेरे बेटा हो, तुझे पता चले कि इश्क में जो मर जाते हैं, वो भी किसी के बेटे होते हैं। फिल्म में 'राझांणा' की झलक देखने को मिलेगी।

संजय कपूर के जन्मदिन पर सोनम ने शेयर की पुरानी यादें

बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर शुक्रवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनकी भतीजी और अभिनेत्री सोनम कपूर ने उनको सोशल मीडिया के जरिए जन्मदिन की बधाई दी।सोनम ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेता के लिए दो स्टोरी पोस्ट कीं। पहली में वह अपने चाचा संजय कपूर के साथ नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी में उन्होंने बचपन की एक प्यारी सी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें संजय उनके साथ दिख रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ सोनम ने कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे संजय कपूर।

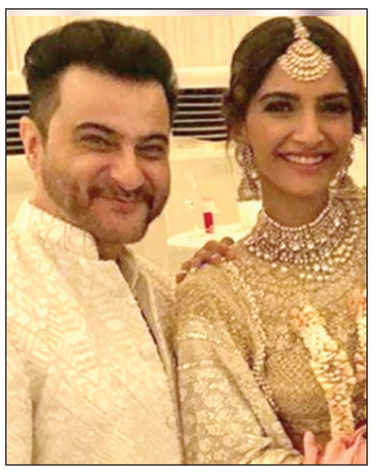

संजय कपूर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1995 में फिल्म 'प्रेम' से की थी। हालांकि, उन्हें असली पहचान माधुरी दीक्षित के साथ फिल्म 'राजा' से मिली। इस फिल्म में उनकी और माधुरी की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके बाद संजय ने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन वह लंबे समय तक पर्दे से दूर रहे। हाल ही में उन्हें फिल्म 'परम सुंदरी' में देखा गया था। संजय ने न सिर्फ फिल्मों में, बल्कि टीवी और वेब सीरीज में भी अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाया है। साल 2017 में उन्होंने स्टार प्लस के सीरियल 'दिल संभल जा जरा' में अभिनेत्री स्मृति कालरा के साथ काम किया। इस शो में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी सराहा, और टीवी पर उनका कमबैक सफल रहा। हालांकि, इसके बाद उन्होंने टीवी से दूरी बना ली।संजय ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी कदम रखा और अमेजन प्राइम के शो 'द लास्ट आवर' में नजर आए। इस शो की अनोखी कहानी को दर्शकों ने पसंद किया, लेकिन यह अंडररेटेड रहा।

एक दीवाने की दीवानीयत को लेकर पीवीआर आईनॉक्स पर अनुचित व्यवहार के आरोप

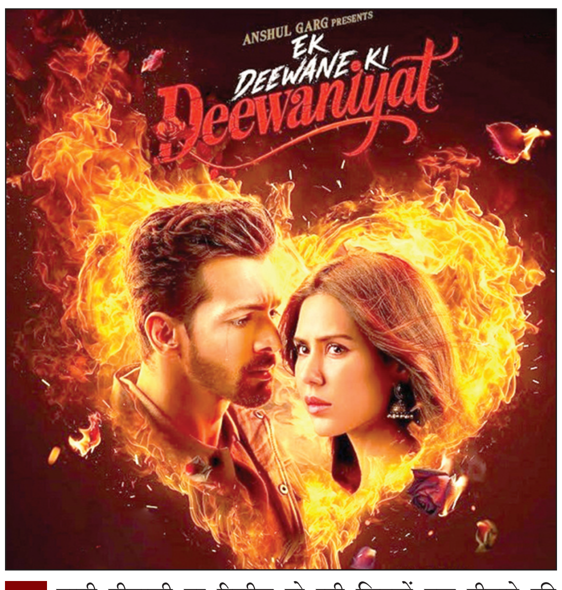

आगामी दीवाली पर रिलीज़ हो रही फिल्मों एक दीवाने की दीवानीयत और थामा के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। लेकिन इस टकराव से पहले ही विवाद खड़ा हो गया है। हर्षवर्धन राणे की फिल्म एक दीवाने की दीवानीयत की टीम ने आरोप लगाया है कि पीवीआर इनॉक्स की डिस्ट्रीब्यूशन और एक्ज़िबिशन टीमों के बीच मिलीभगत के चलते उनकी फिल्म को उचित स्क्रीन और शो नहीं दे रही है।टीम का कहना है कि आमतौर पर किसी भी फिल्म की एडवांस बुकिंग रिलीज़ से चार दिन पहले सिर्फ एक स्क्रीन पर खोली जाती है, लेकिन इस बार थामा की एडवांस बुकिंग कई स्क्रीन पर खोल दी गई है, जबकि एक दीवाने की दीवानीयत को कम शो दिए जा रहे हैं। आरोप है कि चूंकि थामा का वितरण खुद पीवीआर इनॉक्स कर रहा है, इसलिए अपने हित में कंपनी अपनी वितरित फिल्म को अधिक प्राथमिकता दे रही है। यह पहला मौका नहीं है जब पीवीआर इनॉक्स पर इस तरह के आरोप लगे हों। पिछले वर्ष भी सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 की रिलीज़ के दौरान ऐसी ही स्थिति बनी थी, जब भूल भुलैया 3 की टीम ने कम्पिटिशन कमीशन ऑफ़ इंडिया में शिकायत दर्ज कराने की चेतावनी दी थी। उस समय भी मामला डोमिनेंट पोज़िशन के दुरुपयोग से जुड़ा बताया गया था। इस बार विवाद इसलिए और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक दीवाने की दीवानीयत को हिंदी बेल्ट और छोटे शहरों में मजबूत रिस्पॉन्स मिल रहा है।कई स्वतंत्र सिनेमाघरों और क्षेत्रीय प्रदर्शकों ने दोनों फिल्मों को बराबर शो टाइम दिया है। इसके बावजूद राष्ट्रीय मल्टीप्लेक्स चेन जैसे पीवीआर इनॉक्स और सिनेपोलिस पर पक्षपात के आरोप लगाए जा रहे हैं।

साड़ी में मंत्रमुग्ध कर देने वाली लगी ईशा गुप्ता

इस दिवाली, अपने फेस्टिव वार्डरोब को बॉलीवुड की खूबसूरत और दिलकश अदाकारा ईशा गुप्ता की प्रेरणा से चमकदार बनाएं और परंपरा के साथ आधुनिक ग्लैमर का खूबसूरत संगम नज़र आएं। रेशमी साड़ियों से लेकर झिलमिलाते मेटैलिक लुक तक, उनके हर आउटफिट में इस मौसम की शान, रॉयल्टी और रिफाइनमेंट झलकती है। आइए नज़र डालते हैं ईशा गुप्ता के शानदार लुक्स पर, जो आपके दिवाली सेलिब्रेशन में टाइमलेस एलेगेंस और मॉडर्न चार्म जोड़ देंगे।

अपने पहले लुक में, ईशा रॉयल पर्पल सिल्क साड़ी में बेहद एलिगेंट दिख रही हैं, जिसे सिल्वर बॉर्डर और मैचिंग एम्बेलिश्ड ब्लाउज़ के साथ पेयर किया गया है। मिनिमल लेकिन प्रभावशाली एमराल्ड ज्वेलरी और सॉफ्ट मेकअप उनके लुक को लक्ज़री का खूबसूरत उदाहरण बना रहे हैं। विशेष रूप से हरे-भरे बैकड्रॉप के बीच वह ऐसे नजर आती हैं जैसे तारों भरी रात में जगमगाती दिवाली की शान। पेस्टल टोन की हैवी एम्ब्रॉयडर्ड लहंगे में दिखें रॉयलः दूसरे लुक में ईशा पेस्टल टोन की हैवी एम्ब्रॉयडर्ड लहंगा में नज़र आ रही हैं, जिस पर खूबसूरत फ्लोरल डिटेलिंग और गोल्डन ज्वेलरी की लेयरिंग की गई है। कुंदन और पोल्की नेकलेस सेट, स्लीक बन और सटल ग्लैम मेकअप के साथ

यह लुक रॉयल ग्रेस का प्रतीक है। यह ग्रैंड और ग्रेसफुल लुक पारिवारिक उत्सवों और फेस्टिव गेदरिंग्स के लिए परफेक्ट है।

ब्लश-गोल्ड एम्ब्रॉयडर्ड साड़ी में सबको करें मंत्रमुग्धः तीसरे लुक में ईशा ब्लश-गोल्ड एम्ब्रॉयडर्ड साड़ी में बेहद मंत्रमुग्ध कर देने वाली लग रही हैं, जिस पर सीक्विन और थ्रेडवर्क की चमक खूबसूरती से झलकती है। स्टेटमेंट पर्ल ज्वेलरी और टॉस्ल्ड हेयर उनके लुक में रोमांटिक टच जोड़ते हैं। उनका कॉन्फिडेंट एक्सप्रेशन और एथरियल चार्म दिवाली की असली भावना यानी रॉयल, रेडिएंट और रेस्प्लेंडेंट को खूबसूरती से दर्शाता है।

क्लासिक ण-नेक ब्लाउज़ के साथ बनाएं अपना फेस्टिव वार्डरोबः बेज़ सिल्क साड़ी और क्लासिक ण-नेक ब्लाउज़ का यह कॉम्बिनेशन आपके फेस्टिव वार्डरोब के लिए एक परफेक्ट ऐडिशन है। ईशा गुप्ता की तरह इस लुक को स्लीक बन और स्टेटमेंट चोकर सेट के साथ स्टाइल करें, ताकि टाइमलेस सोफिस्टिकेशन बिन प्रयास झलके।

मॉडर्न एलेगेंस और फेस्टिव चार्म का परफेक्ट संगम सैटिन ग्रीन साड़ीः अगर आप पारंपरिक लुक में आधुनिकता का स्पर्श जोड़ना चाहती हैं, तो ईशा के इस सैटिन ग्रीन साड़ी लुक से प्रेरणा लें। उन्होंने इसे हॉल्टर-नेक ब्लाउज़ और स्लीक स्ट्रेट हेयरस्टाइल के साथ पेयर किया है, जो मॉडर्न एलेगेंस और फेस्टिव चार्म का परफेक्ट संगम पेश करता है।

ग्रेसफुल स्टाइल और टाइमलेस लुक यानी रेडिएंट साड़ीः फेस्टिव सीज़न में ग्लैमर का टच जोड़ने के लिए ईशा की वार्डरोब से यह रेडिएंट साड़ी अपनाएं। उनका ग्रेसफुल स्टाइल और टाइमलेस लुक इस दिवाली 2025 पर स्टाइल स्टेटमेंट बनाने के लिए परफेक्ट है। सटल लक्ज़री के दीवाने अपनाएं मिरर वर्क आउटफिटः जो लोग सटल लक्ज़री पसंद करते हैं, उनके लिए ईशा का मिरर-वर्क पिंक और येलो साड़ी लुक बिल्कुल मस्ट-हैव है। कोट-स्टाइल ब्लाउज़ और क्लासिक सिल्वर ज्वेलरी के साथ यह आउटफिट पारंपरिक एलेगेंस और मॉडर्न फ्लेयर का बेहतरीन मेल है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा–बहुत तनाव भी पैदा होगा। पुरानी यादों को ज़ेहन में ज़िंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताज़ा करने का वक़्त है। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे– तो वह आपका पीछा हर निकृष्ट तरीक़े से करेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

असुरक्षा के चलते आप असमंजस में फँस सकते हैं। तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जीवन–साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। अपने जीवन–साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपके माता पिता आपकी फिज़ूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निकालें। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। नए प्रस्ताव आकर्षक होंगे, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय लेना समझदारी का काम नहीं हैं , अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आपको और आपके जीवनसा–थी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 अक्टूबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी दोपहर 01:53 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी सायं 05:50 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 02:04 तक
करण : वणिज दोपहर 01:53 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:58 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:50 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 05:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नरक चतुर्दशी , यम प्रीत्यर्थ दीपदानम् , यम तर्पण, भद्रा दोपहर 01:52 से रात्रि 02:42 तक , कार्तिक मासे दीप–दानम् विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

72 लाख किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की

चौथी किस्त के रूप में 718 करोड़ रुपए हस्तान्तरित

भरतपुर,18 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान हमारे राष्ट्र निर्माता और भारत की आत्मा हैं। कृषक जब अपने खेतों में दिन–रात मेहनत करता है, तभी हमारी थाली में भोजन आ पाता है। उन्होंने कहा कि अन्नदाता शब्द समाज में किसान के सम्मान, गरिमा और महत्व को दर्शाता है। हमारा किसान समृद्ध होगा तो देश और प्रदेश भी विकसित होगा, इसलिए राज्य की डबल इंजन सरकार किसानों की समृद्धि के लिए दिन–रात कार्य कर रही है।

शर्मा ने शनिवार को भरतपुर के नदबई में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्य के लगभग 72 लाख किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की चौथी किस्त के रूप में लगभग 718 करोड़ रुपये की राशि का हस्तान्तरण किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को सर्वोपरि मानते हुए उनके कल्याण के लिए किसान सम्मान निधि योजना प्रारम्भ की। राजस्थान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत पौने दो साल में किसानों को 7 हजार 31 करोड़ रुपये से अधिक दिए जा चुके हैं। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 6 हजार के अतिरिक्त 3 हजार की राशि अलग से प्रदेश के किसानों को देती है। इसके तहत अब तक 70 लाख से अधिक किसानों को 1 हजार 355 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई है। इस प्रकार केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को कुल 8,386 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है जो एक रिकॉर्ड है। इसी क्रम में चौथी किस्त के रूप में लगभग 718 करोड़ रुपये किसानों को और दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई पीएम धन धान्य कृषि योजना प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच की परिचायक है। देशभर से चयनित 100 जिलों में राज्य के आठ जिलों बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, जोधपुर, बीकानेर, पाली, जालोर और चूरू को भी इस योजना में शामिल किया गया है। इस योजना का उद्देश्य केवल उत्पादकता बढ़ाना ही नहीं, बल्कि फसल विविधीकरण, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, भंडारण क्षमता में वृद्धि और किसानों को आसान ऋण उपलब्ध कराना भी है।

शर्मा ने किसानों को परम्परागत खेती के साथ ही, आधुनिक खेती भी अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीते दो वर्षों के दौरान राज्य में साढ़े सात करोड़ से अधिक फसल बीमा पॉलिसी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि 3 हजार 452 करोड़ रुपये का राज्यांश प्रीमियम जमा कराया गया तथा 5 हजार 965 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम वितरित किए गए। पारदर्शिता के लिए इस योजना को पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी किसान इस सुविधा से वंचित न रहे। इसके लिए लगभग 78 लाख किसानों की भूमि का सत्यापन किया जा चुका है और लगभग 75 लाख किसानों की आधार सीडिंग तथा 71 लाख किसानों का ई–केवाईसी कार्य पूरा हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 77 लाख से अधिक हजार किसानों को 43 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि के अल्पकालीन ब्याज मुक्त ऋण दिए हैं। साथ ही, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में करीब 71 हजार पशुपालकों को 515 करोड़ रुपये का ऋण तथा चालू वित्त वर्ष में 2 हजार 855 सदस्यों को दीर्घकालीन सहकारी कृषि और नॉन–फार्मिंग सेक्टर्स पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान के साथ 103 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है।

धनतेरस पर एसओजी की बड़ी कार्रवाई

43 लाख के नकली नोट बरामद, वाटर मार्क और सिक्योरिटी फीचर तक कॉपी

जयपुर,18 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में त्योहारों की रौनक के बीच पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। धनतेरस की शाम नारायण विहार थाना क्षेत्र में एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने छापा मारकर ₹43 लाख के नकली नोट बरामद किए हैं। इस दौरान पुलिस ने दो युवकों को मौके से गिरफ्तार किया, जो लंबे समय से फर्जी करेंसी के इस नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे हैं।

एसओजी की यह कार्रवाई पिछले 15 दिनों की निगरानी और गुप्त सूचनाओं के आधार पर की गई थी। टीम ने जिस फ्लैट पर दबिश दी, वहां से मिले नकली नोट इतने बारीक और खतरनाक स्तर पर तैयार किए गए थे कि उनमें वाटर मार्क और सिक्योरिटी फीचर तक मौजूद पाए गए – यानी, सामान्य व्यक्ति के लिए असली और नकली में फर्क कर पाना लगभग नामुमकिन था।

त्योहारों पर नकली नोटों का कारोबार बढ़ने की आशंका

एडीजी एसओजी वी.के. सिंह ने बताया कि हर साल त्योहारों के मौसम में नकली नोटों का चलन बढ़ जाता है। बाजार में कैश ट्रांजेक्शन अधिक होने का फायदा उठाकर ऐसे गिरोह सक्रिय हो जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए एसओजी की कई टीमें राजस्थान के विभिन्न जिलों में अलर्ट थीं।

सूचना मिलने पर एसओजी ने जयपुर पुलिस के साथ मिलकर नारायण विहार इलाके में स्थित एक फ्लैट पर छापा मारा। वहां से 43 लाख के नकली नोट जब्त किए गए, जो सभी ₹500 के मूल्य वर्ग के थे। फिलहाल गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और जांच साउथ जिला पुलिस को सौंप दी गई है। बरामद नकली नोटों में से 26 लाख रुपए की पूरी गड्डियां मिलीं, जबकि 18 लाख रुपए के नोट अब तक शीट के रूप में थे, जिनकी कटिंग नहीं की गई थी। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि ये शीट संभवतः किसी बाहरी राज्य से जयपुर लाई गई थीं, ताकि शहर के भीतर अलग–अलग जगहों पर सप्लाई की जा सके।

यह पहलू पुलिस के लिए बेहद चौंकाने वाला है कि नकली नोटों में पहली बार टच–एंड–फील सिक्योरिटी फीचर और उभरा हुआ वाटर मार्क पाया गया है – यानी ये नोट केवल रंगीन प्रिंट नहीं, बल्कि तकनीकी रूप से अत्यधिक उन्नत नकली करेंसी हैं।पूछताछ में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। आरोपी ₹1 लाख असली नोट के बदले ₹4 लाख नकली नोट दे रहे थे। इस डीलिंग के लिए मध्यस्थ के तौर पर बीकानेर का एक बदमाश काम कर रहा था, जो अब पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

एसओजी के अनुसार, गिरोह का नेटवर्क कई शहरों तक फैला हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर राजस्थान और उससे सटे राज्यों में कई ठिकानों पर रेड की जा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी दोनों आरोपियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट में यह सामने आया है कि दोनों की उम्र 25 से 35 वर्ष के बीच है और दोनों ही लंबे समय से छोटे स्तर पर नकली नोटों का लेन–देन करते रहे हैं।

एक आरोपी कंप्यूटर ग्राफिक डिजाइनिंग का जानकार बताया जा रहा है, जिसने नकली करेंसी की प्रिंटिंग में तकनीकी भूमिका निभाई, जबकि दूसरा सप्लाई और नेटवर्किंग का काम देखता था। जांच में सामने आया है कि नोटों की प्रिंटिंग के लिए हाई–रेज़ोल्यूशन इंकजेट प्रिंटर और विशेष प्रकार का पेपर इस्तेमाल किया गया था, जिसकी सतह असली करेंसी के कागज़ जैसी महसूस होती है।सिक्योरिटी फीचर को कॉपी करने के लिए थ्री–लेयर प्रिंटिंग और ट्रांसपेरेंट शीट तकनीक अपनाई गई। इतना ही नहीं, नोटों के बीच में वाटर मार्क जैसी पारदर्शी छवि डालने के लिए विशेष कैमिकल का प्रयोग किया गया, जिससे नकली नोट असली जैसे दिखते और महसूस होते थे।

राजस्थान में इस बार गाय के गोबर से बने दीपकों की रोशनी जगमगायेगी

जयपुर,18 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों में जागरुता आने से दिवाली पर मिट्टी के दीयों से रोशनी करने के प्रति रुझान बढ़ने लगा है और साथ ही गाय के गोबर से बने दीयों को भी बढ़ावा मिलने लगा हैं और इस बार रोशनी के पर्व दीपावली पर गो संवर्द्धन एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए राजधानी जयपुर सहित कई क्षेत्रों में मिट्टी के बने दीयों के साथ गाय के गोबर से बने दीपकों की रोशनी जगमगायेगी।जयपुर के विभिन्न स्वयं सहायता महिला समूह से जुड़ी महिलाओं ने अपनी अथक मेहनत से इन गोमय दीपकों को तैयार किया हैं। हैनिमन चेरिटेबल सोसायटी की सचिव मोनिका गुप्ता ने बताया कि पिछले दो महीनों से महिलाएं गाय के गोबर से ये दीपक बनाने में जुटी है। श्रीमती गुप्ता ने बताया कि टोंक रोड स्थित पिंजरापोल गौशाला के वैदिक पादप अनुसंधान केन्द्र में बड़ी संख्या में गाय के गोबर से दीपक तैयार किए गए हैं। माता रानी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं प्रतिदिन लगभग पांच हजार दीपक बना रही हैं। यह कार्य इन महिलाओं को आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक आजीविका दोनों प्रदान कर रहा है, साथ ही ग्रामीण कारीगरों और गौशालाओं को भी आर्थिक सहयोग का माध्यम बन रहा है।उन्होंने ताया कि ये दीपक देसी नस्ल की गाय के गोबर और दुर्लभ औषधीय जड़ी–बूटियों से निर्मित हैं। इनमें जटामासी, अश्वगंधा, रीठा, देसी घी, मोरिंगा पाउडर, काली हल्दी, नीम, तुलसी और अन्य प्राकृतिक तत्व सम्मिलित किए गए हैं। ज ये दीपक जलते हैं, तो उनसे न केवल उजाला फैलता है बल्कि हवन सामग्री जैसी दिव्य सुगंध भी वातावरण में व्याप्त हो जाती है। यह विशिष्ट संयोजन दीपों को आध्यात्मिक और औषधीय दोनों दृष्टियों से उपयोगी बनाता है।

अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के अंतराष्ट्रीय संयोजक डा अतुल गुप्ता ने बताया कि गोमय दीपकों की विशेषता यह भी है कि ये अत्यंत हल्के, गिरने पर टूटते नहीं और इन्हें कई बार जलाया जा सकता है। जलने के बाद इन्हें मिट्टी या पौधों में डालने से ये प्राकृतिक

खाद (उर्वरक) की तरह कार्य करते हैं। इस प्रकार ये दीपक रोशनी के साथ पोषण का संदेश देते हैं। यह प्रयोग भारतीय परंपरा में वर्णित पंचगव्य सिद्धांत का आधुनिक स्वरूप है जो यह दर्शाता है कि स्वदेशी ज्ञान और पर्यावरण–संरक्षण के मेल से भी नवाचार संभव हैं।श्री गुप्ता ने बताया कि इस बार दीपावली पर श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में 26 लाख दीपकों से दीपोत्सव आयोजित होगा, जिसमें जयपुर से पांच लाख गोमय दीपक विशेष आकर्षण का केन्द्र होंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष राजस्थान राजभवन में भी देसी नस्ल की गाय के गोबर और दुर्लभ औषधीय जड़ी–बूटियों से बने गोमय दीपक प्रज्वलित होंगे। इसके लिए शुक्रवार को विभिन्न गोसेवा संगठनों के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे से मुलाकात कर उन्हें गोमय दीपक भेंट किए।उन्होंने ताया कि बाड़मेर जिले में एक संस्था से जुड़ी महिलाएं भी गाय के गोबर से पर्यावरण–अनुकूल दीये बनाकर दीपावली की तैयारी में जुटी हैं।

इन्होंने गुजरात के मेहसाणा में प्रशिक्षण लेकर यह कार्य प्रारंभ किया। अ बाड़मेर ही नहीं, प्रदेश के अन्य जगहों से भी इन दीयों की मांग बढ़ने लगी है। उन्होंने बताया कि जयपुर नगर निगम ग्रेटर की ओर से भी इस बार प्रत्येक वार्ड में गोमय दीपक जलाने की तैयारी की जा रही है। शहर के आधा दर्जन से अधिक सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं भी गांवों और मोहल्लों में 'गोमय दीपोत्सव' मनाने की दिशा में जुटी हैं।श्री गुप्ता ने बताया कि लोगों में जागरुता आने से दिवाली पर मिट्टी के दीयों से रोशनी करने के प्रति लोगों का रुझान बढ़ने लगा है और साथ ही गाय के गोबर से बने दीयों को भी बढ़ावा मिलने लगा हैं और दीपावली जैसे पर्व पर इनकी मांग भी बढ़ने लगी हैं।उधर श्रीयादे माटी कला बोर्ड भी मिट्टी के दीयों सहित मिट्टी से बनी वस्तुओं को बढ़ावा देने के प्रयास में जुटा हैं और बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने बताया कि दिवाली के मौके पर प्रदेश के विभिन्न शहरों में दीयों सहित मिट्टी से बनी वस्तुओं को बेचने के लिए फुटपाथ पर भी बिना रोकटोक के बेचने देने में मदद के लिए प्रशासन एवं पुलिस को पत्र लिखा गया और मिट्टी के दिए हर जगह उपलब्ध हो रहे हैं।

नायब सरकार का एक साल : झूठे दावे, बढ़ती बदहाली और टूटी उम्मीदों का साल: सैलजा

चंडीगढ़,18 अक्टूबर (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश की भाजपा की तथाकथित नायब सरकार का एक साल घणा कमाल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक साल हरियाणा की जनता के लिए महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का साल साबित हुआ है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा नेतृत्व के दावे केवल कागजों और विज्ञापनों में दिखाई देते हैं, जबकि जमीनी सच्चाई इससे कोसों दूर है। यह एक वर्ष हरियाणा के इतिहास में जो अपेक्षा और अन्याय का प्रतीक बनकर रहेगा। जश्न मनाने की बजाय सरकार को चाहिए कि वह जनता को मूलभूत सुविधाएं पानी, सड़क, सफाई और सुरक्षा प्रदान करे। यही सच्चा कमाल होगा। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश के हालात काफी भयावह बने हुए है, प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। प्रदेश में गुंडाराज है और चहुं ओर भय का माहौल है। व्यापारियों से रंगदारी मांगी जा रही है, हत्याओं की घटनाएं बढ़ी हैं और पुलिस व्यवस्था जनता के भरोसे पर खरी नहीं उतर रही। आए दिन सरेआम हत्याएं हो रही है, रंगदारी न देने वालों पर फायरिंग की जा रही है। पुलिस हाथ पर हाथ रखे बैठी है।

प्रदेश में जंगलराज जैसे हालात है। राजनीतिक अराजकता और खौफ के दौर में कानून व्यवस्था का जैसे अपराधियों ने अपहरण कर लिया है। लोग मूलभूत सुविधाओं को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे है, उनकी मांगों पर ध्यान देने के बजाए उन पर लाठियां बरसाई जाती है। प्रदेश में पीने के पानी की व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है। नहरी पानी की आपूर्ति पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है अधिकतर जिलों में टयूबवेल आधारित जलापूर्ति की जा रही है जो पीने योग्य नहीं है और लोग जल जनित रोगों की चपेट में आ रहे हैं।

हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों ने की सीएम सैनी से मुलाकात

चंडीगढ़,18 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शनिवार को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ललित बत्रा और सदस्य कुलदीप जैन तथा दीप भाटिया ने उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान आयोग ने मुख्यमंत्री को वार्षिक रिपोर्ट 2024–25 की प्रति भेंट की और राज्य में मानवाधिकारों की सुरक्षा से जुड़े अपने कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आयोग की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे निर्णयों को लागू होना ही चाहिए, जो आम जनता को न्याय और सम्मान दिला सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हमेशा मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और आयोग के सुझावों पर गंभीरता से अमल किया जाएगा।

बैठक के दौरान आयोग ने बीते वर्ष की अपनी गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। बताया गया कि अब तक आयोग में 5,542 मामलों की सुनवाई की जा चुकी है, जिनमें

से 4,638 मामलों का निपटारा हो चुका है। केवल 904 मामले अभी लंबित हैं। आयोग ने यह भी बताया कि वह हर महीने राज्य की एक जेल और सामाजिक संस्थान का निरीक्षण करता है ताकि कैदियों और समाज के वंचित वर्गों के मानवाधिकारों की स्थिति की निगरानी की जा सके।

आयोग ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि हाल ही में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) के 32वें स्थापना दिवस समारोह में हरियाणा मॉडल की विशेष रूप से सराहना की गई। हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कार्यों और पारदर्शिता को दूसरे राज्यों के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया।मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर आयोग को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार और आयोग मिलकर राज्य में मानवाधिकारों की सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाएंगे। उन्होंने कहा कि आयोग के कार्य न केवल समाज में जागरूकता बढ़ा रहे हैं, बल्कि पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने में भी सहायक साबित हो रहे हैं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दें

जितने विधायक जीतकर आएंगे स्वयं अपना नेता चुनेंगे : चिराग

पटना (एजेंसियां)। बिहार में एनडीए गठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर जारी अटकलों और मीडिया में चल रही बहस के बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा है कि गठबंधन में कोई विवाद नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें मुख्यमंत्री के चयन को लेकर विधायकों की ओर से नेता चुने जाने की बात कही गई थी। चिराग पासवान ने इसे 'सामान्य प्रक्रिया' बताया। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने वही प्रक्रिया समझाई है, जो हर चुनाव के बाद गठबंधन में मुख्यमंत्री के चयन के लिए अपनाई जाती है। इससे पहले चिराग पासवान कहा करते थे कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाएंगे।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने साफ किया कि एनडीए गठबंधन में किसी तरह का कोई मतभेद या विवाद नहीं है। उन्होंने कहा, 'कोई विवाद नहीं हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सामान्य प्रक्रिया के बारे में बात की थी, और ये वही प्रक्रिया है जो मुख्यमंत्री के चुनाव के लिए अपनाई जाती है।' चिराग पासवान ने गठबंधन की प्रक्रिया को समझाते हुए कहा कि चुनाव के बाद यही तरीका अपनाया जाता है। उन्होंने कहा, अमित शाह ने सामान्य प्रक्रिया की बात की है, जो होती है। चुनाव के बाद गठबंधन में मुख्यमंत्री चुनने का यही प्रक्रिया होती है।

गठबंधन की मजबूती पर जोर देते हुए चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए पांच दलों का गठबंधन है। उन्होंने कहा, हमारा पांच दल का गठबंधन है, जितने विधायक जीतकर आएंगे, स्वयं अपना नेता चुनेंगे।' बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए अमित शाह तीन दिनों से बिहार में हैं। शनिवार की सुबह चिराग पासवान ने पटना में अमित शाह से मुलाकात की। इसके बाद मीडिया ने अमित शाह के बयान से जुड़े सवाल पूछा तो चिराग पासवान मुख्यमंत्री चुनने की प्रक्रिया पत्रकारों को समझाने लगे। दरअसल, बिहार में मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए के पांचों दल चुनाव लड़ रहे हैं। मगर, सीएम फेस को लेकर असमंजस हमेशा बन रहता है। जबकि, जेडीयू के नेता इस बात पर जोर देते हैं कि चुनाव बाद एनडीए की सरकार बनेगी और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे।

दरअसल, पटना में एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में नीतीश कुमार को चुनाव के बाद मुख्यमंत्री बनाने को लेकर सवाल पूछा गया था। इसके जवाब में अमित शाह ने कहा कि मैं कौन होता हूं किसी को मुख्यमंत्री बनाने वाला, एनडीए में इतने सारे दल हैं। चुनाव के बाद एनडीए विधानमंडल दल तय करेगा कौन मुख्यमंत्री होगा? अमित शाह ने कहा कि भाजपा गठबंधन और उसके सहयोगियों का सम्मान करती है। अंतिम निर्णय चुनाव के परिणाम पर आधारित होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है। फिर उनसे पूछा गया कि क्या कम सीटें आने पर भी नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे? अमित शाह ने इसका जवाब दिया कि आज भी भाजपा की सीटें अधिक हैं। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि ये सच है कि 2020 के विधानसभा चुनाव में कम सीटें आने के कारण नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री बनने से इनकार किया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आग्रह पर वे (नीतीश कुमार) राजी हुए।

पटना में दिवाली को लेकर प्रशासन अलर्ट

194 टीम और 108 एंबुलेंस तैनात, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

पटना (एजेंसियां)। जिला और पुलिस प्रशासन ने धनतेरस और दिवाली के लिए व्यापक सुरक्षा एवं आपातकालीन व्यवस्था पूरी कर ली है। त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सदर, पटना सिटी और दानापुर अनुमंडलों में 194 प्रमुख स्थानों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

51 मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी के साथ 24 घंटे काम करने वाला एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, सभी मूर्ति विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और चौबीसों घंटे निगरानी के लिए 10 विशेष गश्ती दल बनाए गए हैं। संवेदनशील इलाकों और व्यस्त बाजारों में भी अतिरिक्त गश्त की जाएगी।

एक समीक्षा बैठक के दौरान, जिला मजिस्ट्रेट डॉ. त्यागराजन एस.एम. और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय के. शर्मा ने ज़ोर देकर कहा कि शांति और सुरक्षा बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप-मंडल अधिकारियों, एसडीपीओ, थाना प्रभारियों, खंड विकास अधिकारियों और अंचल अधिकारियों सहित सभी अधिकारियों को सतर्क रहने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए स्थानीय खुफिया जानकारी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। चिकित्सा आपात स्थितियों से निपटने के लिए, सिविल सर्जन ने जिले भर में डॉक्टरों और आवश्यक दवाओं से लैस 108 एम्बुलेंस तैनात की हैं।

एम्स, पीएमसीएच, एनएमसीएच, आईजीआईएमएस और श्री गुरु गोबिंद सिंह अस्प-ताल सहित प्रमुख अस्पताल, जले हुए रोगियों के उपचार की सुविधाओं के साथ तैयार रहेंगे। जिला अग्निशमन अधिकारी को निर्देश दिया गया है कि वे जिला एवं पटना नगर नियंत्रण कक्षों में तीन-तीन अग्निशमन इकाइयाँ तैयार रखें, साथ ही सभी अनुमंडलों में अतिरिक्त अग्निशमन गाड़ियाँ भी निरंतर स्टैंडबाय पर रखें। कार्यपालक विद्युत अभियंताओं को त्योहारों के दौरान निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है।

बहती नदियों और सहायक नदियों में मूर्ति विसर्जन पर सख्त पाबंदी लगा दी गई है। प्रशासनिक निगरानी में केवल अस्थायी तालाबों या गंगा तट पर ही मूर्ति विसर्जन की अनुमति होगी। सभी संवेदनशील स्थानों पर मजिस्ट्रेट की निगरानी में वीडियोग्राफी के माध्यम से निगरानी की जाएगी। जिला और पुलिस नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे कार्यरत रहेंगे। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दिए गए टेलीफोन नंबरों के माध्यम से जिला नियंत्रण कक्ष को दें।

हाथ में हथकड़ी...आंख में आंसू...

तेज प्रताप की पार्टी से क्रांतिकारी उम्मीदवार ने भरा पर्चा

गोपालगंज (एजेंसियां)। हाथ में हथकड़ी और आंखों में आंसू लिए एक शख्स जेल से सीधे नॉमिनेशन सेंटर पहुंचा। मीडिया वालों से चिल्ला-चिल्लाकर अपनी बात कह रहा था। धर्मेंद्र कुमार क्रांतिकारी नाम का ये शख्स गोपालगंज के बरौली विधानसभा क्षेत्र से अपना पर्चा भरा।

राजद सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल के प्रत्याशी हैं। बरौली विधानसभा से जेजेडी प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल किए।

जब धर्मेंद्र कुमार क्रांतिकारी नामांकन करने पहुंचे तो उनके हाथ में हथकड़ी लगा हुआ था। बताया जा रहा है कि जून में जमीन धोखाधड़ी, एससी-एसटी सहित कई अन्य संगीन धाराओं के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बाद में धर्मेंद्र कुमार क्रांतिकारी पर गुंडा एक्ट भी लग गया। धर्मेंद्र क्रांतिकारी बरौली के माधोपुर गांव का रहने वाले हैं। उनके ऊपर अपने सगे बड़े भाई पर चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल करने का भी आरोप है।

धर्मेंद्र क्रांतिकारी के पर अकेले बरौली विधानसभा क्षेत्र में 29 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। जिसमें प्रमुख रूप से जमीन हड़पने, धोखाधड़ी, जबरन पैसे वसूली, हरिजन उत्पीड़न और आर्म्स एक्ट के केस हैं। बरौली से नामांकन करने पहुंचे धर्मेंद्र क्रांतिकारी ने बताया कि उन्हें साजिश के तहत फंसाया गया है। जिसकी वजह से वो जेल में बंद हैं। वे जेल से ही नामांकन करने के लिए गोपालगंज जिला समाहरणालय में पहुंचे।

अखिलेश यादव का योगी आदित्यनाथ पर तंज

बिहार चुनाव में स्टार प्रचारक नहीं स्टार विभाजक बनकर गए हैं

लखनऊ (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री बिहार में स्टार प्रचारक नहीं, बल्कि स्टार विभाजक बनकर गए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता सांप्रदायिक सोच वाले लोगों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटने का काम कर रही है। भाजपा के नेता चुनाव आते ही लोगों के बीच नफरत फैलाने लगते हैं, ताकि असल मुद्दों से जनता का ध्यान हटाया जा सके।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नेताओं की भाषा और कार्यशैली लोकतंत्र की मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिहार जाकर लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि देश को एकता और भाईचारे की जरूरत है। भाजपा का एजेंडा सिर्फ धार्मिक ध्रुवीकरण और विरोधियों को बदनाम करने तक सीमित है। उन्होंने कहा कि नौ साल में भाजपा ने देश और प्रदेश की जनता को सिर्फ वादों और नारों से बहलाया है, जबकि रोजगार, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे जस के तस बने हुए हैं। सपा मुखिया ने कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश दोनों राज्यों की जनता अब भाजपा की सच्चाई जान चुकी है। उन्होंने कहा कि अब नफरत नहीं, बदलाव की राजनीति होगी। जनता समझ चुकी है कि भाजपा नेताओं के पास विकास का नहीं, केवल विभाजन का एजेंडा है।

बता दें कि बिहार चुनाव के लिए 200 से ज्यादा नेता भेजे जा रहे हैं, जो विधानसभा की 243 सीटों पर जाकर अपना काम करेंगे। पहले चरण के 121 सीटों पर नामांकन भी हो चुका है। इसी को देखते हुए बिहार चुनाव में तमाम नेताओं के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ की भी एंट्री हो गई है।

सीएम योगी बिहार के दानापुर और सहरसा में बीते दिनों जनसभाएं करके पार्टी और गठबंधन के पक्ष में समा बांध चुके हैं। वहीं, अब सीएम योगी बिहार चुनाव के लिए करीब 18 से 20 सभाएं और रोड-शो करेंगे। सीएम योगी मुख्य रूप से बिहार की उन सीटों को अपनी तेज-तर्रार छवि और वाणी से साधने का प्रयास करेंगे, जहां पर एनडीए थोड़ा कमजोर स्थिति में होगी। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई राज्यों में जाकर सीएम चुनाव प्रचार कर चुके हैं।

भाजपा और जदयू का बड़ा दिल

सीट बंटवारे पर चिराग पासवान ने जताया आभार, महागठबंधन पर कसा तंज

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि दोनों दलों ने विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के सीट बंटवारे में छोटे सहयोगी दलों, जिनमें उनकी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) भी शामिल है, को समायोजित कर बड़ा दिल दिखाया है।

पासवान ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, जो गुरुवार से पटना में डेरा डाले हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि एनडीए बिहार में ङ्गऐतिहासिक जीतङ्ख हासिल करेगा और विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक (महागठबंधन) पर अंदरूनी कलह के लिए तंज कसा। चिराग पासवान ने कहा, ङ्गहम किसी निश्चित संख्या की सीटों के लिए नहीं लड़ रहे थे। हम केवल उन जगहों से चुनाव लड़ना चाहते थे, जहां हमारी मजबूत उपस्थिति है। मैं भाजपा और जदयू दोनों का आभारी हूं, जिन्होंने सीट बंटवारे में बड़ा दिल दिखाया।

हाजीपुर से सांसद पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें मिली हैं, जबकि वर्तमान विधानसभा में पार्टी का कोई विधायक नहीं है। सीट बंटवारे के तहत भाजपा और जदयू को 101-101 सीटें मिली हैं, जबकि उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) को 6-6 सीटें दी गई हैं। पासवान ने विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, ङ्गइंडिया गठबंधन के दलों में भारी मतभेद हैं। अब तक यह भी स्पष्ट नहीं है कि तेजस्वी यादव गठबंधन का चेहरा हैं या नहीं। आरजेडी, कांग्रेस और वाम दलों के उम्मीदवार आपस में ही टकरा रहे हैं। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ऐतिहासिक जीत के लिए पूरी तरह तैयार है।ङ्ख 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा के चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

आप ने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की, 50 प्रत्याशियों का ऐलान

पटना (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 50 उम्मीदव-ारों की अपनी तीसरी सूची की घो-षणा की हैं।

तीसरी सूची में लौरिया से शशि भूषण तिवारी, बेतिया से अर्जुन कुमार सिन्हा, सुगौली से गयासुद्दीन सामैनी और समस्तीपुर से रंजन कुमार समेत अन्य उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। इससे पहले मंगलवार को आप ने अपनी दूसरी सूची जारी की थी, जिसमें 48 उम्मीदवार शामिल थे। प्रेम प्राप्त सिंह को छपरा से, राजेंद्र प्रसाद सिंह को लालगंज से, आदित्य लाल को पूर्णिया से और इंद्रजीत ज्योतिकर को हथुआ से मैदान में उतारा गया है। इस बीच, महागठबंधन गठबंधन के घटक दल सीपीआई (एमएल) ने भी शनिवार को 20 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। इससे पहले, 16 अक्टूबर को जनता दल यूना-इटेड ने 44 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की थी, जिसमें कई प्रमुख नेता, मौजूदा विधायक और विभिन्न व्यावसायिक और सामाजिक पृष्ठभूमि भूमि से युवा चेहरे शामिल थे।

इस दूसरी सूची के जारी होने के साथ ही जेडीयू ने राज्य भर में अपना चुनाव अभियान तेज कर दिया है। जदयू की सूची में प्रमुख नामों में वाल्मिकीनगर से धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह, धमदाहा से लेशी सिंह, अमरपुर से जयंत राज, काराकाट से महाबली सिंह और चकाई से सुमित कुमार सिंह शामिल हैं।

अन्य उम्मीदवारों में समृद्ध वर्मा (सिकटा), श्वेता गुप्ता (शिवहर), पंकज मिश्रा (रून्नीसैदपुर), सुधांशु शेखर (हरलाखी), मीना कामत (बाबूबरही), शीला मंडल (फुलपरास), सतीश साह (लौकहा), अनिरुद्ध प्रसाद यादव (निर्मली), विजेंद्र प्रसाद यादव (सुपौल), बुलो मंडल (गोपालपुर), ललित नारायण मंडल (सुल्तानगंज), मनोरमा देवी (बेलागंज), चेतन आनंद (नवीनगर), और विभा देवी (नवादा) शामिल हैं।

दलित दबेगा नहीं-झुकेगा नहीं अब इंकलाब होगा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम का राजद पर वार

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का नामांकन समाप्त होने के बावजूद, महागठबंधन (राजद, कांग्रेस, वामदल, वीआईपी और वाम दल) के भीतर सीट-शेयरिंग पर सहमति नहीं बन पाई है, जिससे गठबंधन में दरार गहरी होती दिख रही है।

वैशाली और लालगंज सहित कम से कम 9 सीटों पर महागठबंधन के घटक दलों के बीच ही मुकाबला देखने को मिल रहा है। इनमें से दो सीटों पर तो राजद और कांग्रेस सीधे आमने-सामने हैं। सीट बंटवारे में सबसे बड़ी खींचतान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम की विधानसभा सीट कुटुंबा (कुटुम्बा) पर सामने आई है। कांग्रेस ने जहां राजेश राम को सिंबल दिया है, वहीं राजद ने भी इस सीट पर अपना कैंडिडेट उतार दिया है। राजद के उम्मीदवार पूर्व मंत्री सुरेश पासवान ने लालटेन सिंबल पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और वे 20 अक्टूबर को पर्चा दाखिल करेंगे।

राजेश राम भी इसी दिन नामांकन करेंगे, जिससे कुटुंबा सीट पर महागठबंधन में 'फ्रेंडली फाइट' (दोस्ताना संघर्ष) देखने को मिलेगा। इस सियासी खींचतान के बीच, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने सोशल मीडिया प्लेटफफॉर्म 'एक्स' पर ट्वीट किया: 'दलित दबेगा नहीं – झुकेगा नहीं अब इंकलाब होगा। जय बापू, जय भीम, जय संविधान, जय कांग्रेस। कुटुंबा सीट पर एनडीए की ओर से जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवामी मोर्चा (हम) ने पूर्व विधायक ललन राम को उम्मीदवार बनाया है।ललन राम ने हाल ही में जदयू छोड़कर 'हम' की सदस्यता ली है। इस त्रिकोणीय मुकाबले के चलते कुटुंबा विधानसभा में चुनावी संघर्ष बेहद दिलचस्प होने के आसार हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com